हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

हरिभूमि-आईएनएच द्वारा सृजन संवाद कार्यक्रम की श्रृंखला में रियल एस्टेट कॉनक्लेव-2025, सृजन संवाद का उद्घाटन डिप्टी सीएम अरुण साव ने होटल सयाजी में दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। इस अवसर पर उनके साथ रायपुर के ग्रामीण के विधायक मोतीलाल साहू और हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डा. हिमांशु द्विवेदी भी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर मीनल चौबे ने की। समापन समारोह के मुख्य अतिथि वित्त एवं आवास पर्यावरण, योजना एवं सांख्यिकी मंत्री ओपी चौधरी रहे। अध्यक्षता मंत्री गुरु खुशवंत सिंह साहेब ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक अनुज शर्मा मौजूद रहे।

आनंद का सच्चा भाव®

18 कैरेट रेट* (75.00%) =	₹78905/-
22 कैरेट रेट* (91.60%) =	₹96370/-
24 कैरेट रेट* (99.99%) =	₹105196/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

anand® Jewels Pandri, Raipur

*Conditions apply

वालकिंस गंगा
USFDA स्वीकृत अत्याधुनिक उपचार
डबल चिन रिडक्शन
परामर्श सिर्फ 199/-
डॉ. सुकृति अरोरा
एम.डी. गोल्ड मेडलिस्ट
शंकर नगर, रायपुर
9238709001

हरिभूमि-आईएनएच का सृजन संवाद, वित्तमंत्री चौधरी ने किए कई बड़े ऐलान

जमीन की गाइडलाइन के 75 फीसदी स्लैब होंगे खत्म, तीन माह में रायपुर का मास्टर प्लान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि-आईएनएच के सृजन संवाद में मौजूद वित्त, आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी ने छत्तीसगढ़ के मुद्दों पर खुलकर बातें की। प्रधान संपादक डा. हिमांशु द्विवेदी के साथ खास व सीधा संवाद में उन्होंने कई ऐलान भी किए। श्री चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कोई बड़ा ग्रोथ इंजन नहीं है। ग्रोथ इंजन बनाने के लिए सरकार ने एससीआर की कल्पना की है। सरकार के इसी कार्यकाल में इसका काम दिखने लगेगा। उन्होंने बताया कि रायपुर में जमीन की गाइड लाइन दरों के 75 फीसदी स्लैब खत्म किए जाएंगे। इस पर काम चल रहा है। श्री चौधरी ने यह भी कहा कि राजधानी रायपुर के मास्टरप्लान की खामियां दूर कर इसे दो माह में धरातल पर लाया जाएगा। श्री चौधरी ने कहा कि सरकार राज्य की बुनियाद के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है। आने वाले दिनों में यह देखने को मिलेगा।

वित्तमंत्री श्री चौधरी ने हरिभूमि-आईएनएच द्वारा होटल सयाजी में ▶▶| शेष पेज 7 पर

चौधरी से हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डा. हिमांशु द्विवेदी का संवाद

लैंड यूज के नियमों में करेंगे सुधार

जमीन की पंजीयन दर को 10 प्रतिशत से घटाने संबंधी बिल्डरों के सुझाव पर उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की इकानॉमी उत्पादक है। उपभोग इकॉनामी जब तक नहीं बनाएंगे तब तक जमीनों का पंजीयन शुल्क कम नहीं कर सकते। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र में कई ऐसे शहर हैं जो इकॉनामिक उपभोग के हिसाब से बेहद मजबूत हैं। रोजगार और अन्य मामलों में आगे हैं। छत्तीसगढ़ को भी आर्थिक ▶▶| शेष पेज 7 पर

आय 5 गुना बढ़ी और मकान 15 गुना महंगे, ड्रीम होम अभी भी सपना

आम आदमी की आय बढ़ी है, लेकिन मकान और तेज़ी से महंगे हुए हैं। हरिभूमि और आईएनएच द्वारा आयोजित रियल एस्टेट कॉन्क्लेव, सृजन संवाद के पहले सत्र में यही सबसे बड़ा सवाल गूंजा। मंच पर हरिभूमि के संपादक समन्वय ब्रह्मवीर सिंह ने बिल्डरों से सीधे सवाल पूछे और जवाब में सामने आया कि जमीन की कीमतों, तीस से ज्यादा अनुमति लेनी होती हैं। ▶▶| शेष पेज 7 पर

सृजन संवाद में संपादक समन्वय ब्रह्मवीर सिंह ने डेवलपर के साथ किया मंथन

अनुमतियों में ही 30 फीसदी लागत

अष्ट विनायक रियल्टी के एमडी संतोष लोहाना ने कहा कि ईडब्ल्यूएस के लिए शहरों की तरह पंचायतों में भी सिर्फ 9 फीसदी जमीन आरक्षित होनी चाहिए। श्री लोहाना ने कहा कि एक मकान की लागत का 30 फीसदी हिस्सा तो 20-30 तरह की अनुमतियां लेने में चला जाता ▶▶| शेष पेज 7 पर

मेट्रो और रायपुर का भविष्य

रजत बिल्डकॉन के एमडी मृणाल गोलछा ने कहा कि रायपुर, भिलाई और दुर्ग को जोड़कर स्टेट कैपिटल रीजन विकसित हो रहा है। रायपुर भी अब महानगरों की तरह विकसित हो रहा है। रायपुर, भिलाई, दुर्ग को जोड़कर सरकार ने जो स्टेट कैपिटल योजना बनाई है, उसका फायदा होगा। ▶▶| शेष पेज 7 पर

बिल्डरों को नगरीय निकाय मंत्री की सलाह, अवैध प्लाटिंग और अवैध कालोनियां बनाने से बचें

साव बोले- संपत्तिकर का होगा युक्तियुक्तकरण, नगरीय निकाय बनेंगे आत्मनिर्भर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि और आईएनएच के बिल्डर्स कॉनक्लेव-2025 सृजन संवाद कार्यक्रम में प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी से चर्चा करते हुए नगरीय निकाय मंत्री, डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा, प्रदेश के नगरीय निकायों को भी आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सरकार काम कर रही है। इस समय बिजली बिलों से लेकर वेतन तक के लिए निकाय सरकार पर निर्भर हैं। जब भाजपा की सरकार प्रदेश में फिर से आई थी, तब अधिकारी कहते थे, नलों की टोटी खरीदने के लिए भी पैसे नहीं हैं, हम अपनी जेब से खरीदते हैं। अब करीब दो साल में निकायों को बेहतर स्थिति में लाने का काम किया गया है। श्री साव ने बिल्डरों को अवैध प्लाटिंग और अवैध कालोनियां बनाने से बचने की सलाह देते हुए नियमों के तहत काम करने के लिए कहा। प्रस्तुत है, बातचीत के प्रमुख अंश-

- **उपमुख्यमंत्री के साथ जो विभाग मिले, उसमें नगरीय निकाय विभाग देखकर कैसा लगा था?**
- सबसे पहले तो हरिभूमि और आईएनएच को ऐसा आयोजन करने के लिए बधाई, आप लोगों ने कार्यक्रम का नाम सृजन संवाद बड़ा ही अद्भुत रखा है। सृजन तो अंतहीन है। यह निरंतर चलता रहता है। जहां तक नगरीय निकाय विभाग का सवाल है तो इस विभाग के मिलने की मुझे बहुत खुशी है। जब मुझे इस विभाग की जिम्मेदारी मिली थी तो प्रदेश के निकायों की हालत बहुत खराब थी। धीरे-धीरे इसको ठीक करने का काम किया जा रहा है। कोई भी शहर प्रदेश की छवि होता है। इसलिए नगरीय निकाय विभाग बहुत अहम है। कांग्रेस सरकार में निकायों को पैसे नहीं मिलते थे। हमने स्थिति को सुधारने का काम किया है। इसका बड़ा प्रमाण है कि प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर सात पुरस्कार मिले हैं। यही नहीं, सौ स्वच्छ शहरों में छत्तीसगढ़ के 58 शहर शामिल हैं। निकायों ने लिए लगातार नई योजना बनाने का काम हो रहा है। निकायों को हमारी सरकार भरपूर पैसा भी दे रही है।
- **परेशान कौन ज्यादा करता है, पार्षद, महापौर या बिल्डर?**
- पाषर्दों की अपनी समस्या है। महापौर की अपनी समस्या है और बिल्डरों की अपनी समस्या है। सबकी समस्या का समाधान करना हमारा काम है। निकायों में तो नेताओं का जमावड़ा है। अपने प्रदेश में रियल एस्टेट में अच्छा काम हो रहा है। बिल्डर सपनों का घर बनाते हैं। यह काम बहुत कठिन होता है। ▶▶| शेष पेज 7 पर

जांच में नवोदय के विद्यार्थियों ने कहा- फांसी लगाने की कोशिश कर रहा था भावेश

हरिभूमि न्यूज ▸▸| राजनांदगांव

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय के एक छात्र को प्रताड़ित करने और विद्यालय से निकालने की घटना के खुलासे के बाद प्रशासन की टीम ने आज इस पूरे मामले की जांच पड़ताल की। जांच में विद्यालय के छात्रों से इस बात का खुलासा किया कि स्कूल में भावेश फांसी लगाने की कोशिश कर रहा था, जिसे उन्होंने रोका था।

प्राचार्य पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय डोंगरगढ़ ने बताया कि विद्यालय में अध्ययनरत छात्र भावेश जैन अरावली (कनिष्ठ) सदन कक्षा 6 वीं का छात्र है। 18 सितम्बर 2025 को सुबह 7 बजे 4-5 अन्य छात्र सदन में उपस्थित थे तथा शेष छात्र विद्यालय के लिए निकल चुके थे। उपस्थित छात्रों की प्रत्यक्ष सूचना के अनुसार छात्र भावेश जैन अपने पास रखी रस्सी को लेकर पंखे पर फेंकने लगा, उपस्थित छात्रों ने पूछा कि तुम क्या कर हो? उसने कहा मैं फांसी लगाना चाहता हूं, ऐसा कह कर वह रस्सी अपने गले में स्वयं के हाथों से लपेट कर कसने लगा। उपस्थित छात्रों ने ऐसा करने से रोका, इस पर वह उन्हें धक्का देकर भगाने लगा। उनमें से एक छात्र ने तत्काल इस घटना की सूचना हाऊस कैप्टन को देनी चाही, किन्तु कैप्टन को उपलब्ध नहीं पाकर सदन के एक अन्य छात्र ने दौड़कर पास में ही सदन अध्यक्ष राजेश सावरकर को घटना के विषय में सूचना दी।

प्रशासन की जांच रिपोर्ट में खुलासा

केयर टेकर ने रस्सी से कराया मुक्त

सदन अध्यक्ष ने तत्काल केयर टेकर अशोक नाग को साथ में लेकर घटना स्थल पर जाकर छात्र, जो अपने गले में रस्सी लपेटे हुए बिस्तर पर बैठे रो रहा था। उसे रस्सी से मुक्त किया एवं घटना की सूचना विद्यालय के प्राचार्य एवं छात्र के पालक को दी।

हरिभूमि फॉलोअप

चेन्नई में चल रहा है छात्र का इलाज

विद्यालय में परामर्शदात्री के रूप में श्रीमती मृदुला निगम का छात्र भावेश जैन के विषय में अभिमत है। छात्र को नेत्र संबंधी गंभीर बीमारी है। उसकी एक आंख नहीं है एवं दूसरी आंख में आंशिक दृष्टि है। छात्र के पालक द्वारा बताया गया है कि छात्र का इलाज शंकर नेत्रालय चेन्नई में जारी है।

सीसीटीवी से रखी जाती है नजर

प्राचार्य पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय डोंगरगढ़ ने बताया कि विद्यालय परिसर में छात्रों की सुरक्षा सर्वोपरि है। परिसर पूर्णतः सीसीटीवी निगरानी एवं शिक्षकगण की सतत देखरेख में संचालित है। साथ ही समय-समय पर परामर्श एवं पर्यवेक्षण किया जाता है।

खबर संक्षेप

111 खाताधारकों पर ठगी का केस दर्ज

रायपुर। सिविल लाइंस पुलिस ने भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा संचालित समन्वय पोर्टल से मिली जानकारी के आधार पर आईडीबीआई, डीसीबी बैंक के 111 खाताधारकों के खिलाफ ठगी की रिपोर्ट दर्ज की है। जिन लोगों के नाम से अकाउंट खोला गया है, उन सभी खातों के म्यूल अकाउंट होने की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। उन खातों में साइबर फ्रॉड के 19 लाख रुपए लेन-देन की पुष्टि हुई है।

फरार कैदी की जानकारी देने पर पांच हजार ईनाम

रायपुर। केंद्रीय जेल में एनडीपीएस के एक मामले में सजा काट रहे बंदी के फरार होने के बाद उसकी जानकारी देने वाले को एसएसपी ने पांच हजार रुपए ईनाम देने की घोषणा की है। उत्तरप्रदेश, सोनभद्र निवासी चंद्रवेल उर्फ दीप सिंह (32) सहित दो अन्य बंदियों को जेल प्रहरी 21 अगस्त को पुराने जेल मुख्यालय मरम्मत का काम कराने ले गया था। इस दौरान बंदी ने जेल प्रहरी तथा अपने साथ काम करने आए बंदियों की आंखों में धूल झोंककर फरार हो गया।

महिला की चेन लूटकर बदमाश फरार, केस

रायपुर। आरंग थाने में एक महिला ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ चेन स्नैचिंग करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। गृहिणी लुकेश्वरी लोधी ने चेन स्नैचिंग की शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने पुलिस को बताया कि वह रविवार को सब्जी मंडी जा रही थी। इस दौरान बाइक सवार दो बदमाश महिला के करीब पहुंचे। बाइक के पीछे बैठे एक युवक ने महिला के गले से झपट्टा मारकर रेशम धागा गूंथे सोने की तीन पत्ती लगी माला ले गया। माला की कीमत 17 हजार रुपए बताई जा रही है।

केन्द्रीय समिति प्रवक्ता के शांतिवार्ता के प्रस्ताव को तेलगांना राज्य समिति ने बताया निजी राय

नक्सल संगठन में दो फाड़, केन्द्रीय समिति के निर्णय को राज्य समिति ने मानने से किया इंकार

हरिभूमि न्यूज ▸▸| जगदलपुर

शांति प्रस्ताव के पत्र जारी होने के बाद नक्सल संगठन दो फाड़ में बंटा हुआ दिखाई दे रहा है।नक्सलियों के केन्द्रीय समिति द्वारा सरकार को भेजे गए शांतिवार्ता व एक माह के सीज फायर के प्रस्ताव को तेलगांना स्टेट समिति के प्रतिनिधि जगन ने इसे केन्द्रीय समिति के अधिकारिक प्रवक्ता कामरेड सोनू द्वारा अभय के नाम पर अस्थायी युद्ध विराम की घोषणा को सोनू की निजी राय बताते हुए कहा कि यह पार्टी का निर्णय नहीं है।

■ जगन ने कहा, सोनू उर्फ अभय द्वारा की गई अस्थायी युद्धविराम की घोषणा पार्टी का फैसला नहीं

गौरतलब है कि 15 सितम्बर को नक्सल संगठन के केंद्रीय कमेटी के प्रवक्ता अभय उर्फ सोनू ने प्रेस नोट और ऑडियो जारी कर शांति वार्ता व युद्ध विराम की मांग करते हुए प्रधानमंत्री और गृहमंत्री से अपील की थी। पत्र में अन्य साथियों से चर्चा करने के लिए एक माह का समय भी मांगा था। इस शांति प्रस्ताव के चार दिन बाद ही 19 सितम्बर को तेलगाना राज्य कमेटी ने प्रेस नोट जारी कर युद्ध विराम से इन्कार कर दिया है और अभय उर्फ सोनू के प्रेस नोट को उनकी निजी राय बता दिया है। तेलगांना राज्य समिति ने साफ कर दिया है कि सोनू उर्फ अभय का युद्धविराम संबंधी बयान पार्टी की आधिकारिक राय नहीं है। समिति ने इसे क्रांतिकारी खेमे में भ्रम फैलाने वाला करार देते हुए कहा कि संगठन के फैसले इंटरनेट पर नहीं लिए जाते और किसी को भी इस बयान से भ्रमित होने की जरूरत नहीं है। पिछले 4 दिन के भीतर नक्सल संगठन से दो अलग अलग बयानों से साफ है कि नक्सल संगठन अब नेतृत्व विहीन हो गया है और संगठन में फुट पड़ चुका है। एक तरफ केंद्रीय कमेटी का प्रवक्ता खुद का ऑडियो जारी करता है और युद्ध विराम की मांग करता है। दूसरी तरफ तेलंगाना राज्य कमेटी की तरफ से 4 दिन के भीतर ही इसका खंडन कर दिया जाता है। चार दिन के इस घटनाक्रम से नक्सल संगठन बुरी तरह बिखरा हुआ नजर आ रहा है।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)
तेलंगाना राज्य समिति

केंद्रीय समिति के आधिकारिक प्रवक्ता कॉमरेड सोनू द्वारा अभय के नाम पर अस्थायी युद्ध विराम की घोषणा सोनू की निजी राय है, न कि पार्टी का निर्णय।

नक्सलियों ने कहा, बड़ी संख्या में मारे गए उनके कार्यकर्ता और नेता

प्रेस नोट में नक्सलियों ने कहा है कि केंद्र की भाजपा सरकार जनवरी 2024 से ही कगार के नाम पर बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान चला रही है। संगठन का दावा है कि इस अभियान में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और नेता मारे गए हैं। माओवादियों ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार का मकसद आंदोलन को पूरी तरह खत्म करना है। राज्य समिति ने माना कि पिछले कुछ महीनों में पार्टी को गहरी क्षति पहुंची है। मई 2025 में संगठन ने अपने महासचिव बसवराजू समेत 28 साथियों को खो दिया। इसके अलावा कई वरिष्ठ और जिला स्तर के लीडर हाल की मुठभेड़ों में मारे गए। प्रेस विज्ञप्ति में यह भी माना गया कि कुछ राज्य समिति सदस्य और निचले स्तर की इकाइयों के कार्यकर्ता स्वास्थ्य व निजी समस्याओं के चलते आत्मसमर्पण कर चुके हैं। तेलंगाना राज्य समिति ने स्पष्ट किया कि पार्टी किसी भी प्रकार का आधिकारिक युद्ध विराम नहीं मानती।

मुंबई की तर्ज पर भीड़ कंट्रोल करेगा रेलवे, स्टेशन पर बनेंगे होल्डिंग एरिया

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

रेलवे का पीक सीजन त्योहारों के साथ शुरू होने जा रहा है। महाकुंभ और दिल्ली जैसे बड़े शहरों में हुई भगदड़ की घटनाओं से सबक लेते हुए रेलवे ने इस बार विशेष क्राउड मैनेजमेंट टीम बनाई है। यह टीम नवरात्रि से लेकर दशहरा, दीपावली और छठ पूजा जैसे प्रमुख त्योहारों के दौरान भीड़ को संभालने का कार्य करेगी। इस टीम में आरपीएफ, जीआरपी और वाणिज्य विभाग के कर्मचारी एवं अधिकारी शामिल किए गए हैं। यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए टीम को टिकट काउंटर, पूछताछ केंद्र, यात्री सुरक्षा, होल्डिंग एरिया और प्लेटफॉर्म जैसे प्रमुख स्थानों पर तैनात किया गया है। शुक्रवार को डीआरएम दयानंद और सीनियर डीसीएम अवधेश कुमार त्रिवेदी ने प्रेसवार्ता में त्योहार सीजन की तैयारियों को लेकर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आमतौर पर यात्रियों की शिकायत रहती है कि त्योहारों के दौरान ट्रेनें समय पर नहीं चलतीं।

लेकिन इस बार मंडल स्तर पर विशेष कंट्रोल रूम बनाकर स्पेशल ट्रेनों की मॉनिटरिंग की जाएगी। रायपुर और दुर्ग जैसे प्रमुख स्टेशनों पर त्योहारों के समय भीड़ अधिक रहती है, जिसे देखते हुए होल्डिंग एरिया बनाए जा रहे हैं। जहां टिकट की भी सुविधा रहेगी। जिन ट्रेनों में भीड़ ज्यादा होगी, उनमें तत्काल प्रभाव से अतिरिक्त कोच लगाए जाएंगे। इस पूरी व्यवस्था को संभालने के लिए 70 से अधिक कर्मचारियों की विशेष टीम गठित की गई है, जो अलग-अलग जिम्मेदारियों के साथ तैनात रहेगी।

अब रोज उड़ान भरेगी भोपाल-रायपुर फ्लाइट, डेढ़ घंटे में पूरा होगा सफर

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

भोपाल से रायपुर के बीच संचालित होने वाली फ्लाइट शनिवार से नियमित रूप से उड़ान भरेगी। अभी सप्ताह में तीन दिन इसके संचालित होने की वजह से यात्रियों को अपना सफर पूरा करने के लिए इंतजार करना पड़ता है। सातों दिन उड़ान होने के बाद यात्रा आसान हो जाएगी। यह फ्लाइट डेढ़ घंटे की यात्रा में छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश की राजधानी को जोड़ती है। फ्लाइट के नियमित होने के बाद यात्रियों को किराए में भी थोड़ी राहत मिलेगी। विमानन सूत्रों के अनुसार, त्योहारी सीजन की शुरुआत होने से पहले सर्वाधिक घरेलू उड़ान का संचालन करने वाली विमानन कंपनी इंडिगो अपनी फ्लाइट्स की संचालन अवधि, गंतव्य बढ़ाने के साथ नए सेक्टरों में फ्लाइट संचालन करने की तैयारी में है। इसी तारतम्य में भोपाल-रायपुर-भोपाल के बीच रविवार, गुरुवार और शनिवार को संचालित होने वाली फ्लाइट को नियमित किया जाएगा।

संपत्ति विवाद पर वृद्धा से की मारपीट, एफआईआर

रायपुर। टिकरापारा थाने में एक बुजुर्ग महिला ने दो लोगों के खिलाफ गांव की जमीन बिक्री की रकम लेन-देन के विवाद में एक युवक तथा उसकी पत्नी के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। रायपुरा निवासी सुरेंद्री बाघ ने अपने जेठ के बेटे हेरिसन बाघ तथा बहू अल्का के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने पुलिस को बताया कि हेरिसन तथा उसकी पत्नी उसके पास आए और गांव की जमीन के पैसों की बात को लेकर उसके साथ विवाद कर मारपीट की। बीचबचाव करने आने पर हेरिसन तथा उसकी पत्नी ने सुरेंद्री की बेटी के साथ भी मारपीट की।

4 छात्रों के लिए आयोजित की पूरक परीक्षा, फिर से हो गए फेल

रायपुर। शुक्रवार को एमए राजनीति विज्ञान द्वितीय सेमेस्टर सहित 13 कक्षाओं के परीक्षा परिणाम जारी किए गए। जिन कक्षाओं के नतीजे जारी किए गए हैं, उनमें से सबसे कम विद्यार्थी सेंटर फॉर बेसिक साइंस के अंतर्गत संचालित पाठ्यक्रम इंटीग्रेटेड एमएससी में हैं। प्रथम सेमेस्टर में एटीकेटी की श्रेणी प्राप्त करने वाले 4 छात्रों के लिए रविवि ने पूरक परीक्षा आयोजित की थी। जारी परिणामों के अनुसार, ये सभी छात्र पुनः संबंधित विषयों में अनुत्तीर्ण हो गए हैं और उन्हें एटीकेटी श्रेणी में रखा गया है। इन विद्यार्थियों के लिए अब फिर से परीक्षा आयोजित की जाएगी। एमए राजनीति विज्ञान द्वितीय सेमेस्टर के परिणाम भी रविवि ने घोषित कर दिए हैं। 687 छात्र इस परीक्षा में शामिल हुए थे। इनमें से 571 उत्तीर्ण रहे, जबकि शेष छात्रों को पूरक श्रेणी में रखा गया। परिणाम 83.11 प्रतिशत रहे।

बिलासपुर
रविवार 21 सितंबर 2025
आश्विन कृष्ण पक्ष अमावस्या
वर्ष : 25, अंक : 179
पृष्ठ : 12+8 = 20 मूल्य : 5.00***

मौसम
अधि. 35.0
न्यून. 26.3

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

9 पहले राउंड के बाद शीर्ष 20 में अदिति

आजकल
2 पाक-सऊदी सुरक्षा करार के ...

टैरिफ, इमीग्रेशन पर सख्ती के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति का बड़ा फैसला

ट्रंप का एक और 'बम', एच1बी वीजा शुल्क अब 88 लाख रुपए!

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत एच1बी वीजा शुल्क को सालाना 100,000 अमेरिकी डॉलर तक बढ़ा दिया गया है। ट्रंप के इस कदम से अमेरिका में काम करने वाले भारतीय पेशेवरों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। यह आदेश 21 सितंबर रात 12:01 बजे से प्रभावी हो गया। ट्रंप के फैसले ने उद्योग जगत में खलबली मचा दी है। कई अमेरिकी कंपनियों ने अपने कर्मचारियों जो जल्द वापस लौटने के लिए कहा है।

एजेंसी ⏭ वाशिंगटन/नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एच-1बी वीजा आवेदन पर 1,00,000 डॉलर का शुल्क लगाने संबंधी सरकार आदेश पर हस्ताक्षर करते हुए कहा कि एच-1बी कार्यक्रम का दुरुपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। इससे पहले एच-1बी वीजा के लिए 215 डॉलर शुल्क लिया जाता था। ट्रंप ने 'कुछ गैर आप्रवासी कामगारों के प्रवेश पर रोक' संबंधी सरकारी आदेश पर शुक्रवार को हस्ताक्षर किए। इस फैसले के तहत उन कामगारों के अमेरिका में प्रवेश पर रोक लगाई जाएगी, जिनके एच1बी आवेदन के साथ 100,000 अमेरिकी डॉलर का भुगतान नहीं किया गया होगा। ट्रंप ने कहा, एच-1बी गैर आप्रवासी ⏭ शेष पेज 7 पर

भारतीयों पर होगा सबसे अधिक असर

ट्रंप के इस कदम से अमेरिका में काम करने वाले भारतीय पेशेवरों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, 2020 से 2023 के बीच स्वीकृत वीजा में 73.7 फीसदी वीजा भारतीयों के थे। चीन 16 फीसदी के साथ दूसरे स्थान पर था। कनाडा 3% के साथ तीसरे स्थान पर, उसके बाद ताइवान (1.3%), दक्षिण कोरिया (1.3%), मैक्सिको (1.2%) और नेपाल, ब्राजील, पाकिस्तान और फिलीपींस (सभी 0.8%) हैं।

एक्सपर्ट व्यू

सॉफ्टवेयर-टेक उद्योग पर पड़ेगा नकारात्मक प्रभाव

फाउंडेशन ऑफ इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज के खोंडेराव ने इस फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि इसका अमेरिकी टेक उद्योग पर नकारात्मक असर पड़ेगा। उन्होंने कहा, एच-1बी वीजा के लिए 100,000 डॉलर की फीस बेहद दुर्भाग्यपूर्ण नीति है। इसका सॉफ्टवेयर/टेक उद्योग पर बड़ा नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। यह फैसला खासतौर पर स्टार्ट-अप्स और छोटे टेक कंपनियों के लिए नवाचार और प्रतिस्पर्धा करना कठिन हो जाएगा।

माइक्रोसॉफ्ट ने कर्मचारियों को दी सलाह

माइक्रोसॉफ्ट ने एच-1बी और एच-4 वीजा धारकों को निकट भविष्य में अमेरिका में ही रहने की सलाह दी है। माइक्रोसॉफ्ट ने अपने कर्मचारियों को एक एडवाइजरी ईमेल भेजा है, जिसमें इन वीजा धारकों को समयसीमा से पहले अमेरिका लौट आने के लिए कहा है। इसके अलावा कंपनी ने वर्तमान में अमेरिका से बाहर रहने वाले कर्मचारियों से भी वापस आने का आग्रह भी किया गया है। बिजनेस फर्म जेपी मॉर्गन के इमिग्रेशन काउंसल ने भी एच-1बी वीजा धारकों को अमेरिका में ही बने रहने और अगली सूचना तक अंतरराष्ट्रीय यात्रा से बचने की सलाह दी है। अमेजन ने भी अपने कर्मचारियों को अमेरिका में रहने की सलाह दी दी।

क्या है एच-1 बी वीजा?

बता दें कि अमेरिका की सरकार हर साल विभिन्न कंपनियों को 65-85 हजार एच-1बी वीजा उपलब्ध कराती है। जिनकी मदद से कंपनियां विदेशों से स्किल्ड कामगारों को नौकरी दे सकती हैं। इनके अतिरिक्त एडवांस डिग्रीधारकों के लिए अमेरिकी सरकार की ओर से 20 हजार अतिरिक्त वीजा कंपनियों को दिए जाते हैं। यह वीजा 3 साल के लिए मान्य होता है और इसे अगले तीन बर्षों के लिए रिन्यू कराया जा सकता है। एच-1बी वीजा का इस्तेमाल करने वाली कंपनियों में इंफोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, अमेजन, अल्फाबेट और मेटा जैसी बड़ी-बड़ी कंपनियां शामिल हैं।
-

कुम्हारी टोल प्लाजा में की गई कार्रवाई

दो स्कार्पियों से हवाला के 6.60 करोड़ जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

दुर्ग पुलिस ने रायपुर से महाराष्ट्र ले जाई जा रही हवाला की रकम 6 करोड़ 60 लाख रुपए को जब्त किया है। यह रकम स्कार्पियो वाहन से ले जाई जा रही थी। पुलिस ने मामले को आईटी डिपार्टमेंट के हवाले किया है। एएसपी सुखनंदन राठौर ने बताया कि उन्हें मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो महाराष्ट्र पासिंग स्कार्पियो गाड़ी में करोड़ों रुपए महाराष्ट्र ले जाए जा रहे हैं। उन्होंने तुरंत एसीसीयू और कुम्हारी थाने की पुलिस को अलर्ट किया। पुलिस ने शनिवार को कुम्हारी टोल प्लाजा में अपना चेकिंग प्वाइंट ⏭ शेष पेज 7 पर

शेयर फ्रॉड से रकम जुड़े होने का अंदेशा

पुलिस विभाग के सूत्रों से यह भी पता चला है कि यह रकम जो पकड़ी गई है, वो शेयर मार्केट में लोगों का पैसा लगाकर ठगी गई है। इस रकम को हवाला के जरिए मुंबई भेजा जा रहा था। यहां तक कहा जा रहा है 150 करोड़ रुपए की शेयर ट्रेडिंग के नाम पर ठगी का मामला भिलाई में पकड़ा गया है। इससे भी इस रकम को जोड़कर देखा जा रहा है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

अमूल ने घी, सहित 700 उत्पाद की कीमत घटाई

नई दिल्ली। अमूल ब्रांड के तहत डेयरी उत्पादों का विपणन करने वाली जीसीएमएमएफ ने घी, मक्खन, आइस क्रीम, बेकरी और फ्रोजन स्नैक्स सहित 700 से अधिक उत्पाद पैक की खुदरा कीमतों में कमी की। कंपनी ने जीएसटी दर में कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का फैसला किया है।

100 से अधिक स्कूलों को बम की धमकी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के 100 से अधिक स्कूलों को शनिवार सुबह बम की धमकी मिली जो बाद में तलाश अभियान में फर्जी पाई गईं। शनिवार सुबह 6.10 बजे ईमेल 'टेरराइज़र्स111' समूह के नाम से आया था। इस समूह ने पहले भी स्कूलों को इसी तरह के ईमेल भेजे थे। ई-मेल का विषय था आपके भवन में बम रखे गए हैं-कदम उठाएं या आपदा का सामना करें।

अब 14 रुपए में मिलेगा 'रेल नीर'

नई दिल्ली। जीएसटी कटौती 22 सितंबर से लागू होने जा रहा है। रेलवे विभाग ने ट्रेन और स्टेशनों पर मिलने वाले बोतलबंद 'रेल नीर' ब्रांड से बेचे जाने वाले पानी की बोतल के दाम घटा दिए हैं। रेलवे ने 1 लीटर और 1/2 लीटर पानी की बोलत के दाम कम किए हैं। रेल नीर का अधिकतम बिक्री मूल्य 1 लीटर के लिए 15 से कम करके 14 रुपए और आधा लीटर के लिए 10 से कम करके 9 करने का फैसला लिया गया है।

मणिपुर में बस्तर का लाडला रंजीत शहीद, तीन बेटियों से छिना पिता का साया, परिवार में मातम

रविवार को पार्थिव शरीर पहुंचने के बाद दी जाएगी अंतिम सलामी

मणिपुर सरकार परिजनों को देगी पांच लाख

इंफाल। मणिपुर सरकार ने असम राइफल्स के दो शहीद जवानों के परिवारों को पांच-पांच लाख रुपए और हमले में घायल हुए पांच जवानों को दो-दो लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। इधर, मणिपुर में बिष्णुपुर जिले के नाम्बोल इलाके में स्थानीय निवासियों ने असम राइफल्स के दो जवानों के मारे जाने के विरोध में शनिवार सुबह प्रदर्शन किया। स्थानीय लोगों ने पारंपरिक शोक पोशाक पहनकर नारे लगाए।

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर/बस्तर

मणिपुर में उग्रवादियों द्वारा शुक्रवार शाम किए गए हमले में असम राइफल्स के दो जवान शहीद हो गए। शहीदों में छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के बालेंगा ग्राम ओगायगुड़ापारा निवासी रंजीत कुमार कश्यप (37) भी शामिल हैं। परिवार के इकलौते बेटे के शहीद होने की खबर मिलते ही पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। शहीद की पत्नी व पिता सदमे में है, वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बुजुर्ग मां-बाप का सहारा छिन गया, वहीं रंजीत की तीन मासूम बेटियों के सिर से पिता का साया उठ गया।

गौरतलब है कि उग्रवादियों द्वारा किए गए अचानक गोलीबारी से एक वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। इस हमले में दो जवान, जिनमें एक जूनियर कमीशंड ऑफिसर (जेसीओ) और एक जवान शामिल थे, मौके पर ही शहीद हो गए। जबकि अन्य तीन जवान गंभीर रूप से घायल हैं। यह हमला शाम करीब 6 बजे बिष्णुपुर जिले के नांबोल सबल लाई काई इलाके में हुआ, असम राइफल्स के जवानों का वाहन इंफाल ⏭ शेष पेज 7 पर

सीएम साय ने हमले की निंदा की

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मणिपुर में असम राइफल्स पर हुए कायरतापूर्ण हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। मुख्यमंत्री कहा कि राष्ट्र शहीद जवानों के अदम्य साहस और बलिदान को सदैव स्मरण रखेगा। उन्होंने शहीदों को कोटि-कोटि नमन करते हुए शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि इस कठिन घड़ी में राज्य सरकार शोकसंतप्त परिवारों के साथ खड़ी है। वीर जवानों का यह त्याग हम सबको देश की रक्षा और एकता के मार्ग पर और अधिक दृढ़ संकल्पित करता है।

इधर, कश्मीर के उधमपुर में मुठभेड़, एक जवान शहीद

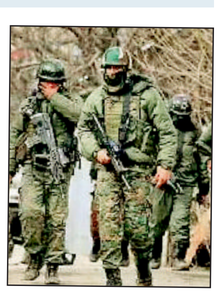

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ में एक जवान शहीद हो गया। बताया जाता है कि शुक्रवार देर रात दूदू बसंतगढ़ की पहाड़ियों पर जैश के 3 से 4 आतंकवादियों को संयुक्त बलों ने घेर लिया, जिसके बाद से लगातार गोलीबारी जारी है। इस गोलीबारी में एक जवान घायल हो गया था, जिसके बाद जवान को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन बचाया नहीं जा सका। विशिष्ट सूचना के आधार पर, सेना, विशेष अभियान समूह और पुलिस ने सोजधार के ऊंचाई वाले इलाके से लगे दूदू पुलिस थाना क्षेत्र में एक अभियान चलाया, जिसके ⏭ शेष पेज 7 पर

अभिनेता मोहनलाल को दादासाहेब फाल्के पुरस्कार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने प्रसिद्ध मलयाली अभिनेता मोहनलाल को शीर्ष सिनेमा सम्मान 'दादासाहेब फाल्के पुरस्कार 2023' से सम्मानित करने की शनिवार को घोषणा की जिन्होंने तेलुगु, तमिल, कन्नड और हिन्दी फिल्मों में भी अभिनय किया है। मोहनलाल अभिनेता होने के साथ-साथ निर्देशक और निर्माता भी हैं। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि दिग्गज अभिनेता, निर्देशक और निर्माता को भारतीय सिनेमा में उनके विशिष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया जा रहा है। मंत्रालय ने कहा कि प्रतिष्ठित पुरस्कार की चयन समिति की सिफारिश पर, भारत सरकार ने मोहनलाल को 'दादा साहब फाल्के पुरस्कार' 2023 से सम्मानित करने का फैसला किया है। इसने कहा कि ⏭ शेष पेज 7 पर

भारत से जंग हुई तो सऊदी अरब करेगा हमारी रक्षा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने इस्लामाबाद में पत्रकारों से कहा कि अगर भारत पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध की घोषणा करता है, तो सऊदी अरब पाकिस्तान की रक्षा करेगा। उन्होंने बताया कि इस हफ्ते पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए समझौते में रणनीतिक पारस्परिक सहायता का प्रावधान शामिल है। ख्वाजा आसिफ ने पाकिस्तानी चैनल जियो टीवी से बातचीत करते हुए इस समझौते की तुलना नाटो समझौते के अनुच्छेद 5 से की, जिसमें 'सामूहिक रक्षा' का सिद्धांत है। इसका मतलब है कि अगर किसी एक सदस्य पर हमला होता है, तो उसे सभी सदस्य देशों पर हमला माना जाता है। हालांकि पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने साफ किया कि सऊदी अरब ⏭ शेष पेज 7 पर

पाकिस्तान और सऊदी अरब में सुरक्षा समझौते में कहा गया कि दोनों में से किसी भी एक मुल्क पर कोई हमला होता है तो इसे दोनों मुल्कों के खिलाफ अंजाम आक्रमण समझा जाएगा। तत्कालीन नजरिए से देखें तो ऐसा प्रतीत नहीं हो रहा है कि पाक-सऊदी डिफेंस एग्रीमेंट भारत के लिए बहुत बड़ा सैन्य और कूटनीतिक झटका है। हां, ये जरूरी है कि इस समझौते से पाकिस्तान को सऊदी से वित्तीय और तेल सहायता मिल सकती है, जो युद्ध की स्थिति में पाकिस्तान की शक्ति बढ़ाएगी। ऐसे में भारत को इसे गंभीरता से लेना होगा और बदलती भू-सामरिक स्थिति को साधने के लिए अपनी सैन्य क्षमता और ज्यादा बढ़ानी होगी। अगर दीर्घकालीन दृष्टि से देखा, समझा और परखा जाए तो पाक-सऊदी सुरक्षा करार निश्चित तौर पर भारत के लिए खतरनाक संकेत भी है। हालांकि, सऊदी अधिकारी पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि भारत के साथ उनके रिश्ते मजबूत बने रहेंगे और वे क्षेत्रीय शांति के लिए योगदान देते रहेंगे। फिर भी यदि यह समझौता क्षेत्रीय एकता को बढ़ावा देता है तो यह सभी के लिए लाभदायक होगा, लेकिन यदि यह टकराव को बढ़ावा देता है तो परिणाम विनाशकारी हो सकते हैं। पाक-सऊदी सुरक्षा समझौते का विश्लेषण करता *आजकल* का खास अंक...

पाक-सऊदी सुरक्षा करार के मायने

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

विदेश मामलों के जानकार

सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और पाकिस्तान के प्राइम मिनिस्टर द्वारा 17 सितंबर को एक स्ट्रैटेजिक म्युचुअल डिफेंस एग्रीमेंट पर दस्तखत कर दिए गए हैं। डिफेंस एग्रीमेंट के तहत पाकिस्तान और सऊदी अरब में करार अंजाम दिया गया है कि दोनों में से किसी भी एक मुल्क पर अंजाम दिए गए सैन्य आक्रमण को दोनों मुल्कों के खिलाफ अंजाम दिया गया आक्रमण समझा जाएगा। तत्कालीन नजरिए से दृष्टिपात करें तो ऐसा नहीं प्रतीत हो रहा है कि पाक-सऊदी डिफेंस एग्रीमेंट भारत के लिए बहुत बड़ा सैन्य और कूटनीतिक झटका है। अगर दीर्घकालीन दृष्टि से देखा, समझा और परखा जाए तो पाक-सऊदी सुरक्षा करार निश्चित तौर पर भारत के लिए खतरनाक संकेत प्रस्तुत कर रहा है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत विरोधी आचरण अख्तियार करने के तत्पश्चात और ट्रंप द्वारा भारत के मुकाबले में पाकिस्तान को कहीं अधिक महत्व प्रदान करने के कारणवश, पाकिस्तान वस्तुतः अचानक पश्चिम एशिया में अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रासंगिक मुल्क बन गया है। खाड़ी मुल्क अपनी सुरक्षा की खातिर अब पाकिस्तान, तुर्कीए और चीन की तरफ झुकते हुए प्रतीत हो रहे हैं। अभी तक अमेरिका की सुरक्षा पनाह में कायम बने रहे खाड़ी मुल्कों के लिए ये तीनों ही देश अत्यंत महत्वपूर्ण हो गए हैं। हालांकि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी चीन और तुर्कीए तो पूरी तरह पाकिस्तानी पक्ष के साथ सन्नद खड़े रहे थे। अब लगता है कि पाकिस्तान के कट्टर समर्थकों की कतार में अमेरिका का अंध अनुसरण करते हुए सऊदी अरब भी बाकायदा शामिल हो गया है।

डिफेंस एग्रीमेंट के तहत पाकिस्तान और सऊदी अरब में करार अंजाम दिया गया है कि दोनों में से किसी भी एक मुल्क पर अंजाम दिए गए सैन्य आक्रमण को दोनों मुल्कों के खिलाफ अंजाम दिया गया आक्रमण समझा जाएगा। उल्लेखनीय है कि सऊदी अरब विगत अनेक वर्षों से भारत का शीर्ष आर्थिक और रणनीतिक साझीदार है। यक्ष प्रश्न है कि यदि दशकों पुरानी अपनी नृशंस जेहादी फितरत के वशीभूत होकर पाकिस्तान भारत के विरुद्ध आतंकवाद जारी रखेगा तो सऊदी अरब क्या पाकिस्तान के साथ भारत के विरुद्ध मैदान-ए-जंग में उतर जाएगा।

रणनीतिक साझीदार मुल्क

भारत के लिए चिंताजनक बात यह है कि पाकिस्तान ने सऊदी अरब के साथ डिफेंस एग्रीमेंट किया है। उल्लेखनीय है कि सऊदी अरब विगत अनेक वर्षों से भारत का शीर्ष आर्थिक और रणनीतिक साझीदार मुल्क रहा है। यक्ष प्रश्न है कि यदि मुस्तकबिल में दशकों पुरानी अपनी नृशंस जेहादी फितरत के वशीभूत होकर पाकिस्तान यकीनन भारत के विरुद्ध अपनी आतंकवादी कार्रवाइयां जारी रखेगा और जेहादी आतंकवाद का प्रतिकार और प्रतिशोध लेने के लिए पाकिस्तान पर भारत पुनः सुरक्षात्मक आक्रमण भी अंजाम देगा, तो सऊदी अरब क्या पाकिस्तान के साथ भारत के विरुद्ध मैदान-ए-जंग में उतर जाएगा? यह मुमकिन है कि सऊदी अरब अपने फौजी दस्तों को भारत के विरुद्ध आक्रमणकारी युद्ध में पाकिस्तान के पक्ष में कदापि नहीं भेजें, किंतु सऊदी अरब का पेट्रो डॉलर का अकूत खजाना पाकिस्तानी फौज को शक्तिशाली बनाने के लिए बहुत विशाल आर्थिक इमदाद तो कर ही सकता है।

अमेरिकी सैन्य टेक्नोलॉजी

सऊदी अरब के पास अमेरिकी टेक्नोलॉजी विद्यमान रही है। डिफेंस एग्रीमेंट के पश्चात सऊदी अरब आधुनिकतम सैन्य टेक्नोलॉजी को पाकिस्तान को उपलब्ध करा सकता है। पाकिस्तान की फौज के लिए अमेरिकी सैन्य टेक्नोलॉजी की उपलब्धता बड़ी सौगात सिद्ध होगी और यह सैन्य स्थिति भारत के लिए खतरनाक सिद्ध हो सकती है। खाड़ी मुल्कों में सबसे अहम मुल्क सऊदी अरब है और इसने पाकिस्तान के साथ डिफेंस एग्रीमेंट क्यों अंजाम दिया है, जटिल प्रश्न है इसका समुचित उत्तर है कि अमेरिका पर अब खाड़ी मुल्कों को अधिक यकीन कायम नहीं रह गया है। इस्लामी दुनिया की नजरों में डोनाल्ड ट्रंप की कयादत में अमेरिका वस्तुतः इजरायल का अंध समर्थक देश बनकर उभरा है। दो दिनों में गाजा युद्ध को खत्म करने का दावा करने वाले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अभी तक इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू को गाजा में युद्ध विराम के लिए राजी नहीं कर सके हैं। सऊदी अरब इस्लामी मुल्कों का सर्वोच्च लीडर देश बन जाने की बड़ी ख्वाहिश पाले रखता है और इस मामले में उसका मुकाबला सदैव तुर्कीए के साथ रहा है।

अमेरिका दुश्मन करार

हाल ही में हमास सरगनाओं को कत्ल करने की खातिर कतर पर अंजाम दिए गए इजरायली आक्रमण ने पश्चिमी एशिया स्थिति को बहुत बिगाड़ कर रख दिया है। कतर में अमेरिका का अल उदेद नामक एयरबेस विद्यमान है। इसके बावजूद 9 सितंबर को कतर पर अंजाम दिए गए इजरायली आक्रमण पर अमेरिका की प्रतिक्रिया बेहद निराशाजनक रही। द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात 1945 से ही खाड़ी के देशों में अमेरिका का किरदार एक सैन्य सुरक्षा प्रदान करने वाले मुल्क का बना रहा है, किंतु इजरायल बनाम गाजा की जंग में अमेरिका की भूमिका पर पश्चिम एशिया और खाड़ी देशों में हलचल मची हुई है। अमेरिका को इस्लामी मुल्कों का दुश्मन करार दिया जाने लगा है। पश्चिम एशिया के मुल्कों का जनमत अमेरिका के विरुद्ध खड़ा हो गया है। विगत कुछ वर्षों के दौरान भारत द्वारा सऊदी अरब और अन्य खाड़ी मुल्कों से अपने कूटनीतिक ताल्लुकातों को शक्तिशाली बनाने के लिए गहन और गंभीर प्रयास किए गए। भारत द्वारा सऊदी अरब के साथ कूटनीतिक संबंध को रणनीतिक संबंध के उच्च शिखर तक पहुंचा दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसी वर्ष माह अप्रैल में सऊदी अरब के दौरे पर गए थे। आखिरकार क्या परिणाम निकला परस्पर संबंधों को ताकतवर बनाने का, जबकि सऊदी अरब ने पाकिस्तान का दामन थाम लिया? क्या अब वो भविष्य में पाकिस्तान के साथ मिलकर भारत के विरुद्ध खड़ा हो जाएगा? इस्लामी मुल्क भविष्य में अपनी हिफाजत के लिए पश्चिमी मुल्कों के नॉटो सैन्य संगठन की तर्ज ओ तरीके पर एक अपना इस्लामी सैन्य संगठन तशकील करने के विषय में संजीदगी से विचार विमर्श करने में जुटे हुए हैं। इस्लामी मुल्कों में पाकिस्तान ही एक अकेला ऐसा मुल्क है, जिसके पास परमाणु अस्त्रों की ताकत है।

परमाणु अस्त्रों की क्षमता

अपनी परमाणु अस्त्रों की क्षमता के कारण पाकिस्तान अब अमेरिका से हताश निराश हुए खाड़ी मुल्कों का दुलारा और प्यारा मुल्क बन गया है। अमेरिका द्वारा पाकिस्तान को सेंट्रल ट्रीटी सैन्य संगठन का सदस्य देश बनाया गया, जिसे बगदाद पैक्ट भी कहा गया। जेहादी सरगना ओमामा बिन लादेन को वर्षों तक पाक फौज की निगरानी पनाह देने वाले पाक हुक्मरानों को अब फिर से डोनाल्ड ट्रंप अपने गले से लगाने लगे हैं। भारत ने उन विकट हालात का वीरता और बलिदान देकर कामयाबी से मुकाबला कर लिया और जेहादियों को परास्त किया जबकि अमेरिका, पाकिस्तान और पेट्रो डॉलर उसके बड़े शत्रु बने हुए थे। अब तो भारत बहुत ताकतवर है और ग्लोब्ल साऊथ के देश भारत के साथ खड़े हुए हैं। ब्रिक्स की शक्ति भारत के साथ सन्निहित है। हर हाल में भारत फतेहयाब होकर रहेगा।

पाकिस्तान-सऊदी अरब रक्षा समझौते से भारत रहे सतर्क

रणनीति

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ स्तंभकार

लुटियंस दिल्ली के दिल में भारत के विदेश मंत्रालय के मुख्यालय साउथ ब्लॉक में इन दिनों पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए रक्षा समझौते का भारत पर किस तरह का असर होगा, इस विषय पर विभिन्न कोणों से अध्ययन हो रहा होगा। इस समझौते को 'स्ट्रेटेजिक म्यूचुअल डिफेंस एग्रीमेंट' नाम दिया गया है, जिसमें एक प्रमुख धारा यह है कि किसी एक देश पर हमला दोनों देशों पर हमला माना जाएगा। यह समझौता नाटो-शैली का है, जहां हमले की स्थिति में दोनों देश एक-दूसरे की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस समझौते की पृष्ठभूमि में हाल की क्षेत्रीय घटनाएं, जैसे इजरायल का कतर पर हमला और अमेरिका की सुरक्षा गारंटी में आई कमजोरी, प्रमुख भूमिका निभाती हैं। भारत के लिए यह समझौता एक दोधारी तलवार है। एक ओर, भारत और सऊदी अरब के बीच मजबूत आर्थिक संबंध हैं। भारत सऊदी से 100 अरब डॉलर से अधिक का व्यापार करता है।

भारत मुख्य रूप से तेल आयात करता है सऊदी अरब से। सऊदी अरब ने स्पष्ट किया है कि भारत के साथ उसके संबंध मजबूत रहेंगे और यह समझौता भारत के खिलाफ नहीं है। अप्रैल 2025 में प्रधानमंत्री मोदी की सऊदी यात्रा के बाद दोनों देशों ने रक्षा सहयोग बढ़ाने की योजना बनाई थी। खाड़ी देशों में 90 लाख से अधिक भारतीय काम करते हैं, जो रेमिटेंस का बड़ा स्रोत हैं। बेशक, यह समझौता भारत की मध्य पूर्व नीति को चुनौती देता है। पाकिस्तान अब मुस्लिम दुनिया में अपनी स्थिति मजबूत कर सकता है, जो कश्मीर मुद्दे पर भारत के खिलाफ इस्तेमाल हो सकता है। हालांकि, भारत की प्रतिक्रिया संयमित रही है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जयसवाल ने कहा कि भारत इस विकास का अध्ययन करेगा और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। भारत के लिए अवसर भी हैं। यह समझौता भारत को अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने का अवसर देता है। क्वाड (भारत, अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया) जैसे गठबंधनों को मजबूत करना, अंडमान-निकोबार द्वीपों पर रक्षा बुनियादी ढांचा विकसित करना और नौसेना गश्त बढ़ाना आवश्यक है। भारत ओमान, यूएई और बहरीन जैसे मध्यमार्गी खाड़ी देशों से संबंध मजबूत कर सकता है। ऊर्जा विविधीकरण के लिए नवीकरणीय स्रोतों पर जोर देना चाहिए। सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच रक्षा सहयोग दशकों पुराना है। 1960 के दशक से ही पाकिस्तान सऊदी अरब को सैन्य प्रशिक्षण, सैनिकों की तैनाती और रक्षा सहायता प्रदान करता आया है। हालांकि, यह नया समझौता पहले के अनौपचारिक संबंधों को औपचारिक रूप देता है, जो क्षेत्रीय तनावों के कारण आवश्यक हो गया था। हाल ही में इजरायल ने कतर की राजधानी दोहा पर हमला किया, जो सऊदी अरब की सीमा से सटा हुआ है। इस हमले में अमेरिका की चुप्पी ने खाड़ी देशों में अमेरिकी सुरक्षा गारंटी पर संदेह पैदा कर दिया। अमेरिका के पास मध्य पूर्व में करीब 40,000-50,000 सैनिक तैनात हैं, लेकिन इजरायल के हमलों पर वाशिंगटन की निष्क्रियता ने सऊदी अरब को वैकल्पिक सुरक्षा भागीदारों की तलाश करने पर मजबूर किया। इसी संदर्भ में पाकिस्तान, जो मुस्लिम दुनिया का एकमात्र परमाणु हथियार संपन्न देश है, सऊदी अरब के लिए एक आकर्षक सहयोगी बन गया। समझौते में रक्षा उद्योग सहयोग, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और सैन्य सह-उत्पादन शामिल हैं, जो दोनों देशों की सैन्य क्षमताओं को मजबूत करेंगे। विदेश मामलों के जानकार मानते हैं कि यह समझौता क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को बदलने वाला है। मध्य पूर्व में इजरायल की आक्रामकता और ईरान के साथ तनाव के बीच सऊदी अरब को एक मजबूत सहयोगी की जरूरत थी। पाकिस्तान के लिए यह आर्थिक और रणनीतिक लाभ का स्रोत है, क्योंकि सऊदी अरब से तेल आपूर्ति और वित्तीय सहायता मिल सकती है। अब जान लेते हैं कि यह समझौता दोनों देशों के लिए क्यों अहम है? सबसे पहले, सऊदी अरब के लिए यह अमेरिकी निर्भरता से मुक्ति का कदम है। पाकिस्तान की परमाणु क्षमता इस समझौते को और मजबूत बनाती है। पाकिस्तान के लिए यह समझौता आर्थिक संकट से उबरने का अवसर है। पाकिस्तान को सऊदी से तेल आपूर्ति, निवेश और सैन्य सहायता मिल सकती है, जो भारत के लिए चिंता का विषय है। मई 2025 में 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत-पाकिस्तान संबंध तनावपूर्ण हैं। इस समझौते से पाकिस्तान को सऊदी की वित्तीय और तेल सहायता मिल सकती है, जो युद्ध की स्थिति में पाकिस्तान की शक्ति बढ़ाएगी। यदि यह समझौता क्षेत्रीय एकता को बढ़ावा देता है, तो यह सभी के लिए लाभदायक होगा, लेकिन यदि यह टकराव को बढ़ावा देता है, तो परिणाम विनाशकारी हो सकते हैं।

पाकिस्तान अब मुस्लिम दुनिया में अपनी स्थिति मजबूत कर सकता है, जो कश्मीर मुद्दे पर भारत के खिलाफ इस्तेमाल हो सकता है। हालांकि, भारत की प्रतिक्रिया संयमित रही है।

रक्षा सहयोग के साथ ही एक रणनीतिक संदेश

कूटनीति

महेंद्र तिवारी

स्वतंत्र पत्रकार

पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हाल ही में हुआ सामरिक पारस्परिक रक्षा समझौता दक्षिण एशियाई राजनीति और भारत–सऊदी रिश्तों के लिहाज से एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। इस समझौते को पश्चिम एशिया और एशियाई राजनीति के कई जानकार केवल रक्षा सहयोग नहीं, बल्कि एक रणनीतिक संदेश मानते हैं।

अमेरिकी विशेषज्ञ माइकल कुलेगमेन ने कहा कि यह केवल सैन्य सहयोग का मामला नहीं बल्कि पाकिस्तान का यह दिखाना है कि वह चीन, तुर्की और अब सऊदी जैसे बड़े सहयोगियों के साथ खड़ा है। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि इसे भारत को पाकिस्तान पर हमला करने से रोकने वाली दीवार मानना जल्दबाजी होगी। पश्चिम एशियाई मामलों के जानकार जहाकतनवीर ने भी याद दिलाया कि सऊदी–पाक रक्षा समझौता कोई नई बात नहीं है। अतीत में ऐसे कई समझौते हुए हैं जो ज्यादातर सऊदी की सुरक्षा तक सीमित रहे, पाकिस्तान के लिए नहीं। पाकिस्तान की सेना को कई बार सऊदी हितों के लिए किराए की सेना कहा गया है। सीधे भारत के खिलाफ सैन्य सहयोग की संभावना फिलहाल बेहद कम है। पाकिस्तान और सऊदी अरब का संबंध ऐतिहासिक रूप से गहरा रहा है।

ईरान–इराक युद्ध के दौरान (1980–88) पाक ने सऊदी को सुरक्षा का भरोसा दिया था। 1965, 1971 और कारगिल 1999 के भारत–पाक युद्धों में सऊदी अरब ने पाकिस्तान को वित्तीय और राजनयिक मदद दी, पर उसने कभी भारतीय मोर्चे पर अपनी सेना नहीं भेजी। 2014–15 में सऊदी ने इस्लामी सैन्य गठबंधन बनाया था, जिसका नेतृत्व पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख राहील शरीफ को सौंपा गया था। इन घटनाओं से यह साफ है कि सऊदी और पाकिस्तान का रिश्ता परस्पर जरूरतों और रणनीतिक लाभ पर आधारित रहा है। इस नए डिफेंसएग्रीमेंट ने इस रिश्ते को एक नया आयाम दिया है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि सऊदी अरब भारत के खिलाफ सीधी सैन्य कार्रवाई करेगा। भारत और सऊदी अरब के बीच के रिश्तों की बात करें तो सऊदी ने कभी भी भारत विरोधी आतंकवाद को समर्थन नहीं दिया।

इसके उलट, दोनों देशों के बीच ऊर्जा व्यापार, निवेश और प्रवासी भारतीयों के माध्यम से मजबूत आर्थिक और सामाजिक संबंध हैं। सऊदी अधिकारी पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि भारत के साथ उनके रिश्ते मजबूत बने रहेंगे और वे क्षेत्रीय शांति के लिए योगदान देते रहेंगे। कुल मिलाकर, यह रक्षा समझौता पाकिस्तान के लिए आर्थिक और कूटनीतिक राहत, सऊदी के लिए अतिरिक्त सुरक्षा गारंटी, और भारत के लिए एक रणनीतिक चेतावनी के रूप में देखा जा सकता है।

यह रक्षा समझौता पाकिस्तान के लिए आर्थिक और कूटनीतिक राहत, सऊदी के लिए अतिरिक्त सुरक्षा गारंटी, और भारत के लिए एक रणनीतिक चेतावनी के रूप में देखा जा सकता है।

सार्वभौम उदारता त्यागकर अब कठोरता दिखाए भारत

विमर्श

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र स्तंभकार

अंतराष्ट्रीय कूटनीतियां आधुनिक युग में संतुलन की स्थिति में हैं ही नहीं। विदेश स्तर की कूटनीतियों का यह असंतुलन भारत के लिए प्रतिदिन समस्या खड़ी कर रहा है। नवीन समस्या पाकिस्तान तथा सऊदी अरब के मध्य गत 17 सितंबर को हस्ताक्षरित हुए एक रणनीतिक रक्षा अनुबंध के परिप्रेक्ष्य में उभर रही है। दोनों देशों ने हस्ताक्षरित अनुबंध प्रारूपों का आदान-प्रदान करने की समयावधि में एक संयुक्त वक्तव्य दिया है कि उनमें से किसी भी देश पर किसी भी प्रकार के आक्रमण को दोनों ही देशों के विरुद्ध आक्रमण माना जाएगा।

विचारणीय 'रणनीतिक पारस्परिक रक्षा अनुबंध' पर सऊदी अरब के शहजादे मोहम्मद बिन सलमान अब्दुल अजीज अल सऊद और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हस्ताक्षर किए हैं। पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर और रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ भी इस अवसर पर उपस्थित थे। दो मुस्लिम देशों के बीच हुआ यह अनुबंध भारत के लिए कई संदर्भों में चिंतनीय है। अभी तक इस अनुबंध पर भारत की ओर से भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल का ही वक्तव्य आया है। उनके अनुसार, भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी कार्य करेगा तथा सभी क्षेत्रों में व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। अमेरिका की पहल पर भारत विरोधी दो मुस्लिम देशों की इस नई गुटसापेक्षता द्वारा भारत का चिंतित होना स्वाभाविक है। हालांकि सऊदी से भारत के द्विपक्षीय संबंध कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण स्थिति में हैं। चाहे द्विपक्षीय स्थिर संबंध हों, ऊर्जा सुरक्षा हो, निवेश का बड़ा प्रवाह हो अथवा वहां रह रहे भारतीयों द्वारा उस देश के चहुंदिश विकास में उच्च स्तर की पदाधिकारिक महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाए जाने का सत्य हो, किंतु अब परिस्थिति भिन्न हो चुकी हैं।

वित्त वर्ष 2023-24 में ही दोनों देशों का परस्पर व्यापार 42.98 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य का हुआ था, जिसमें से हमने वहां से 31.42 बिलियन डॉलर मूल्य का आयात किया तो यहां से वहां 11.56 बिलियन यूएसडी मूल्य का निर्यात संपन्न हुआ। भारत कच्चे तेल तथा पेट्रो उत्पादों की बड़ी मात्रा के लिए अरब देश पर निर्भर है। विगत में दोनों देशों के विशिष्ट संबंधों का परिलक्षण तब दिखा था जब 2016 में सलमान बिन ने नरेंद्र मोदी को अपने देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'किंग अब्दुल अजीज सैश' प्रदान किया था। भारतीय नेतृत्व के प्रति इस सीमा तक सम्मान प्रदर्शित करने के बाद भी आज अकस्मात अमेरिकी दबाव में सऊदी की वैश्विक दक्षिण में भारत के प्रति एक विरोधी छवि उभर कर सामने आई है। हालांकि अभी पाकिस्तान और सऊदी के बीच हुए रक्षा अनुबंध की विस्तृत रूपरेखा सामने नहीं आई है, किंतु इतना तो निश्चित है कि यदि पाकिस्तान के साथ रक्षा-सुरक्षा रणनीतिक समझौते के बाद संयुक्त वक्तव्य में दोनों देशों की ओर से किसी शत्रु देश का संकेत उभरता है, तो पाकिस्तान के संदर्भ में तो वह भारत ही हुआ, और सऊदी के पाकिस्तान के साथ होने के संकेतन का अर्थ भी यही है कि वह भी अप्रत्यक्ष रूप में भारत का शत्रु ही हुआ। इस परिप्रेक्ष्य में भारत के सामने अमेरिका से लेकर सऊदी अरब तक अपनी कूटनीतिक गतिविधियों को नवाकार देने की चुनौती उभर आयी है।

भारत उन देशों के प्रति सार्वभौम उदारता प्रदर्शित करना बंद करे, जो द्विपक्षीय संबंधों को दीर्घकाल तक संभाले रखने की तुलना में स्वार्थ व एकाधिकार की नीतियों के कारण उन्हें तोड़ने को प्राथमिकता दे रहे हैं

गत आठ-नौ माह में भारत के संबंध अमेरिका के साथ जिस ढंग से असंतुलित हुए हैं, उस कारण भारत के प्रति सऊदी की द्विपक्षीय संबंधों की स्थिति में भी परिवर्तन आ चुका है। सामरिक सुरक्षा हेतु अमेरिकी कृपा पाने के लिए सऊदी ने भारत के प्रति अपनी कूटनीतिक स्थितियां उसी प्रकार ढाल ली हैं, जैसे अमेरिका ने उससे अपेक्षा की है, और निश्चित रूप में अमेरिकी शासन मध्य एशिया में खाड़ी के अग्रणी देशों में से एक सऊदी को भारत के अनुकूल बनाये नहीं रखना चाहता। चूंकि ऑपरेशन सिंदूर की समयावधि में पाकिस्तान के बहाने भारत व अमेरिका के संबंधों में अविश्वास उत्पन्न हुआ था, इसीलिए अमेरिका उसी के माध्यम से सऊदी को भारत के प्रतिरोध में खड़ा करने का प्रयास कर रहा है।

अरब देश भारत विरोधी पाकिस्तान वाले गुट में सम्मिलित होने की अमेरिकी मंशा का विरोध नहीं कर सकता है और तब तक तो कदापि नहीं कर सकता है, जब तक वह अपनी सामरिक आवश्यकताओं के लिए अधि सीमा तक अमेरिका पर ही निर्भर है। भारत के प्रति अमेरिका, चीन, सऊदी अरब तथा अन्य देशों का जो कूटनीतिक भेदभाव परिलक्षित हो रहा है, उससे हमें यही शिक्षा ग्रहण करनी होगी कि अब भविष्य में भारत कम से कम उन देशों के प्रति सार्वभौम उदारता प्रदर्शित करना बंद करे, जो पारस्परिक द्विपक्षीय संबंधों को दीर्घकाल तक संभाले रखने की तुलना में स्वार्थ व एकाधिकार की नीतियों के कारण उन्हें तोड़ने को प्राथमिकता दे रहे हैं।

समझौते से बढ़ सकती हैं भारत की सैन्य मुश्किलें

सैन्य चुनौती

डॉ. एन. के. सोमानी

वरिष्ठ पत्रकार

ऑपरेशन सिंदूर में भारत के हाथों बुरी तरह से पिट चुका पाकिस्तान अब अपनी रक्षा और सुरक्षा के लिए सैन्य समझौतों की रणनीति पर आगे बढ़ रहा है। सऊदी अरब के साथ किया गया स्ट्रेटेजी म्यूचुअल डिफेंस एग्रीमेंट उसकी इसी रणनीति का हिस्सा है। हालांकि पाकिस्तान इससे पहले अमेरिका के नेतृत्व वाले समझौतों और गठबंधनों का हिस्सा रहा है लेकिन सऊदी अरब के साथ हुआ समझौता उस बाध्यकारी खंड के कारण अहम हो जाता है, जिसमें कहा गया है कि दोनों देशों में से किसी के भी खिलाफ किसी भी तरह के हमले को दोनों पर किया गया आक्रमण माना जाएगा।

समझौते की शब्दावली एक तरह से नाटो के खंड 5 की 'कॉपी' है, जिसमें कहा गया है कि एक देश पर हमला सभी सदस्य देशों पर हमला माना जाएगा और सभी सदस्य उससे अपनी तरह से निबटेंगे। यही वजह है कि पाकिस्तान-सऊदी अरब सुरक्षा समझौते को मीडिल ईस्ट में नाटो का आरंभ कहा जा रहा है। पाकिस्तानी मीडिया का दावा है कि जल्दी ही कुछ और देश भी समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। भारत ने समझौते पर सधी हुई प्रतिक्रिया दी है। भारत का कहना है कि वह क्षेत्रीय स्थिरता पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्यन करेगा। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाक का शीर्ष नेतृत्व लगातार इस बात की कोशिश करता हुआ दिखाई दे रहा है कि वह किसी न किसी तरह भारत को दुनिया के बड़े देशों से अलग-थलग कर दे। पाक नेताओं और फिल्ड मार्शल असीम मुनीर के विदेश दौरों का सिलसिला पाकिस्तान की इस कोशिश का ही परिणाम है। हालांकि समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद सऊदी अरब ने कहा है कि भारत के साथ हमारे मजबूत संबंध हैं, हम संबंधों को आगे बढ़ाते रहेंगे। यह समझौता किसी खास देश या घटना विशेष की प्रतिक्रिया नहीं है बल्कि दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक और गहन सहयोग का संस्थागत रूप है। हम क्षेत्रीय शांति में हर संभव योगदान देने का प्रयास करेंगे। भारत और सऊदी के बीच अरसे से घनिष्ठ संबंध रहे हैं। भारत सऊदी का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। भारत की ऊर्जा सुरक्षा में सऊदी और उसकी खाद्य सुरक्षा के लिए भारत अहम देश है। संयुक्त सैन्य अभ्यास के माध्यम से भी दोनों देश रक्षा सहयोग को मजबूत कर रहे हैं। इसके अलावा दोनों देश आतंकवाद, उग्रवाद और वित्तपोषण का मुकाबला करने के लिए खुफिया जानकारी साझा करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के दौरान भारत और सऊदी अरब के संबंध खासे मजबूत हुए हैं। मोदी अब तक तीन बार (2016, 2019 और अप्रैल 2025) सऊदी अरब का दौरा कर चुके हैं। साल 2016 में जब पीएम मोदी पहली दफा सऊदी की यात्रा पर गए, उस वक्त सऊदी अरब ने उन्हे अपने देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया। साल 2019 में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान भारत की यात्रा पर आए तो पीएम मोदी खुद दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर उनके स्वागत के लिए पहुंचे। भारत यात्रा पर आए सऊदी प्रिंस ने उस वक्त कहा था कि पिछले 70 सालों में सऊदी अरब को खड़ा करने में भारत की भी अहम हिस्सेदारी रही है। ऐसे में सवाल यह है कि सऊदी अरब पाकिस्तान जैसे आतंकवाद का पोषण करने वाले देश के साथ इस तरह के समझौते के लिए क्यों राजी हो गया। कहीं ऐसा तो नहीं कि सऊदी परमाणु शक्ति संपन्न भारत के साथ संबंधों को संतुलित करने की आवश्यकता महसूस करने लगा है। सच तो यह है कि पिछले दिनों इजरायल द्वारा कतर की राजधानी दोहा पर किए मिसाइल हमलों ने खाड़ी देशों के भीतर इस कदर भय उत्पन्न कर दिया है कि उनका वाशिंगटन पर भरोसा डगमगा गया है।

निसंदेह समझौते के बाद पाकिस्तान की ताकत और अधिक बढ़ जाएगी। ऐसे में भारत को स्ट्रेटेजी म्यूचुअल डिफेंस एग्रीमेंट को गंभीरता से लेना होगा तथा अपनी सैन्य क्षमता और ज्यादा बढ़ानी होगी।

माना जा रहा है कि सऊदी सीधे तौर पर भारत पर हमला नहीं करेगा लेकिन जिस तरह से यूरोप के देश यूक्रेन को सैन्य मदद कर रहे हैं, उसी तरह सऊदी भारत के खिलाफ पाकिस्तान को सैन्य मदद दे सकता है। सऊदी अरब की सेना भले ही छोटी हो लेकिन उसके जखीरे में अमेरिका, चीन और रूस से खरीद किए हुए अत्याधुनिक हथियार हैं। अब पाकिस्तान ने सऊदी के साथ पैक्ट कर भारत-अमेरिका सहित मिडिल ईस्ट को बड़ा संकेत दे दिया है। निसंदेह समझौते के बाद पाकिस्तान की ताकत और अधिक बढ़ जाएगी। ऐसे में भारत को स्ट्रेटेजी म्यूचुअल डिफेंस एग्रीमेंट को गंभीरता से लेना होगा और बदलती भू-सामरिक स्थिति को साधने के लिए भारत को अपनी सैन्य क्षमता और ज्यादा बढ़ानी होगी।

दुनिया के रहस्यमय देश, एक ही समय पर कहीं दिन तो कहीं रात, यकीन करना मुश्किल

नई दिल्ली। दुनिया में कुछ जगहें ऐसी भी हैं जिनके बारे में सुनकर यकीन करना मुश्किल हो जाता है। यहां एक ही देश में एक ही समय पर दिन और रात का अलग-अलग नजारा देखने को मिलता है, जो रहस्य से भरा हुआ है। एक ही देश में एक समय पर कहीं दिन और कहीं रात इसलिए होता है क्योंकि पृथ्वी घूमती है। पश्चिम से पूर्व की ओर 24 घंटे में एक चक्कर लगाने से सूरज की रोशनी अलग-अलग जगहों पर अलग समय पड़ती है। बड़े देशों में कई टाइम जोन होने से ऐसा नजर आता है। ये बात सुनकर थोड़ा अजीब लगता है, लेकिन सच है।

टाइम जोन क्या हैं और इनका क्या काम है?

दुनिया को 24 टाइम जोन में बांटा गया है, हर जोन 15 डिग्री देशांतर का होता है, ताकि समय व्यवस्थित रहे। पृथ्वी के घूमने से सूरज की रोशनी अलग-अलग जगहों पर अलग समय पहुंचती है। बड़े देशों में कई जोन होने से एक साथ दिन-रात का मंजर दिखता है। ष ये सिस्टम बहुत स्मार्ट है।

रूस में दिन और रात एक साथ कैसे दिखते हैं?

रूस में 11 टाइम जोन हैं, इसलिए मॉस्को में दोपहर हो सकती है, जबकि कमचटका में आधी रात। इतना बड़ा देश होने से हर हिस्सा अलग समय में जीता है। लोग एक ही समय पर अलग-अलग मौसम एंजॉय करते हैं। ये रूस की खासियत है।

ब्राजील में दिन-रात का ऐसा है हाल

ब्राजील में 4 टाइम जोन हैं, जहां रियो डी जेनेरो में दिन और एकरे में सांझ हो सकती है। देश के फैलाव से ऐसा होता है। लोग एक साथ अलग-अलग समय का आनंद लेते हैं। ये भौगोलिक तथ्य है।

अमेरिका में ऐसा क्यों होता है?

अमेरिका में 6 टाइम जोन हैं, जैसे कैलिफोर्निया में सुबह और न्यूयॉर्क में शाम। मुख्यभूमि और बाहरी इलाकों की वजह से ये अंतर है। लोग एक देश में रहकर भी समय का फर्क महसूस करते हैं। ये भौगोलिक विस्तार का कमाल है।

कनाडा में दिन-रात का अंतर कैसे है?

कनाडा में 6 टाइम जोन हैं, इसलिए ब्रिटिश कोलंबिया में सूर्योदय और न्यूफाउंडलैंड में रात हो सकती है। देश का आकार इतना बड़ा है कि हर हिस्सा अलग समय में चलता है। ये नेचुरल प्रोसेस है।

एक ऐसा सबसे सुंदर गांव, जहां हर नजारा है पेंटिंग जैसा

नई दिल्ली। हम एक ऐसे गांव की बात कर रहे हैं जिसे देखो तो ऐसा लगता है जैसे पेंटिंग देख रहे हों यह गांव है ब्रिटेन का सबसे खूबसूरत गांव बिबरी। फोर्ब्स की रिपोर्ट के अनुसार, अपनी अनोखी खूबसूरती के कारण इस गांव को दुनिया का सबसे सुंदर गांव घोषित किया गया है। ब्रिटेन के कॉटस्वोल्डस क्षेत्र में स्थित यह गांव सदियों से अपने प्राचीन बलुआ पत्थर के घरों और सुंदर कॉटेज गार्डन के लिए फेमस है। फोबर्स ने 2025 के लिए दुनिया के 50 सबसे खूबसूरत गांवों की सूची जारी की है। इस लिस्ट में इंग्लैंड के कॉट्सवॉल्ड्स का छोटा सा गांव बिबरी सबसे ऊपर आया है।

फोर्ब्स की लिस्ट में नंबर वन

बिबरी वॉटरकलर पेंटिंग जैसा

बिबरी को इसकी खूबसूरत कंकरीली गलियों, शहद रंग की कॉटेज और सदियों पुराने इतिहास के कारण चुना गया। इस सम्मान ने बिबरी को दुनिया भर में और भी ज्यादा मशहूर कर दिया है। फोर्ब्स के मुताबिक, बिबरी किसी वॉटरकलर पेंटिंग की तरह दिखता है, जहां शहद रंग की कॉटेज एक कतार में खड़ी हैं, उनकी काई जमी छतें 14वीं सदी के बुनकरों की कहानियां कहती हैं।

घूमने वालों से परेशान हैं स्थानीय लोग

खूबसूरती का फायदा बिबरी को तो मिला, लेकिन अब यहां के करीब 600 स्थानीय निवासी ओवरटूरिज्म से परेशान हैं। पीक सीजन में रोजाना करीब 50 बड़े टूरिस्ट कोच यहां रुकते हैं। एक स्थानीय निवासी ने कहा कि हमारे पास इतनी सुंदर जगह है जिसे हम साझा करना चाहते हैं, लेकिन यहां आने वाली भीड़ ने इसे असहनीय बना दिया है। वे गांव की खूबसूरती और इतिहास को जीने के लिए यहां रुकते ही नहीं, बस एक सेल्फी लेकर निकल जाते हैं।

अमेजन के जंगल में मिले रहस्यमय टाइम कैप्सूल, अंदर झांका तो निकल गई चीखें

नई दिल्ली। ब्राजील के अमेजन जंगलों में एक बहुत ही खास खोज हुई है। शोधकर्ताओं को एक गिरे हुए पेड़ की जड़ों के नीचे मिट्टी के 7 बहुत बड़े कलश मिले हैं। इसमें इंसान, मछलियां और कछुओं की हड्डियां मिली हैं। ममिरौआ इंस्टीट्यूट फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट की टीम ने इस कलश की खोज की है। इस खोज से अमेजन के पुराने समाजों और उनके रीति-रिवाजों के बारे में नई जानकारी मिलेगी। 3 फुट चौड़े इन कलशों का वजन लगभग 350 किलो था। ये जमीन के 16 फीट नीचे दबे हुए थे। इन कलशों को मामिराउआ संस्थान के पुरातत्वविद मार्सियो अमरल की टीम ने खोजा है।

किसी जैविक चीज से बंद रखा गया था

टीम की एक शोधकर्ता जॉर्जिया लैला होलांडा ने बताया कि ये कलश बहुत बड़े हैं और इन पर किसी तरह का ढक्कन नहीं मिला है। उनका मानना है कि इन कलशों को शायद किसी जैविक चीज से बंद किया गया था जो खराब हो चुकी है। यह जगह पहले लोगों का घर हुआ करती थी। इसका मतलब यह है कि लोग इन कलशों को किसी अलग जगह दफनाने के बजाय अपने घरों के फर्श के नीचे ही रखते थे।

कितनी गहराई में मिले ये कलश?

पुरातत्वविदों का मानना है कि अमेजन में रहने वाले लोग अपने पर्यावरण को बहुत अच्छे से समझते थे। ये कलश इस बात को साबित करते हैं कि अमेजन कोई खाली जगह नहीं थी बल्कि वहां लोग रहते थे और उस जगह को अच्छे से संभालते थे। होलांडा ने बताया, ये कलश 40 मीटर गहराई में मिली जो शायद पुराने घरों की जमीन थीं।

कलश के अंदर क्या-क्या था?

कलशों में मिले मानव अवशेष, मछलियों और कछुओं की हड्डियां अमेजन में रहने वाले पुराने लोगों के अंतिम संस्कार के तरीकों के बारे में जरूरी जानकारी देते हैं। जानवरों की हड्डियां शायद भोजन या किसी तरह की रस्म का हिस्सा थीं जो अंतिम संस्कार के समय की जाती थीं। साउथ अमेरिका के कई पुराने समाजों में ऐसा माना जाता था कि यह खाना मरने वाले को उसकी आगे की यात्रा में मदद करेगा।

शारदीय नवरात्र विशेष

आदिशक्ति की आराधना का महापर्व

जगत-जननी आदिशक्ति मां दुर्गा की आराधना का वार्षिक महापर्व शारदीय नवरात्र का कल से शुभारंभ हो रहा है। पौराणिक काल से भारतीय जन मानस और संस्कृति में मां शक्तिस्वरूपा के पूजन की परंपरा आज भी बनी हुई है। मां दुर्गा के दिव्य स्वरूप, उनकी व्यापकता और उनके पूजन-भक्ति विधान पर यहां विस्तार से बता रहे हैं।

आवरण कथा

आचार्य गोविंद बल्लभ जोशी

सनातन हिंदू धर्म व्यक्तिवादी नहीं मानवतावादी धर्म है, जहां प्रकृति और परमब्रह्म का चिंतन-मनन निहित है। 'एको अहम बहु स्याम' (अर्थात मैं एक होकर अनेक हो जाऊं) की संकल्पना से प्रारंभ होकर जब एक परमब्रह्म को यह लगा मैं एक से अनेक रूपों में होना चाहता हूं, तब उन्होंने अपनी पराप्रकृति आदि शक्ति का आलंबन लेकर जगत की सृष्टि प्रारंभ की। तब जलचर, थलचर, नभचर जीवों की उत्पत्ति इस जग जीवन को अलंकृत करने लगी। वहीं अन्न और वनस्पति जगत ने सभी के योगक्षेम का दायित्व प्रारंभ किया। आशय यह है कि इन सभी की आधार चेतना शक्ति के रूप में परांबा जगज्जननी आदिशक्ति दुर्गा भवानी विद्यमान हुईं। इसी आदिशक्ति की प्रकृति- परमात्मा की पूजा-आराधना का व्रत पर्वोत्सव है शारदीय नवरात्र में नव दुर्गा का उपासना पर्व।

चराचर की चैतन्यशक्ति

मां आदिशक्ति भगवती चराचर की चैतन्य शक्ति हैं, प्रकृति में चेतना भरने वाली शक्ति ही पराम्बा भगवती दुर्गा हैं।

या देवी सर्वभूतेषु चेतनेत्यभिधीयते
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।

मां दुर्गा जगत-उत्पत्ति जगत-पालन और जगत-संहार का कारण हैं। संसार का सार तत्व ही दुर्गा हैं। इनके बिना यह जगत असार है।

सृष्टि स्थिति विनाशानाम् शक्ति भूता सनातनी

सदैव विद्यमान चेतना शक्ति के कारण ही मां आदिशक्ति को सनातनी कहा गया है। यही आदिशक्ति अनेक कारणों से संसार में अनेक रूपों में अवतरित होती हैं और संसार के बिगड़ते संतुलन को व्यवस्थित करती हैं। इसी कारण यह संसार की व्यवस्थापिका हैं। कभी प्रकृति के असंतुलन को ठीक करने हेतु, कभी आसुरी शक्तियों का संहार कर दैवीशक्तियों को जागृत कर बलवती बनाने को, तो कभी अपने भक्तों का आर्त दूर करने आदि अनेक कारणों से अपनी विविध शक्ति स्वरूपों में प्रकट होती हैं।

शरणागत दीनार्त परित्राण परायणे
सर्वस्यार्त हरे देवि नारायणी नमोस्तुते।

सौम्य के साथ रौद्रस्वरूपा

भवसागर से पार उतारने वाली होने के कारण इन्हें भवानी कहते हैं। मां का स्वरूप अतिसौम्य भी है तो अतिरौद्र भी है। सौम्य और सात्विक जनों की रक्षा हेतु मां दुर्गा रौद्र रूप धारण कर उन्हें आसुरी ताकतों से बचाती हैं और वात्सल्यमयी सौम्य स्वरूपा होकर भक्तजनों की रक्षा करती हैं।

अति सौम्यातिरौद्रायै नतास्तस्यै नमो नमः।

वस्तुतः शुंभादि दैत्यों का संहार होने के बाद इंद्रादि देवताओं ने इसी प्रकार माता दुर्गा की स्तुति प्रार्थना की थी। जो जगदंबा देवताओं की रक्षा करने हेतु अवतरित हुईं, वह मनुष्यों का भय

क्यों नहीं हरण करेंगी, जो लोग इसी श्रद्धा-भक्ति से मां की आराधना करते हैं, उन्हें लौकिक सुख एवं पारलौकिक सुख दोनों प्राप्त होते हैं।

सहज भक्ति भी है फलदायी

कलिकाल में तो उनकी सहज भक्ति ही फलदायी बताई गई है। शास्त्र कहते हैं कि 'कलौ चंडी विनायकौ' अर्थात कलिकाल में चंडिका एवं विनायक गणपति जी महाराज की उपासना तत्काल फलदायी है। आसुरी ताकतों एवं दुष्ट प्रवृत्तियों से मुक्त होने का यह एकमात्र साधन है। राष्ट्र एवम सनातनधर्म की रक्षा हेतु चंडी-विनायक आराधना बहुत महत्वपूर्ण है। इसीलिए उपासना क्रम में विनायक गणपति आराधना के बाद ही दुर्गापूजा उत्सव आता है। इसीलिए प्राचीन काल से ही राजा और प्रजा सभी दुर्गा-उपासना पर्व को नवरात्र महोत्सव के रूप में मनाते आ रहे हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने नवरात्र आराधना एवं विजयदशमी पूजन के बाद लंकाविजय की हुंकार भरी थी।

नवरात्र पूजन विधि-विधान

भक्तजनों की सुविधा हेतु संक्षिप्त पूजा विधान इस प्रकार दिया जा रहा है ताकि आप अपने पूजास्थल पर नवरात्र आराधना कर मां दुर्गा की कृपा प्राप्त कर सकें।

नित्य कार्यों से निवृत्त होकर गंगा-यमुना, कृष्णा, कावेरी, सिंधु, गोदावरी आदि नदियों का स्मरण करते हुए तीर्थ स्नान का पुण्य प्राप्त करने के बाद पूजा स्थान पर जाकर सर्वप्रथम सामग्री को व्यवस्थित कर स्वयं को केसरयुक्त रोली तिलक करें। फिर अखंडदीप जलाएं। तत्पश्चात स्वास्तिक बनाकर चौकी पर कलश स्थापित करें। कलश में हल्दी का एक टुकड़ा, एक सिक्का और आम-अशोक के पत्ते डालें। उनके ऊपर साबुत चावलों का भरा हुआ एक कटोरा, पूर्णपात्र के रूप में स्थापित करें। पूर्णपात्र में नारियल रखें। जटा नारियल का मुख ऊपर आसमान की ओर अथवा स्वयं की ओर करें। पुनः कलश को चारों ओर से लाल अथवा पीले वस्त्र से आच्छादित करें और उसे मौली से बांधना चाहिए। वहीं दो सुपारी रिद्धि-सिद्धि सहित श्री गणपति महाराज के रूप में स्थापित करें। उनके ऊपर कलावा का गोला, एक जोड़ा यज्ञोपवीत और दूर्वा रखकर हाथ जोड़कर कलश में सभी देवी-देवताओं के निमित्त पूजन प्रारंभ करें। सर्वप्रथम उन्हें आसन के निमित्त फूल अर्पित करें, फिर हाथ में फूल, रोली, अक्षत लेकर ध्यान लगाकर अर्पित करें। माता दुर्गा की प्रतिमा अथवा चित्र के समक्ष उनका आह्वान करें। दुर्गा जी की प्रतिमा के आगे कलश में ही गणपति, मातृका कलश वरुण, नवग्रह आदि का इस प्रकार पूजन करें। उन्हें चार बार आचमनी से जल समर्पित करें। इसका तात्पर्य यह है कि आप उनके चरण धो रहे हैं। हाथ से अर्घ्य दे रहे हैं। मुख में आचमनी करा रहे हैं और चौथी बार उनका सर्वांग स्नान करा रहे हैं। तत्पश्चात उन्हें वस्त्र अर्पित करें। वस्त्र के बाद तिलक करें। उन्हें धूप, दीप दिखाएं, फिर पंचमेवा लड्डू आदि प्रसाद चढ़ाना चाहिए। उसके बाद फल, तांबूल आदि अर्पित कर कुछ द्रव्य भेंट चढ़ाकर आरती करनी चाहिए।

इसके बाद प्रधान पूजा अर्थात नवदुर्गा पूजा भी इसी प्रकार पाद्य, अर्घ्य, आचमनी और सर्वांग स्नान, धूप, दीप, नैवेद्य, फल, तांबूल आदि क्रम में रखें। भगवती दुर्गा के नौ के नौ रूपों का प्रतिदिन पूजन करना चाहिए। जो दिन जिस स्वरूप का हो, उस स्वरूप की उस दिन विशेष पूजा करनी चाहिए। सायंकाल गाय के घृत अथवा तिल के तेल से उनकी भक्तिभाव से आरती कर पुष्पांजलि करनी चाहिए और हाथ जोड़कर इस श्लोक का उच्चारण करें-

सर्व मंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके
शरण्ये त्र्यंबके गौरी नारायणी नमोस्तुते।

तत्पश्चात दोनों हाथ आस-पास की ओर उठाकर मां दुर्गा को शरणागत होते हुए कहें-

शरणागत दीनार्त परित्राण परायणे,
सर्वस्यार्तिहरे देवि नारायणी नमोस्तुते।

इस प्रकार आप मां नवदुर्गा की आराधना कर सकते हैं। यदि संभव हो तो दुर्गा सप्तशती का पाठ करें या हिंदी अनुवाद पढ़ते हुए मां के नव स्वरूपों एवं चरित्रों को आत्मसात करें।

अष्टमी अथवा नवमी के बाद प्रत्येक भक्त परिवार को नवार्ण मंत्र से हवन कर मां को हलवा, पूड़ी, छोले का प्रसाद भोग लगाकर कन्या पूजन अवश्य करना चाहिए। तत्पश्चात भोज प्रसाद ग्रहण करना चाहिए। *

बंगाल की भव्य-पारंपरिक राजबाड़ी दुर्गा पूजा

भवानीपुर दे बाड़ी दुर्गा पूजा

वैसे तो शारदीय नवरात्र में पूरे बंगाल में दुर्गा पूजा की छटा देखते ही बनती है। लेकिन वहां कुछ दुर्गा पूजाओं की परंपरा कई सदी पुरानी हैं। अपने में परंपरा, इतिहास और आस्था की त्रिवेणी समेटे इन दुर्गा पूजाओं में से कुछ पर एक नजर।

पर्व परंपरा / शिखर चंद जैन

हालांकि सनातन धर्म के सभी अनुयायी दुर्गा पूजा में पूरी श्रद्धा और उत्साह से सम्मिलित होते हैं, लेकिन बांग्ला भाषियों के लिए यह सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि भावनाओं का उत्सव होता है। इन दिनों बंगाल जगमगाती रोशनी और सुर्ख रंगों से सज जाता है। चारों तरफ विभिन्न प्रकार के व्यंजनों, नए कपड़ों, मोहक सजावट वाले थीम आधारित भव्य-विशाल पंडाल और उत्साह-उमंग भरा उत्सवी माहौल नजर आता है। लेकिन इन सबसे दूर कुछ अत्यंत पारंपरिक, कुलीन और राजघरानों की दुर्गा पूजाएं भी आयोजित की जाती हैं, जो विशुद्ध रूप से सात्विक वातावरण और रीति-रिवाजों से आयोजित की जाती हैं। ये घराने दशकों से और इनमें से कुछ तो सदियों से दुर्गा पूजा मनाते आ रहे हैं। कई राजबाड़ियां (घराने) आज भी अस्तित्व में हैं। पूजा के दौरान इनमें सम्मिलित होना आस्था के सागर में डुबकी लगाने जैसा अनुभव देता है।

बागबाजार हलदरबाड़ी दुर्गा पूजा: यह भी कोलकाता की सबसे पुरानी और ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण दुर्गा पूजा की सूची में शामिल है। हलदरबाड़ी की दुर्गा प्रतिमा की पिछले 447 वर्षों से प्रतिदिन पूजा की जाती रही है। यह प्रतिमा बलुआ पत्थर से बनी है और लगभग 600 से 700 वर्ष पुरानी है। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि इसे बंगाल के पाल साम्राज्य के शासनकाल में निर्मित किया गया था। कुमारी पूजा, हलदरबाड़ी दुर्गा पूजा के मुख्य आकर्षणों में से एक है।

भूकैलाश राजबाड़ी दुर्गोत्सव: महाराजा जय नारायण घोषाल ने लगभग 300 साल पहले भूकैलाश राजबाड़ी में इस दुर्गा पूजा की शुरुआत की थी, जो अब खिदिरपुर क्षेत्र में है। यहां पर महिषासुरमर्दिनी यानी मां दुर्गा की मूर्ति अष्टधातु से बनी है और देवी घोड़े के आकार के शेर पर सवार हैं।

भवानीपुर दे बाड़ी दुर्गा पूजा: भवानीपुर दे बाड़ी दुर्गोत्सव की शुरुआत वर्ष 1870 में हुई थी। इस पूजा की एक खासियत यह है कि इसकी प्रतिमा में महिषासुर, अंग्रेज सैनिकों की तरह कोट और पैंट पहनते हैं। ऐसा माना जाता है कि इसे ब्रिटिश काल में सबसे पहले अंग्रेजों के विरोध में बनाया गया था। यहां यह परंपरा आज भी जारी है।

बिष्णुपुर राजबाड़ी दुर्गापूजा: इसकी शुरुआत लगभग 994 ईस्वी में हुई थी। यह पूरे बंगाल क्षेत्र की सबसे प्राचीन दुर्गा पूजाओं में से एक है। इस पूजा को 'मृणमयी मां की

पूजा' के नाम से भी जाना जाता है। यहां दुर्गोत्सव की शुरुआत 15 दिन पहले ही हो जाती है। इस उत्सव के दौरान यहां माता रानी को सांकेतिक रूप से तोप की सलामी भी दी जाती है। नवमी के दिन गुप्त पूजा बंद कमरे में होती है।

लाहा बारी दुर्गोत्सव: यह वैष्णव परिवार महिषासुर वध को अहिंसक मानता है, इसलिए यहां मां दुर्गा का शांत रूप देखने को मिलता है। यह पूजा कितनी पुरानी है, इस पर विद्वानों में मतभेद है। कुछ विद्वानों का कहना है कि भगवान प्राण कृष्ण लाहा ने लगभग 170 साल पहले यह पूजा सबसे पहले की थी, जबकि कुछ अन्य लोगों का मानना है

कि प्राण कृष्ण के पिता श्री राजीव लोचन लाहा ने लगभग 200 साल पहले इसकी शुरुआत की थी।

मल्लिक बाड़ी दुर्गा महोत्सव: यह कोलकाता की सबसे प्राचीन दुर्गा पूजा में से है। भवानीपुर का मल्लिक परिवार के पूर्वज मुख्यतः वैष्णव धर्म का पालन करते थे। कहते हैं 15वीं शताब्दी ईस्वी में नवाब हुसैन शाह के समय से अब तक इस परिवार के सदस्य देवी दुर्गा की एक ही रूप में पूजा करते आ रहे हैं। ये वैष्णव धर्म का पालन करते हैं, इसलिए पूजा के पांच दिनों तक शाकाहारी भोजन ग्रहण करते हैं। *

शोभा बाजार राजबाड़ी दुर्गा पूजा

शोभा बाजार राजबाड़ी के राजा नवकृष्ण देव ने 1757 में पहली बार यहां दुर्गा पूजा का आयोजन किया था। यहां प्राचीन रीति-रिवाजों के अनुसार दशभुजा की पारंपरिक पूजा की जाती है। यहां गैर-हिंदुओं को राजबाड़ी के बाहरी भाग में स्थित 'नाच घर' या नृत्य मंडप में विशिष्ट हिंदू पारिवारिक समारोह देखने को मिलता है। राजा नव कृष्ण देव ने इस दुर्गा पूजा की शुरुआत सभी धर्मों के लोगों को परिसर में प्रवेश की अनुमति देकर की थी। प्लासी के युद्ध के बाद, उन्होंने वॉरेन हेस्टिंग्स और लॉर्ड क्लाइव को भी इस भव्य पूजा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। ऐसा कहा जाता है कि देवी दुर्गा, शाही महल के 'नाच घर' में बजने वाले मधुर गीतों को सुनने के लिए आती थीं।

गजल

गोविंद भारद्वाज

एक ऐसा ही शिफा उसने हमारा कर दिया,
बंद निगाहों से मेरी मां ने उतारा कर दिया।
थे जहां में आदमी हम भी बड़े ही काम के,
इश्क ने हमको यकीनन अब नकारा कर दिया।
छोड़ कर दुनिया चले आए उसी के पास हम,
बस निगाहों से जो उसने इक इशारा कर दिया।
थे कभी शबनम जमाने की निगाहों में अजी,
बेवफाई ने मगर उसकी अंगारा कर दिया।
प्यार उसने भी किया था बेतहाशा ही मगर,
नाम बदनाम लेकिन क्यों तुम्हारा कर दिया?
अब चले तन्हा कमाई के लिए परदेश में,
इस कमाने की हवस ने बेसहारा कर दिया।
पास जब दौलत रही सब खास थे 'गोविंद' के,
मुफलिसी के दौर में सब ने किनारा कर दिया।

कहानी / भूपेंद्र भारतीय

आज के दौर में व्यवस्था तंत्र इतना भ्रष्ट हो चुका है कि छोटे-छोटे काम के लिए भी आम आदमी इसमें उलझ कर कसमसाता रहता है। इर्द-गिर्द मौजूद दलाल भी इस भ्रष्ट व्यवस्था के पोषक बन जाते हैं। भ्रष्ट व्यवस्था के तंत्र में फंसे एक आम आदमी पर केंद्रित कहानी।

चाय की गुमटी

आज सुबह से रुक-रुककर तेज बारिश हो रही थी। सितंबर माह का पहला सोमवार था, भादो की बरखा पूरे रंग में थी। तहसील के सामने वाली चाय की गुमटी में बैठा नयाराम तहसीलदार और पटवारी की बाट जोह रहा था। दोपहर की घड़ी आ गई थी। लग रहा था जैसे सूरज देवता बादलों के पार आराम कर रहे हैं। अब तक तहसील में कोई ज्यादा चहल-पहल नहीं हुई थी। सुबह से हो रही बारिश के कारण तहसील के आस-पास वाली दुकानें बंद थीं। बस कुछ ही लोग दिख रहे थे। नयाराम को अपने गांव से तहसील आए तीन घंटे बीत चुके थे। इन तीन घंटों में उसने दो चाय और आठ-दस बीड़ी पी ली थी। नयाराम अपने हल्के के पटवारी को भी निरंतर मोबाइल लगा रहा था, लेकिन पटवारी का सुबह से मोबाइल बंद आ रहा था। नयाराम दो-तीन बार तहसील के चपरासी से तहसीलदार और पटवारी के आने के बारे में पूछ चुका था। चपरासी का एक ही जवाब होता, 'साहब क्षेत्र में दौरे पर हैं, पता नहीं कब आएंगे।'

नयाराम के पिता की मृत्यु हुए करीब एक वर्ष से ऊपर हो गया था, लेकिन उसके पिता उसकी पुश्तैनी जमीन के कागजों में अब तक जिंदा थे। गुमटी में बैठे-बैठे उसे अपने 'जीसाहब' की बहुत सी बातें रह-रह कर याद आ रही थीं। नयाराम अपने पिता को 'जीसाहब' संबोधित करता था। बीड़ी का करीब आधा बंडल वह फूंक चुका था। मन बहलाने और समय काटने के लिए नयाराम के पास बीड़ी ही अंतिम साधन थी। चाय के लिए पैसे लगभग समाप्त हो चुके थे। आधे दिन से ऊपर का समय बीत चुका था। चाय की गुमटी वाले ने नयाराम की बेचैनी को देखकर उससे पूछा 'क्यों भाई, कब से बैठे हो? किसका इंतजार है? पटवारी-तहसीलदार या फिर किसी दलाल का...।'

नयाराम बोला, 'अरे भाई तहसीलदार, पटवारी दोनों की बाट देख रहा हूं। लेकिन देखो, आधा दिन से ऊपर हो गया है, अब तक किसी के दर्शन नहीं हुए। इतनी भी बारिश नहीं हो रही है कि तहसील ना आएं। सरकारी अधिकारी होकर कोई जिम्मेदारी नाम की भी चीज होती है, जनता जाए भाड़ में।' चाय वाला हल्की मुस्कान के साथ बोला, 'अरे भाई, यहां तो ऐसा ही चलता है। लगता है तुम्हें तहसील में काम-काज का ढंग पता नहीं है। यहां सीधे-सीधे काम करवाना श्रीहरि के दर्शन प्राप्त करने जैसा है भाई।'

नयाराम ने चाय वाले को अपना काम बताया कि पिता की मृत्यु के बाद पुश्तैनी जमीन का नामांतरण होना है। इस काम के लिए तहसीलदार, पटवारी से मिलने के लिए चक्कर पर चक्कर लगा रहा है। चायवाला नयाराम को एक और चाय देते हुए बोला, 'पहले शांति से यह चाय पी लो, फिर मैं तुम्हें बताता हूं तुम्हारा काम कैसे होगा।'

नयाराम ने चाय पीने के बाद एक और बीड़ी जला ली। इस बार उसने चाय वाले की ओर भी बीड़ी का बंडल बढ़ाया। चाय वाले ने भी उसमे से एक बीड़ी निकालकर जला ली। बीड़ी पीते हुए वह बोला, 'देखो भाई, आज का दिन तो तुम्हारा गया। अब साहब का आना मुश्किल है। लगता है साहब आज क्षेत्र के दौरे पर लंबे निकल गए हैं। तुम कल जल्दी आ जाना। मैं तुमको एक व्यक्ति से मिलवा दूंगा। वह तुम्हारा सारा काम बहुत आसानी से करवा देगा। बस तुम्हें थोड़ा खर्चा-वर्चा करना होगा।'

नयाराम पहले चौंका फिर उदास स्वर में बोला, 'लेकिन भाई कितना खर्चा होगा?'

चायवाला आहिस्ता से बोला, 'अरे, डरो मत। ज्यादा खर्चा नहीं होगा, तुम्हारा काम कम में ही हो जाएगा।'

नयाराम सोच में पड़ गया।

नयाराम की भाव-भंगिमा देखकर चाय वाला बोला, 'ज्यादा विचार मत करो, कल आराम से आओ, फिर बात करते हैं। अब गांव वापस जाओ, बारिश और ज्यादा हो सकती है। इस बार भादो अच्छा बरस रहा है।'

नयाराम एक नई उम्मीद के साथ अपने गांव को चलने के लिए उठा। उसने चाय वाले को चाय के लिए पचास का नोट दिया। चायवाला बोला, 'अरे भाई, कल करते हैं सारा हिसाब, आज रख लो यह नोट। अपने बच्चों के लिए बाजार से कुछ खाने की चीज ले जाना।'

नयाराम ने एक ओर बीड़ी जलाई और बोला, 'कल आता हूं।' फिर चाय वाले को राम-राम करके गांव जाने के लिए बाजार की ओर बढ़ गया। आज तहसील में उसका सारा दिन बेकार हो चुका था। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

गहन जीवनदृष्टि से उपजी कहानियां

अगर देखने की गहन दृष्टि हो तो रोजमर्रा के जीवन में हमारे आस-पास तमाम ऐसी घटनाएं और किरदार मिल जाएंगे, जिनसे कहानी की रचना की जा सकती है। वरिष्ठ कथाकार हरि भटनागर को इस कला में दक्षता हासिल है। इस बात की तस्दीक करती हैं कुछ समय पूर्व छपकर आए उनके कहानी संग्रह 'आपत्ति' की कहानियां। इस संग्रह में कुल जमा बारह कहानियां संकलित हैं। हर कहानी की भावभूमि और कथावस्तु, हमें जीवन के अनछुए या कहें कि प्रायः उपेक्षित किए जाने वाली छवियों से रूबरू कराती है। संग्रह की छोटी सी कहानी है 'मोहम्मद', जिसमें कथाकार ने यह दिखाने का प्रयास किया है कि असहिष्णुता किस तरह से व्यक्ति की चेतना और संवेदना को नष्ट कर देती है। शीर्षक कहानी 'आपत्ति' अपनी तरह की अनोखी कहानी है, जिसमें एक सुअरिया की गतिविधियों और भाव भंगिमाओं से उसके मनोविज्ञान का विश्लेषण लेखक ने किया है। संग्रह की अन्य कहानियों में कहीं वे घर के आस-पास विचरते पक्षियों, जानवरों पर कहानी बुन लेते हैं तो कहीं वे दरवाजे पर लटकते ताले के इर्द-गिर्द भी कहानी गढ़ लेते हैं। कह सकते हैं कि इस संग्रह की कहानियों को पढ़ते हुए यह साबित होता है कि जहां कहानी जन्म लेने की संभावना बिल्कुल नजर नहीं आती, वहां भी लेखक ने कहानी को रचा और पूरी कसावट के साथ बुना है। *

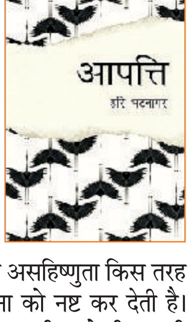

पुस्तक: आपत्ति (कहानी संग्रह), **लेखक:** हरि भटनागर, **मूल्य:** 265 रुपए, **प्रकाशक:** राजपाल एंड संस, दिल्ली

यूरोप के कई बड़े हवाई अड्डों पर शनिवार को साइबर हमले की वजह से अफरातफरी मच गई। रिपोर्ट के मुताबिक साइबर हमला करते हुए कई एयरपोर्ट पर चेक-इन और बोर्डिंग सिस्टम को ठप कर दिया गया है, जिससे दर्जनों हवाई अड्डों पर यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ।

लंदन, बर्लिन, ब्रसेल्स समेत यूरोप के कई एयरपोर्ट्स पर साइबर अटैक

टेक्निकल ब्लैकआउट, हवाई यातायात ठप, दर्जनों फ्लाइट रद्द, थर्ड-पार्टी सर्विस प्रोवाइडर के सिस्टम को बनाया गया निशाना

एजेंसी ▶▶| लंदन

समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, एक तृतीय-पक्ष सेवा प्रदाता को निशाना बनाकर किए गए साइबर हमले ने लंदन के हीथ्रो, ब्रुसेल्स और बर्लिन सहित कई प्रमुख यूरोपीय हवाई अड्डों पर चेक-इन और बोर्डिंग सिस्टम ने काम करना बंद कर दिया है। इससे दर्जनों फ्लाइट को कैंसिल कर दिया गया है।

एयरपोर्ट पर ऑपरेशन बुरी तरह से प्रभावित : रिपोर्ट के मुकाबिक लंदन के हीथ्रो, ब्रुसेल्स और बर्लिन एयरपोर्ट सहित कई स्थानों पर यह दिक्कत देखने को मिली है। एयरपोर्ट अधिकारियों ने पुष्टि की कि हमले ने एक थर्ड-पार्टी सर्विस प्रोवाइडर के सिस्टम को निशाना बनाया गया है, जिससे एयरलाइंस को मैनुअल प्रोसेसिंग पर निर्भर होना पड़ा। इस साइबर हमले की वजह से एयरपोर्ट पर ऑपरेशन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है और यात्रियों को घंटों तक लंबी कतारों में खड़ा रहना पड़ा। ब्रुसेल्स एयरपोर्ट ने अपनी वेबसाइट पर बताया है कि इस हमले ने ऑटोमेटिक चेक-इन और बोर्डिंग सिस्टम को ठप कर दिया है, जिसके चलते बड़ी संख्या में उड़ानों में देरी हुई है और फ्लाइट कैंसिल करना पड़ा है।

यूरोप के कई एयरपोर्ट पर साइबर हमला

पोलिटिको की रिपोर्ट के मुताबिक हवाई अड्डे के प्रवक्ता एरियन गूसेंस ने कहा कि शनिवार सुबह 10:30 बजे तक, ब्रुसेल्स हवाई अड्डे से प्रस्थान करने वाली 10 उड़ानें रद्द कर दी गईं और 17 अन्य उड़ानें एक घंटे से ज्यादा देरी से चल रही थीं। लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे ने भी एक बयान जारी कर इस समस्या को एक तृतीय-पक्ष आपूर्तिकर्ता, कॉलिन्स एयरोस्पेस, में एक 'तकनीकी समस्या' को वजह बताया है। दुनिया भर में कई एयरलाइनों के लिए चेक-इन और बोर्डिंग सिस्टम प्रदान करने वाली इस कंपनी को एक तकनीकी समस्या का सामना करना पड़ रहा है, जिससे प्रस्थान करने वाले यात्रियों को देरी हो सकती है।

बर्लिन एयरपोर्ट के पोर्टल पर यात्रियों को चेतावनी

बर्लिन एयरपोर्ट ने भी अपने आधिकारिक पोर्टल पर यात्रियों को चेतावनी दी कि चेक-इन के दौरान उन्हें लंबे इंतजार का सामना करना पड़ सकता है। एयरपोर्ट ने यह भी बताया कि तकनीकी गड़बड़ी पूरे यूरोप में ऑपरेट करने वाले एक सर्विस प्रोवाइडर से जुड़ी है, और इसको जल्द दूर करने की कोशिश की जा रही है। वहीं, फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट ने राहत की खबर दी कि उसकी सेवाएं इस हमले से प्रभावित नहीं हुई हैं। ज्यूरिख एयरपोर्ट ने भी पुष्टि की कि उसका संचालन सामान्य रूप से चल रहा है और किसी साइबर अटैक का असर वहां नहीं देखा गया।

एमयूएसई सॉफ्टवेयर हुआ प्रभावित

वहीं, कॉलिन्स एयरोस्पेस के एक प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी को कुछ हवाई अड्डों पर उनके एमयूएसई सॉफ्टवेयर को प्रभावित करने वाली 'साइबर-संबंधी गड़बड़ी' के बारे में पता चला है। उन्होंने आगे कहा कि वे 'इस समस्या को हल करने और अपने ग्राहकों के लिए जल्द से जल्द पूरी कार्यक्षमता बहाल करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'यह प्रभाव इलेक्ट्रॉनिक ग्राहक चेक-इन और बैगेज ड्रॉप तक सीमित है और इसे मैन्युअल चेक-इन संचालन से कम किया जा सकता है।'

खबर संक्षेप

शक्ति को जिम्मेदारी से इस्तेमाल करें जज : सीजेआई

नई दिल्ली। चीफ जस्टिस (सीजेआई) बीआर गवई ने शनिवार को कहा कि जजों को अपनी शक्ति विनम्रता और जिम्मेदारी के साथ इस्तेमाल करनी चाहिए। सीजेआई दिल्ली में सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल (कैट) 2025 के 10वें अखिल भारतीय सम्मेलन में बोल रहे थे। इसमें देशभर से जजों और ट्रिब्यूनल सदस्यों ने हिस्सा लिया था। इस दौरान सीजेआई ने कहा, हमारे पास अपार शक्ति है लेकिन इसे सही जगह उपयोग करना जरूरी है। हमारे सामने आने वाले सभी वादियों को विश्वास होता है कि उन्हें न्याय मिलेगा, इसलिए हमारा निर्णय निष्पक्ष होना चाहिए। चीफ जस्टिस ने कहा कि उनके ये विचार आलोचना नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और सुधार का अवसर हैं, ताकि ट्रिब्यूनल और न्याय व्यवस्था और मजबूत हो सके। सीजेआई ने कहा कि ज्यूडिशियल ऑफिसर्स के आचरण गंभीर चिंता का विषय है।

छिंदवाड़ा में दर्दनाक हादसा चार साधुओं की मौत

छिंदवाड़ा। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में शुक्रवार शाम एक बड़ा हादसा हो गया। बैतूल बालाजीपुरम से दर्शन कर लौट रहे सात साधुओं की बोलेरो गाड़ी का अचानक टायर फट गया। गाड़ी अनियंत्रित होकर टेमनी गांव के पास सड़क किनारे बने एक कच्चे कुएं में जा गिरी. बोलेरो में कुल 7 साधु सवार थे, जिनमें चार की मौत हो गई। टायर फटने की घटना और गाड़ी के अनियंत्रित होते ही तीन साधु समय रहते कूदकर अपनी जान बचाने में सफल रहे। हालांकि ये तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए और फिलहाल जिला अस्पताल छिंदवाड़ा में इलाज चल रहा है। घायल साधु शिवपूजन गिरी ने बताया कि वे सभी चित्रकूट से आए थे और बालाजीपुरम दर्शन कर लौट रहे थे। हादसे के तुरंत बाद पुलिस, प्रशासन और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानून व्यवस्था और महिला सुरक्षा को लेकर बड़ा बयान दिया। बरेली में हाल ही में अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर पर हुई फायरिंग की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अपराधियों को अब यूपी में कोई जगह नहीं मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक अपराधी मारीच बनकर आया था, लेकिन जब पुलिस की गोली से घायल हुआ तो चिल्लाने लगा कि गलती हो गई, जो मैं उत्तर प्रदेश में आ गया। यही अंजाम हर उस अपराधी का होगा, जो कानून तोड़ने का प्रयास करेगा। योगी ने साफ शब्दों में कहा कि प्रदेश सरकार अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है और जो भी महिला सुरक्षा या कानून व्यवस्था के खिलाफ काम करेगा, उसके खिलाफ सख्त एक्शन होगा।

गुजरात में बोले पीएम मोदी, 'समुद्र से समृद्धि' कार्यक्रम में लिया हिस्सा

भारत का सबसे बड़ा दुश्मन दूसरे देशों पर निर्भरता, चिप हो या शिप... देश में ही बने

एजेंसी ▶▶| भावनगर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज गुजरात के दौरे पर हैं। इस दौरान भावनगर में उन्होंने 34,200 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने 'समुद्र से समृद्धि' कार्यक्रम में हिस्सा लिया और जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 'भारत का सबसे बड़ा दुश्मन दूसरे देशों पर निर्भरता है।' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अब भारत जो भी लक्ष्य तय करता है, उसे समय से पहले पूरा करता है। सोलर क्षेत्र हो या पोर्ट सेक्टर, दोनों में तय लक्ष्य समय से पहले हासिल किए गए हैं। पोर्ट कनेक्टिविटी दोगुनी हो गई है और शिप अराउंड टाइम घटकर सिर्फ एक दिन रह गया है। नए पोर्ट भी तेजी से विकसित किए जा रहे हैं और 2047 तक दुनिया के समुद्री व्यापार में भारत की हिस्सेदारी तीन गुना बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है।

- हमारे पैसों से विदेशों में बनी हैं लाखों नौकरियां
- 6 लाख करोड़ रुपये हर साल किराए में दे देते हैं हम

विकसित भारत का रास्ता

दुनिया को भारत का सामर्थ्य दिखाना है। इसी दिशा में लोथल में दुनिया का सबसे बड़ा नेशनल मेरीटाइम म्यूजियम बनाया जा रहा है, जिसका मैं स्वयं निरीक्षण करने भी जा रहा हूं। विकसित भारत का रास्ता आत्मनिर्भर भारत से होकर ही गुजरता है। उन्होंने सभी देशवासियों से आग्रह किया कि हम जो भी खरीदें वह स्वदेशी हो और जो भी बेचें वह भी स्वदेशी हो, यही भारत की शक्ति है और यही भारत को आत्मनिर्भर बनाएगा।

कांग्रेस ने हर सामर्थ्य को नकारा

पीएम ने कहा, 'भारत में सामर्थ्य की कोई कमी नहीं है, लेकिन आजादी के बाद कांग्रेस ने हर सामर्थ्य को नकारा। लंबे समय तक कांग्रेस सरकार ने देश को लाइसेंस-कोटा राज में उलझाए रखा. जब ग्लोबलाइजेशन का समय आया तो देश को आयात तक सीमित कर दिया, जिससे भारी नुकसान हुआ. शिपिंग इंडस्ट्री इसका बड़ा उदाहरण है। कभी भारत का 40% इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट देश में बने जहाजों से होता था। लेकिन कांग्रेस की कुनीतियों का शिकार होकर शिपिंग सेक्टर बर्बाद हो गया। विदेशी जहाजों पर निर्भरता बढ़ाई गई और शिप बिल्डिंग बंद हो गया। नतीजा यह हुआ कि 50 साल पहले जहां 40% व्यापार भारत में बने जहाजों से होता था, वह घटकर केवल 5% रह गया। हमारे व्यापार के लिए हम विदेशी जहाजों पर निर्भर हो गए और उसका देश को बहुत बड़ा नुकसान हुआ.'

भारत को बनाएंगे सबसे बड़ी समुद्री शक्ति

2047 तक विकसित भारत बनने के लिए आत्मनिर्भर होना ही होगा, इसके अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं है। सभी देशवासियों का एक ही संकल्प होना चाहिए कि चाहे चिप हो या शिप, वह भारत में ही बने। इसी सोच के साथ वन नेशन, वन डॉक्यूमेंट और वन नेशन, वन पोर्ट प्रोसेस लागू किया जाना है। भारत को सबसे बड़ी समुद्री शक्ति बनाने के लिए तीन बड़ी योजनाओं पर काम चल रहा है और आने वाले वर्षों में इस पर 70 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च किए जाएंगे।'

पूर्व सरकारों ने शिपिंग इंडस्ट्री पर नहीं दिया ध्यान

पीएम मोदी ने कहा, 'देशवासी यह जानकर हैरान रह जाएंगे कि 75 बिलियन अमेरिकी डॉलर यानी करीब 6 लाख करोड़ रुपये हर साल विदेशी शिपिंग कंपनियों को किराए में दिए जाते हैं। यह रकम भारत के रक्षा क्षेत्र के बजट के बराबर है। हमारे पैसों से विदेशों में लाखों नौकरियां बनी हैं। अगर पूर्व सरकारों ने हमारे शिपिंग इंडस्ट्री पर ध्यान दिया होता तो आज दुनिया भारत में बने जहाजों से व्यापार कर रही होती और उसका सीधा लाभ हमारे देश को मिलता।

'वोट चोरी के हमारे पास प्रमाण बिना सबूत के कुछ नहीं कह रहा'

एजेंसी ▶▶| वायनाड

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को फिर से वोट चोरी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उनके पास एक 'हाइड्रोजन बम' सबूत है, जो पूरी सच्चाई को सामने लाएगा और साबित करेगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वोट चोरी कर सत्ता हासिल की। उन्होंने वायनाड में कहा, हम एक हाइड्रोजन बम लाने जा रहे हैं, जो स्थिति को पूरी तरह तहस-नहस कर देगा। हम जो कह रहे हैं, उसके हमारे पास स्पष्ट प्रमाण हैं। मैं बिना सबूत के कुछ नहीं कह रहा हूं। हमारे पास सौ फीसदी जानकारी है कि जो कुछ हुआ है, वह सामने आने वाला है। उन्होंने अपने पिछली दो प्रेस कॉन्फ्रेंस का जिक्र करते हुए कहा, हमने महादेवपुरा और आलंद में मतदाता की गलत तरीके से जोड़ी और हटाई गई जानकारी दिखाई है। हम इसे इस तरह दिखाएंगे कि भारत में कोई भी यह शक नहीं करेगा कि नरेंद्र मोदी ने वोट चोरी कर चुनाव जीता है। राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयोग (सीईसी) ज्ञानेश कुमार पर 'वोट चोरों की रक्षा' करने का आरोप लगाया और कहा कि कर्नाटक के आलंद विधानसभा क्षेत्र से छह हजार मतदाताओं के नाम हटाने की जांच चुनाव आयोग के प्रमुख के खिलाफ एक स्पष्ट आरोप है।'लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने वालों की सीईसी ने की रक्षा'18 सितंबर को राहुल गांधी ने नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में ज्ञानेश कुमार पर भारत के लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने वालों का बचाव करने का आरोप लगाया था। उन्होंने यह भी कहा कि 'हाइड्रोजन बम' अभी सामने आना बाकी है, लेकिन एक समूह विशेष रूप से अल्पसंख्यक वोटों को काट रहा है जो खासतौर पर कांग्रेस को वोट देते हैं। चुनाव आयोग ने जवाब में कहा कि कोई भी आम व्यक्ति ऑनलाइन मतदाताओं के नाम नहीं हटा सकता है।

- वायनाड में राहुल ने फिर दोहराया आरोप

'ज्ञानेश के खिलाफ चल रही सीआईडी जांच'

राहुल ने कहा, हमने कल प्रेस कॉन्फ्रेंस में काले और सफेद (ब्लैक एंड व्हाइट) में सबूत पेश किए। कर्नाटक में सीआईडी जांच चल रही है। सीआईडी ने वोट चोरी में इस्तेमाल फोन नंबरों की जानकारी मांगी है। ज्ञानेश कुमार ही वह सीईसी हैं, जिनकी कर्नाटक सीआईडी जांच कर रही है। इससे बड़ा आरोप चुनाव आयोग के प्रमुख पर नहीं हो सकता। यह मेरा बयान नहीं, बल्कि तथ्य है।

जाली काटी, पांच दरवाजे पार किए, हाई सिक्योरिटी सेंट्रल जेल से दो कैदी फरार

एजेंसी ▶▶| जयपुर

राजस्थान के जयपुर से सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां हाई सिक्योरिटी सेंट्रल जेल से बीती रात दो कैदी फरार हो गए। इससे पूरे महकमे में हड़कंप मच गया। इस घटना के बाद जेल प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की जांच-पड़ताल में जुटी है।

- जयपुर की घटना, सोते रहे जेलकर्मी

जानकारी के अनुसार, फरार कैदियों की पहचान अनस और नवल किशोर के रूप में हुई है। अनस को सांगानेर थाने और नवल किशोर को मालपुरा गेट थाने से हाल ही में जयपुर सेंट्रल जेल लाया गया था। दोनों 13 नंबर बैरक में बंद थे।

सो रहे थे ड्यूटी पर मौजूद जेलकर्मी

घटना के समय जेलकर्मी ड्यूटी पर मौजूद थे, लेकिन सभी सो रहे थे। इसी का फायदा उठाकर कैदियों ने बड़ी आसानी से जेल तोड़ दी. घटना की जानकारी मिलते ही जेल और पुलिस के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। एडीजी जेल रूपेंद्र सिंह ने कहा कि पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है। लापरवाह जेलकर्मियों की जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई होगी। वहीं, फरार कैदियों की तलाश के लिए पुलिस की कई टीमें गठित की गई हैं। आसपास के इलाकों में सर्च ऑपरेशन जारी है। यह घटना हाई सिक्योरिटी जेल की सुरक्षा पर बड़ा सवाल खड़ा करती है।

सबसे हैरान करने वाली बात

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों ने बैरक की खिड़की की जाली काटी और फिर पांच सुरक्षित दरवाजों से होते हुए तीन बैरिकेड्स पार किए। इसके बाद वे मुलाकात स्थल तक पहुंचे, जहां से पानी का ग्रीन पाइप बाहर फेंका और उसी के सहारे जेल की ऊंची दीवार फांदकर भाग निकले. सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि कैदियों को जेल के भीतर जाली काटने का औजार और पाइप कैसे मिला।

दिल्ली जलभराव : 57 हजार करोड़ का मास्टर प्लान पेश

नई दिल्ली। दिल्ली में बरसात के दौरान होने वाले जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान निकालने के लिए सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। 50 साल बाद राजधानी के लिए नया ड्रेनेज मास्टर प्लान तैयार कि जिसकी अनुमानित लागत 57 हजार करोड़ रुपये है।

बिहार में महागठबंधन का सीएम फेस तेजस्वी ही होंगे

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर एनडीए एक बार फिर नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाने की घोषणा कर मैदान में उतर चुका है। खुद प्रधानमंत्री मोदी भी बिहार की जनसभा में इसका ऐलान कर चुके हैं। उधर, महागठबंधन में अभी तक सीएम फेस की घोषणा नहीं की है। हाल ही में एक चैनल को दिए इंटरव्यू में तेजस्वी यादव ने इशारों-इशारों में खुद को सीएम फेस के लिए सही विकल्प बताया है। अब कांग्रेस सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह ने भी इस पर मुहर लगा दी है।दरअसल कांग्रेस सांसद सिंह का कहना है कि महागठबंधन की तरफ से तेजस्वी यादव ही सीएम फेस का चेहरा होंगे, क्योंकि इसके अलावा महागठबंधन के पास कोई दूसरा विकल्प नहीं है।

बिना सीएम फेस के चुनाव में नहीं जाएंगे

तेजस्वी यादव ने हाल ही में एक इंटरव्यू दिया है। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम बिना सीएम फेस के चुनाव में नहीं जाएंगे। महागठबंधन में इसे लेकर बात हो चुकी है। सीएम के फेस के लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा। बिहार की जनता मालिक है। जनता मुख्यमंत्री बनाने वाली है। 5 से 10 दिन में सीट शेयरिंग हो जाएगी। इसके बाद सीएम फेस का ऐलान हो जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि अभी हमारा ध्यान अधिकार यात्रा पर है। ये यात्रा नौजवानों की यात्रा है। जिससे प्रदेश में निवेश में आए, फैक्ट्री लगे ये उसकी यात्रा है। प्रदेश में गरीबी हटे, पलायन रुके ये इसकी भी यात्रा है। ये यात्रा जनता के लिए और प्रदेश को बेहतर बनाने के लिए है। जिससे यहां युवाओं को प्रदेश में ही रोजगार मिल सके।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

सिगनलिंग कार्य हेतु निविदा सूचना

ई-निविदा संख्या:204-एसएनटी-परियोजना-निविदा-2025, दिनांक: 06.09.2025. **कार्य का नाम:** दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर डिवीजन के घुटकू–तेंगनमाडा सेक्शन में घुटकू–कलमीटार–करगी रोड–सलकारोड–बेलगहना–टेगनमाडा सेक्शन में इलेक्ट्रानिक इंटरलॉकिंग (ओएफसी आधारित) के साथ ऑटो सिग्नलिंग का प्रावधान जिसमे मौजूदा इलेक्ट्रानिक इंटरलॉकिंग में परिवर्तन/ संशोधन एवं नए इलेक्ट्रानिक इंटरलॉकिंग, एमएसडीएसी एवम आईपीएस आदि की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण, कमीशनिंग, सभी इनडोर और आउटडोर कार्यो का निष्पादन, हट्स का निर्माण तथा विद्युतीकरण आदि सम्मिलित है। **निविदा मूल्य:** ₹ 45,09,78,236.00 (₹ पैंतालीस करोड़ नौ लाख अठहत्तर हजार दो सौ छत्तीस मात्र)। **बिड सिक्युरिटी (अमानत राशि):** ₹ 24,04,900/- (₹ चौबीस लाख चार हजार नौ सौ मात्र)।

निविदा बंद होने की तिथि: 13.10.2025 को 12:00 बजे तक।

विस्तृत जानकारी/निविदा दस्तावेज का विक्रय, पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण, ई–निविदा दस्तावेज जो हमारी वेबसाइट **http:// www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है, उससे देख सकते है।

उप मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजी./ (परि.-II)बिलासपुर

सीपीआर/10/326

South East Central Railway @secrail

न्यायालय अतिरिक्त कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी, बिलासपुर (छ.ग.)

-: विवाह सूचना का प्रकाशन:-

क्रमांक क/ /वाचक/अति–कले./2025

बिलासपुर, दिनांक 15.09.2025

श्री कुबेर कुमार आत्मज स्व. केशरी नारिया (माता श्रीमती पुष्पा) उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम जंगल कालोनी एस.ई.सी.एल. कोरबा थाना मानिकपुर तहसील व जिला कोरबा (छ.ग.) एवं कुमारी आयुषी आदिले आत्मजा श्री रविशंकर आदिले उम्र 28 वर्ष निवासी कारगिल चौक, सिंधी कालोनी, रवि नगर बिलासपुर थाना सिविल लाईन तहसील व जिला बिलासपुर छ.ग.

द्वारा विशेष विवाह अधिनियम–1954 की धारा–5 के तहत सूचना पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः प्राप्त सूचना का प्रकाशन सर्व साधारण के लिए दैनिक समाचार पत्र में किया जाता है। इस विवाह के संबंध में यदि कोई आपत्ति या दावा हो तो अपनी आपत्ति/ दावा इस कार्यालय में दिनांक 23.10.2025 को प्रातः 11:00 बजे प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि पश्चात प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार करना संभव नहीं होगा।

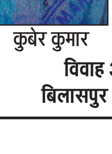
कुबेर कुमार

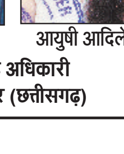
आयुषी आदिले

विवाह अधिकारी
बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

आम सूचना

मै अपने पक्षकार श्रीमती कविता पैकरा पिता श्री मोतीलाल पैकरा निवासी बिलासपुर तहसील बिलासपुर जिला बिलासपुर के द्वारा अधिकृत व निर्दिष्ट होकर यह आम सूचना प्रकाशित करता हू यह कि ग्राम कुनकुनी रा.नि.मं. खरसिया तहसील खरसिया जिला रायगढ़ (छ.ग.) जो कि समस्त राजस्व अभिलेखों में (1) प्रदीप कुमार राठिया पिता भीमाधर राठिया के नाम पर दर्ज है जिसका खसरा 341/4 कुल रकबा 0.1500 हेक्टेयर को बेचने का सौदा मेरे पक्षकार द्वारा दिनांक 15.09.2025 को किया गया है तथा प्रतिफल की राशि आंशिक रूप से प्राप्त कर ली गई है निकट भविष्य में मेरे पक्षकार के नाम व उसके बताये नाम के अनुसार विक्रय विलेख कय लिया जायेगा।

अतः उक्त भूमि के संबंध में किसी व्यक्ति संस्था बैंक शासकीय /अर्द्धशासकीय कार्यालय या अन्य किसी को कोई दावा आपत्ति हो तो आम सूचना के प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर मय दस्तावेज सहित उपस्थित होकर मेरे कार्यालय में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। तथा इसके बाद की गयी किसी भी प्रकार की कोई भी दावा आपत्ति मान्य नही होगी/तथा पंजीयन करा लिया जायेगा।

दिनांक 18.09.2025

स्थान–पत्थलगांव

अधिवक्ता–सागर साय पैंकरा

पता–पत्थलगांव जिला–जशपुर (छ.ग.)

मो.नं. 9039826434,9755720556

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर

INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY KHARAGPUR

विज्ञापन सं.: R/08/2025 दिनांक सितंबर 09, 2025

संस्थान डॉ. बी. सी. रॉय मल्टी स्पेशियलिटी मेडिकल रिसर्च सेंटर के लिए निम्नलिखित पदों के लिए भारतीय नागरिकों, पीआईओ, ओसीआई से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करता।

1. प्रोफेसर (प्रैक्टिस) 2. एसोसिएट प्रोफेसर (प्रैक्टिस)
3. असिस्टेंट प्रोफेसर (प्रैक्टिस) 4. सीनियर रेजिडेंट

विस्तृत विवरण एवं अद्यतन जानकारी के लिए देखें: www.iitkgp.ac.in

ई–मेल के माध्यम से आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि: 03.10.2025

CBC 21255/12/0013/2526 कुलसचिव / Registrar

न्यायालय कलेक्टर, जिला-सरगुजा (अम्बिकापुर) छत्तीसगढ़

रा०प्र०क्र० 94/ब-121/2023-2024

- ईश्तहार/सूचना पत्र -

आवेदक **छ.ग. राज्य ग्रामीण बैंक, शाखा अम्बिकापुर** द्वारा बैंक के प्राधिकृत अधिकारी **श्री गोविन्द विश्वकर्मा आ० श्री शिवचरण विश्वकर्मा**, निवासी- ग्रामीण बैंक क्षेत्रीय कार्यालय अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा द्वारा आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 14 वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुर्नगठन व प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के तहत प्रस्तुत किया गया है। वर्तमान में उक्त प्रकरण अनावेदक (1) **श्रीमती स्नेह सिंह पिता प्रहलाद सिंह**, पता- ग्राउंड फ्लोर C/O सौरभ भारती रामनिवास कॉलोनी, राजमोहिनी देवी वार्ड अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा छ०ग० के इस न्यायालय में उपस्थिति के लिये प्रकरण **दिनांक 25.09.2025** को नियत है।

अतः अनावेदक को सूचित किया जाता है कि वे स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से नियत तिथि **दिनांक 25.09.2025** को इस न्यायालय में दिन के **12:00 बजे** अनिवार्य रूप से उपस्थित होवें। नियत तिथि एवं समय पर उपस्थित नहीं होने पर अनावेदक के विरूद्ध प्रकरण में एकपक्षीय कार्यवाही कर अग्रिम कार्यवाही किया जावेगा।

आज **दिनांक** 19/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

(कलेक्टर सरगुजा द्वारा आदेशित)

प्रभारी अधिकारी
कलेक्टर वाचक शाखा

सी एस पी जी सी एल CSPGCL

CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION COMPANY LIMITED
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking)

No. 03-05/2x660 MW/561 Raipur, Dtd.-18 SEP 2025

E-TENDER NOTICE NO. T-05/2025

Online bids are invited by the undersigned through CSPCL e-bidding system (SAP SRM) from experienced & reputed firm/party/contractor, for providing consultancy work as mentioned below : -

S. N.	Tender No. / Rfx No.	Particulars	Online Tender fee (Rs.)	Online E.M.D. (Rs.)	Last date & time of bid submission	Bid opening date (EMD, Tech-Bid)
1.	T-05/2025 dtd. 18.09.2025 / 8100046286	Invitation of Open Tender for Consultancy Services to obtain recommendations of the Expert Appraisal Committee, MoEF&CC on the applicability of Sulphur dioxide emission standards in line with the MoEF&CC Notification dated 11.07.2025 for upcoming 2X660 MW Super Critical Thermal Power Project at HTPS Korba West under Category "B" project	Rs. 590/- (Rs.500/- +GST @18%)	8,500/-	10.10.2025 at 03.00 PM	10.10.2025 at 04.00 PM.

The other details of NIT can be viewed from our website **www.cspc.co.in** and the Tender Documents can be viewed and downloaded online from our e-bidding portal:- **https://ebidding.cspcl.co.in:50724/irj/portal** Any amendment/ corrigendum, if required, will be displayed on our website only.

"SAVE ELECTRICITY"

Addl Chief Engineer (Project)
O/o ED (Project), CSPGCL: Raipur

500 रुपये के निवेश से भी बना सकते हैं लाखों रुपये का फंड

सुझाव | बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेश कर रहे हैं या करना चाहते हैं तो निवेश की जल्द शुरूआत करें। आप कम पैसे से भी अच्छा खासा पैसा जोड़ सकते हैं। निवेश की सधे कदमों से शुरूआत करें, लक्ष्य तय करें और निवेश को बढ़ाते जाएं। इससे आप कुछ ही समय में अमीर बन जाएंगे और भविष्य में पैसे के लिए किसी का मुंह नहीं ताकना पड़ेगा। इन दिनों निवेश के कई ऑप्शन बाजार में मौजूद हैं। लेकिन आप कम पैसे से निवेश की शुरूआत करने जा रहे हैं तो आपके लिए म्यूचुअल फंड एसआईपी एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। यहां आप हर महीने थोड़ा-थोड़ा निवेश कर काफी अच्छा फंड जोड़ सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि 500 रुपये निवेश करके आप कितना फंड जोड़ सकते हैं और किस तरह से अपने पैसे को बढ़ा सकते हैं।

यह जानना जरूरी

हर व्यक्ति को अपनी मंथली सैलरी का कुछ हिस्सा बचाकर निवेश जरूर करना चाहिए। आपकी सैलरी चाहे कम हो या ज्यादा निवेश करना बहुत ही जरूरी होता है। आजकल लोग निवेश करने के लिए म्यूचुअल फंड एसआईपी को काफी पसंद कर रहे हैं। म्यूचुअल फंड एसआईपी की खास बात यह है कि यहां आप हर महीने थोड़ा थोड़ा निवेश कर काफी अच्छी फंड इकट्ठा कर सकते हैं। म्यूचुअल फंड एसआईपी के बारे में निवेश से पहले जान लिया जाना चाहिए। इससे आपको परेशानी नहीं होगी।

म्यूचुअल फंड एसआईपी में निवेश

म्यूचुअल फंड में आप एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं। यहां आपको हर महीने एक निश्चित रकम निवेश करनी होती है। खास बात यह है कि म्यूचुअल फंड एसआईपी में आप मात्र 250 रुपये से अपना निवेश शुरू कर सकते हैं और लंबे समय तक निवेश कर आप काफी अच्छा फंड इकट्ठा कर सकते हैं। आपके पास पैस बढ़ तो आप एसआईपी में निवेश बढ़ा भी सकते हैं। रिटर्न की बात करें तो म्यूचुअल फंड एसआईपी में औसतन 12 से 16 प्रतिशत की दर से रिटर्न मिलता है। हालांकि मार्केट के हिसाब से यह रिटर्न घट या बढ़ भी सकता है।

500 रु. की एसआईपी में रिटर्न

अगर आप हर महीने 500 रुपये म्यूचुअल फंड एसआईपी में निवेश करते हैं और आप ऐसा 25 सालों तक करते हैं, तो आप 25 साल में कुल 1.50 लाख रुपये निवेश करेंगे। 12 प्रतिशत के हिसाब से आपको कुल 8.51 लाख रुपये मिलेंगे। इसमें केवल 7.01 लाख रुपये आपके मुनाफे के होंगे। अगर आपके 15 प्रतिशत के हिसाब से रिटर्न मिलता है, तो आपको 25 साल बाद कुल 13.78 लाख रुपये मिलेंगे। इसमें 12.28 लाख रुपये आपको मुनाफे के होंगे।

टॉप-अप एसआईपी में रिटर्न

नॉर्मल एसआईपी के अलावा आप टॉप-अप एसआईपी के जरिए भी निवेश कर सकते हैं. यहां आपको हर साल अपने निवेश के 10 प्रतिशत की दर से बढ़ाना होता है। ऐसे में अगर आप टॉप-अप एसआईपी में 500 रुपये से अपना निवेश शुरू करते हैं और 25 सालों तक निवेश जारी रखते हैं, तो आप कुल 5.90 लाख रुपये निवेश करेंगे, जिसके बाद आपको कुल 19.67 लाख रुपये मिलेंगे, जिसमें केवल 13.77 लाख रुपये आपको मुनाफे के होंगे।

अनुभवी निवेशक डायरेक्ट प्लान से उठा सकते हैं ज्यादा फायदा

म्यूचुअल फंड के डायरेक्ट और रेगुलर प्लान में 3 बड़े अंतर, कहां करें निवेश

निवेश मंत्रा | बिजनेस डेस्क

निवेश में नए हैं तो रेगुलर प्लान लग सकता है काफी आसान सबसे बड़ा और अहम फर्क दोनों स्कीमों के खर्च यानी एक्सपेंस रेशियो में

अनुभवी निवेशक डायरेक्ट प्लान से ज्यादा फायदा उठा सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बता रहे कि डायरेक्ट और रेगुलर म्यूचुअल फंड में तीन बड़े अंतर क्या हैं और इनके फायदे-नुकसान क्या हैं। सबसे बड़ा और अहम फर्क दोनों स्कीमों के खर्च यानी एक्सपेंस रेशियो में होता है. डायरेक्ट म्यूचुअल फंड सीधे एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) से खरीदे जाते हैं।

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों के सामने अक्सर एक बड़ा सवाल खड़ा होता है कि उन्हें डायरेक्ट प्लान चुनना चाहिए या फिर रेगुलर प्लान। दोनों ही रास्ते एक ही स्कीम तक पहुंचाते हैं, लेकिन इनके बीच कुछ ऐसे फर्क हैं जो आपके रिटर्न और इनवेस्टमेंट से जुड़े तजुर्बे को काफी हद तक प्रभावित कर सकते हैं। अगर आप निवेश में नए हैं तो शायद रेगुलर प्लान आपको आसान लगे, वहीं अनुभवी निवेशक डायरेक्ट प्लान से ज्यादा फायदा उठा सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बता रहे कि डायरेक्ट और रेगुलर म्यूचुअल फंड में तीन बड़े अंतर क्या हैं और इनके फायदे-नुकसान क्या हैं।

खर्च और रिटर्न का फर्क

सबसे बड़ा और अहम फर्क दोनों स्कीमों के खर्च यानी एक्सपेंस रेशियो में होता है. डायरेक्ट म्यूचुअल फंड सीधे एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) से खरीदे जाते हैं। इनमें किसी बिचौलिये या ब्रोकरेज की जरूरत नहीं होती। यही वजह है कि डायरेक्ट प्लान का एक्सपेंस रेशियो कम रहता है। आम तौर पर यह 0.5% से 1% के बीच ही होता है। दूसरी तरफ रेगुलर म्यूचुअल फंड में डिस्ट्रीब्यूटर या ब्रोकर की फीस भी जुड़ जाती है। इस वजह से इनका एक्सपेंस रेशियो 1% से 2.5% तक जा सकता है। यह अंतर भले ही सुनने में छोटा लगे, लेकिन लंबे समय में कंपाउंडिंग की वजह से यह आपके रिटर्न को काफी कम कर देता है। यही कारण है कि डायरेक्ट प्लान लंबे समय में ज्यादा रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं, क्योंकि आपकी जेब से फीस और कमीशन पर कम पैसा कटता है।

निवेश करने और उसे मैनेज करने का तरीका

डायरेक्ट और रेगुलर म्यूचुअल फंड में अगला बड़ा फर्क इनमें निवेश करने और मैनेज करने के तरीके का फर्क है। डायरेक्ट प्लान आपको एएमसी की वेबसाइट, मोबाइल ऐप या कुछ ऑथराइज्ड प्लेटफॉर्म पर ही मिलते हैं. यहां निवेशक को इनवेस्टमेंट से जुड़े सारे ट्रांजैक्शन खुद ही संभालने पड़ते हैं।

रेगुलर प्लान में ये

रेगुलर प्लान में इन बातों की जिम्मेदारी काफी हद तक ब्रोकर या डिस्ट्रीब्यूटर संभालते हैं। वे न सिर्फ निवेश की प्रक्रिया से जुड़े पेपरवर्क और प्रोसेस को पूरा करना आसान बनाते हैं। इसलिए यह तरीका उन निवेशकों के लिए सुविधाजनक रहता है, जो नए हैं या इन चीजों के लिए समय नहीं निकाल पाते। हालांकि इस सुविधा के बदले आपको ज्यादा फीस चुकानी पड़ती है।

सलाहकार की भूमिका

तीसरा बड़ा अंतर इस बात से जुड़ा है कि आपको निवेश में कितनी सलाह और मदद चाहिए। अगर आप निवेश की दुनिया में नए हैं और म्यूचुअल फंड चुनने में कंफ्यूज हो जाते हैं, तो रेगुलर प्लान आपके लिए बेहतर हो सकता है। यहां आपको ब्रोकर या फाइनेंशियल एडवाइजर की सलाह मिलती है, जो आपकी जरूरत और रिस्क प्रोफाइल के हिसाब से स्कीम चुनने में मदद कर सकते हैं।

ऐसे समझना जरूरी

यह समझना जरूरी है कि डायरेक्ट और रेगुलर म्यूचुअल फंड एक ही स्कीम में निवेश करते हैं, फर्क सिर्फ इनके खर्च, मैनेजमेंट और निवेश से जुड़ी सुविधा में है। डायरेक्ट प्लान उन निवेशकों के लिए सही हैं जो कम लागत में बेहतर रिटर्न चाहते हैं और निवेश से जुड़ी प्रॉसेस को खुद संभाल सकते हैं। वहीं रेगुलर प्लान उन लोगों के लिए बेहतर हैं जिन्हें निवेश की प्रक्रिया को आसान रखना है और प्रोफेशनल सपोर्ट की जरूरत महसूस होती है।

म्यूचुअल फंड के डायरेक्ट और रेगुलर प्लान में अंतर

म्यूचुअल फंड डायरेक्ट

- **एक्सपेंस रेशियो** : कम, क्योंकि इसमें ब्रोकर/डिस्ट्रीब्यूटर का कमीशन नहीं जुड़ता।
- **रिटर्न** : लंबे समय में ज्यादा रिटर्न, खर्च कम होने के कारण
- **निवेश का तरीका** : सीधे एएमसी की वेबसाइट, ऐप या ऑथराइज्ड प्लेटफॉर्म से
- **निवेश का मैनेजमेंट** : निवेशक को खुद रिसर्च और मैनेजमेंट करना होता है
- **किसके लिए बेहतर** : अनुभवी निवेशकों के लिए

प्लान म्यूचुअल फंड रेगुलर प्लान

- **एक्सपेंस रेशियो** : ज्यादा, क्योंकि इसमें कमीशन शामिल होता है
- रिटर्न थोड़ा कम, क्योंकि फीस और कमीशन कटता है
- **निवेश का तरीका** : ब्रोकर या डिस्ट्रीब्यूटर के जरिए

सुरक्षित तरीके से बनाएं लाखों का फंड, एफडी में जरूर करें निवेश

एफडी में पैसे लगाना निवेश का सबसे आसान तरीका, एफडी में निवेश कर आप काफी अच्छा रिटर्न पा सकते

रिटायरमेंट तक लाखों का फंड भी जोड़ सकते हैं

जानकारी | बिजनेस डेस्क

एफडी में पैसों को निवेश करने पर पैसों के खो जाने का कोई डर नहीं होता है। ऐसे में सुरक्षित निवेश के लिए एफडी बेस्ट ऑप्शन है। इसमें कोई भी निवेश कर सकता है और अपने लिए फंड जोड़ सकता है।

फिक्स्ड डिपॉजिट यानी एफडी के बारे में तो आप जानते ही होंगे। एफडी हमेशा से ही पैसों को निवेश करने के लिए लोगों के बीच लोकप्रिय है और सुरक्षित तरीका होता है। फिक्स्ड डिपॉजिट यानी एफडी में निवेशकों को एक निश्चित अवधि के लिए अपना पैसा निवेश करना होता है। इस अवधि के दौरान निवेशकों को एक फिक्स्ड ब्याज दर से रिटर्न मिलता है। ऐसे में अगर आप भी अपने पैसों को निवेश करना चाहते हैं, तो आपको एफडी में अपने पैसों को जरूर निवेश करना चाहिए एफडी में लंबे समय तक निवेश करके आप लाखों रुपये का मुनाफा कमा सकते हैं। एफडी में भले की ब्याज कुछ मिलता है लेकिन पैसों का कोई खतरा नहीं होता। आप थोड़ा थोड़ा करके आसानी से अच्छा पैसा जोड़ सकते हैं जो बुढ़ापे में या आपके बच्चों की पढ़ाई में या फिर उनकी शादी के समय में आपके काफी काम आ सकता है। अगर आपने अभी तक किसी भी एफडी में अपने पैसों का निवेश नहीं किया है, तो आज हम आपको एफडी में निवेश करने के कई फायदों के बारे में बताने वाले हैं, जिन्हें जानकर आप एफडी में निवेश जरूर करेंगे।

एफडी में निश्चित रिटर्न

एफडी में मिलने वाला रिटर्न पहले से ही फिक्स्ड होता है। ऐसे में आप मिलने वाले रिटर्न के हिसाब से अपनी आगे की प्लानिंग कर सकते हैं। एफडी का रिटर्न निवेश करने के बाद कम या ज्यादा नहीं होता है और आपके पैसे के खोने का डर भी नहीं लगता। इसे समय से पहले भी जरूरत पड़ने पर भुनाया जा सकता है।

एफडी में अच्छा रिटर्न

एफडी में सुरक्षित और निश्चित रिटर्न के साथ साथ अच्छा रिटर्न भी मिलता है। कई बैंक अपनी एफडी पर काफी अच्छा रिटर्न देते हैं। इसके अलावा एनबीएफसी की एफडी में आप 9 प्रतिशत की दर से भी रिटर्न पा सकते हैं। इतना ही नहीं सीनियर सिटीजन को एफडी में अधिक ब्याज का लाभ मिलता है। आप अपने माता-पिता के नाम पर भी एफडी करवा सकते हैं और अधिक रिटर्न पा सकते हैं।

छोटी से लेकर लंबी अवधि

एफडी में आप छोटी से लेकर लंबी अवधि के लिए निवेश कर सकते हैं। इसमें आप 7 दिन से लेकर 10 साल तक की अवधि के लिए निवेश कर सकते हैं। खास बात यह कि एफडी का समय पूरा होते ही पैसा अपने आप आपके खाते में आ जाता है। कई बैंक और फाइनेंशियल कंपनियां एफडी पर लोन की सुविधा भी देती हैं। ऐसे में निवेशक मुश्किल समय में पैसों का इंतजाम भी कर सकते हैं।

एफडी में टैक्स छूट

एफडी में निवेश करके टैक्स छूट का लाभ ले सकते हैं। यह छूट इनकम टैक्स के सेक्शन 80सी के तहत मिलती है, जिसके तहत आप 5 साल की टैक्स सेविंग एफडी में निवेश कर 1.50 लाख रुपये तक की टैक्स छूट पास सकते हैं।

स्मॉल फाइनेंस बैंकों में एफडी दरें

- सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक : 1 साल की एफडी पर 7.50% तक ब्याज देता है, जबकि 3 साल की एफडी पर 8.00% और 5 साल की एफडी पर 8.20% तक ब्याज मिलता है।
- जना स्मॉल फाइनेंस बैंक : 1 साल की एफडी पर 7.25% से 8.00%, जबकि 3 साल की एफडी पर 8.20% तक ब्याज मिलता है।
- उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक : 1 साल की एफडी पर 6.00% से 8.50% तक ब्याज देता है, जबकि वरिष्ठ नागरिकों को 9.10% तक ब्याज मिलता है।

प्राइवेट बैंकों में एफडी दरें

- आरबीएल बैंक: 1 साल की एफडी पर 7.00% से 7.20% तक ब्याज देता है।
- यस बैंक: 1 साल में 6.75% से 7.00% ब्याज
- इंडसइंड बैंक: 1 साल की एफडी पर 6.75% से 7.00% तक ब्याज देता है।
- आईसीआईसीआई बैंक: 1 साल की एफडी पर 6.50% तक ब्याज देता है।

सरकारी बैंकों में एफडी दरें

- बैंक ऑफ बड़ौदा: 1 साल की एफडी पर 6.60% तक ब्याज देता है।
- पंजाब नेशनल बैंक: 1 साल की एफडी पर 6.60% तक ब्याज देता है।
- यूनियन बैंक ऑफ इंडिया: 1 साल की एफडी पर 6.60% तक ब्याज देता है।
- एसबीआई : 1 साल की एफडी पर 6.45% तक ब्याज देता है।

हाइएस्ट एसेट वाले 5 लार्जकैप फंड्स ने 25% तक दिया सालाना रिटर्न

बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों के लिए लार्ज कैप फंड्स को स्मॉल कैप या मिड कैप की तुलना में ज्यादा सुरक्षित और भरोसेमंद ऑप्शन माना जाता हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि लार्ज कैप फंड देश की टॉप और मजबूत कंपनियों में निवेश करते हैं, जिसकी वजह से लंबे समय में इनका रिस्क थोड़ा कम रहता है और स्टेबल रिटर्न मिलने की उम्मीद भी रहती है। एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) के लिहाज से इस वक्त देश के टॉप 5 लार्ज कैप फंड्स में एसबीआई म्यूचुअल फंड, एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, आईसीआईसीआई प्रू, निप्पॉन इंडिया और मिरे एसेट की स्कीम्स शामिल हैं। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स ऑफ इंडिया (एएमएफआई) के 12 सितंबर 2025 तक अपडेटेड आंकड़ों के मुताबिक इन फंड्स ने पिछले 5 सालों में 18% से 25% तक एनुअल रिटर्न दिया है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज कैप फंड

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज कैप फंड इस समय सबसे ज्यादा एसेट वाला लार्ज कैप फंड है। इसका एयूएम करीब 73,731 करोड़ रुपये है। पिछले 5 साल में इस फंड ने डायरेक्ट प्लान से 22.32% और रेगुलर प्लान से 21.60% का सालाना रिटर्न दिया है. खर्च के मामले में इसका एक्सपेंस रेशियो डायरेक्ट प्लान में 0.86% और रेगुलर प्लान में 1.42% है। लगातार मजबूत परफॉर्मेंस ने इसे निवेशकों के बीच लोकप्रिय बना दिया है।

एसबीआई लार्ज कैप फंड

एसबीआई लार्ज कैप फंड का एयूएम 53,887 करोड़ रुपये है. इस फंड ने पिछले 5 सालों में डायरेक्ट प्लान से 19.93% और रेगुलर प्लान से 19.07% सालाना रिटर्न दिया है. इसका एक्सपेंस रेशियो डायरेक्ट प्लान में 0.81% और रेगुलर प्लान में 1.49% है।

निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड

निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड का एयूएम 46,628 करोड़ रुपये है. पिछले परफॉर्मेंस के मामले में यह सबसे आगे रहा है. पिछले 5 साल में इस फंड के डायरेक्ट प्लान ने 25.55% और रेगुलर प्लान ने 24.50% की दर से सालाना रिटर्न दिया है। एक्सपेंस रेशियो डायरेक्ट प्लान में 0.69% और रेगुलर प्लान में 1.51% है। हाई रिटर्न की वजह से यह फंड निवेशकों के बीच काफी पॉपुलर बना हुआ है।

मिरे एसेट लार्ज कैप फंड

मिरे एसेट लार्ज कैप फंड का एयूएम 40,510 करोड़ रुपये है। इस फंड का 5 साल का सालाना रिटर्न डायरेक्ट प्लान में 18.06% और रेगुलर प्लान में 16.87% रहा है। खर्च की बात करें तो इसका एक्सपेंस रेशियो डायरेक्ट प्लान में 0.55% और रेगुलर प्लान में 1.52% है. डायरेक्ट प्लान का लो एक्सपेंस रेशियो इसकी खास बात है।

एचडीएफसी लार्ज कैप फंड

एचडीएफसी लार्ज कैप फंड का एयूएम 38,689 करोड़ रुपये है। पिछले 5 साल में इस फंड के डायरेक्ट प्लान ने 21.87% और रेगुलर प्लान ने 21.15% के हिसाब से सालाना रिटर्न दिया है। इस फंड का एक्सपेंस रेशियो डायरेक्ट प्लान में 0.99% और रेगुलर प्लान में 1.60% है। मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड और भरोसेमंद ब्रांड वैल्यू की वजह से यह फंड निवेशकों के बीच लोकप्रिय बना हुआ है।

दिवाली पर सोना चमका सकता है किस्मत, कर सकते हैं निवेश

सुझाव | बिजनेस डेस्क

इस दिवाली पर आप भी अपनी किस्मत चमका सकते हैं, लेकिन आपको अपना लक्ष्य लेकर चलना होगा। पहले यह देखें कि निवेश के लिए क्या सही है। हालांकि वर्ष 2010 से अब तक देखा जाए तो सोने ने सबसे अधिक रिटर्न दिया है। 2010 से दिवाली-दर-दिवाली रिटर्न के मामले में सोना, निफ्टी से कहीं आगे रहा है। इस अवधि में किया गया 10,000 रुपये प्रति वर्ष का निवेश 4.47 लाख रुपये में बदल गया। वहीं, इस अवधि में निफ्टी 50 का रिटर्न 3.72 लाख रुपये रहा है। पिछले वर्ष के दौरान सोने के बेहतर प्रदर्शन ने सभी निवेशकों को आश्चर्यचकित कर दिया है, जबकि दलाल स्ट्रीट के कमजोर प्रदर्शन ने निवेशकों का सेंटीमेंट कमजोर कर दिया है और इक्विटी मार्केट के शॉर्ट आउटलुक को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, त्यौहारी सीजन के करीब आने के साथ ही मनीकंट्रोल ने 2010 से हर दिवाली पर सोने और इक्विटी के रिटर्न का विश्लेषण किया है।

2010 से दिवाली दर दिवाली रिटर्न के मामले में सोना, निफ्टी से आगे रहा

2010 से अब तक 10,000 रुपये प्रति वर्ष का निवेश 4.47 लाख रुपये में बदला

विश्लेषण में यह खुलासा

इस विश्लेषण से पता चलता है कि इक्विटी में पिछले कुछ वर्षों में लगातार तेजी देखने को मिली। वहीं, सोने में काफी वोलैटिलिटी देखने को मिली है। इस अवधि में गोल्ड में लंबे समय तक सुस्त प्रदर्शन देखने को मिला है फिर इसकी कीमतों में तेज उछाल भी देखने को मिला है। यदि किसी निवेशक ने 2010 से प्रत्येक दिवाली पर निफ्टी 50 के साथ-साथ सोने में 10,000 रुपये का निवेश किया होता, तो आज इसके बिल्कुल अलग-अलग होते।

सोने का रिटर्न शेयरों से बेहतर

अगर 2010 से हर दिवाली पर सोने में 10,000 रुपये का निवेश किया गया होता तो शेयरों की तुलना में बेहतर रिटर्न देखने को मिलता। सोने में इस सिस्टेमेटिक सालाना निवेश से 1.5 लाख रुपये का निवेश इस अवधि में 4.47 लाख रुपये में बदल जाता। वहीं, इक्विटी में किया गया 10,000 रुपये का सालाना निवेश आज की तारीख में 3.72 लाख रुपये ही हुआ होता। इसका मतलब यह है कि 2010 से हर साल 10,000 रुपये का निवेश करने से सोने का प्रदर्शन निफ्टी से बेहतर होता, जो निवेश में 4.5 गुना की बढ़त करता, जबकि निफ्टी में 15 सालों में 3.7 गुना की ही बढ़ोतरी हासिल करता। हालांकि, अगर किसी निवेशक ने पिछले 15 सालों के बाद अपनी निवेश यात्रा शुरू की है और पिछले 5 सालों में हर दिवाली पर सोने और शेयरों में पूंजी लगाने का फैसला किया है, तो भी सोने का रिटर्न शेयरों से बेहतर रहा होता।

सोने की सालाना ग्रोथ 15.1% रही

पिछले 5 सालों में दिवाली-दर-दिवाली सोने की कमतों में सालाना (सीएजीआर) 16.1 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी देखने को मिली है। जबकि निफ्टी 50 की सालाना ग्रोथ रेट 13.8 प्रतिशत रही है। अगर पिछले दस सालों के दोनों के अंतर को देखें,तो यह अंतर कम हो जाता है। इस अवधि में सोने की सालाना ग्रोथ 15.1 प्रतिशत रही है, जबकि निफ्टी 50 की सालाना ग्रोथ 12.3 प्रतिशत रही है। अगर किसी दूसरे साल भी दिवाली पर निफ्टी और गोल्ड में 10-10 हजार रुपए का निवेश किया गया होता तो नतीजे अलग-अलग होते और सोने का प्रदर्शन ज्यादा बेहतर होता। अगर, 2010 में ये निवेश किया गया होता तो शेयरों किया गया ये निवेश 39,180 रुपये हो गया होता। जबकि आज सोने में की गई निवेश की कीमत 54,200 रुपये हो गई होती।

ऐसे समझें रिटर्न का गणित

2015 में निफ्टी किए गए इतने निवेश का भाव इस समय 31,630 रुपये हो गया होता। जबकि सोने में किया गया ये निवेश 41,340 रुपये हो गया होता। अगर यही निवेश 2020 में हुआ होता तो दोनों असेट्स में अच्छा रिटर्न मिला होता। इस अवधि में निफ्टी में किया गया निवेश 19,370 रुपये होता। जबकि, सोने में किया गया निवेश थोड़ा बेहतर 20,980 रुपये पर रहा होता।

मुद्रास्फीति के खिलाफ सुरक्षा

- सोना अक्सर मुद्रास्फीति के खिलाफ एक अच्छा हेज माना जाता है। जब मुद्रास्फीति बढ़ती है, तो सोने की कीमतें भी बढ़ सकती हैं।
- विविधीकरणसोना एक विविध निवेश विकल्प है जो आपके पोर्टफोलियो को विविध बनाने में मदद कर सकता है। इससे जोखिम कम हो सकता है और रिटर्न बढ़ सकता है।
- आर्थिक अनिश्चितता के समय सुरक्षासोना अक्सर आर्थिक अनिश्चितता के समय एक सुरक्षित निवेश विकल्प माना जाता है। जब बाजार अस्थिर होते हैं, तो सोने की कीमतें बढ़ सकती हैं।
- लंबी अवधि के लिए निवेशसोना एक लंबी अवधि के लिए निवेश विकल्प हो सकता है। सोने की कीमतें लंबी अवधि में बढ़ सकती हैं, जिससे आपको अच्छा रिटर्न मिल सकता है।
- भौतिक संपत्तिसोना एक भौतिक संपत्ति है जिसे आप अपने पास रख सकते हैं। इससे आपको एक सुरक्षित और ठोस निवेश विकल्प मिलता है।
- वैश्विक मांगसोने की वैश्विक मांग हमेशा बनी रहती है, जिससे इसकी कीमतें स्थिर रहती हैं।
- निवेश के विभिन्न विकल्पसोने में निवेश करने के विभिन्न विकल्प हैं, जैसे कि भौतिक सोना, सोने के बॉन्ड, सोने के म्यूचुअल फंड, और सोने के ईटीएफ ।

तरकश
संजय के दीक्षित

कलेक्टर-एसडीएम टैक्स
छत्तीसगढ़ में एक महिला विधायक के वायरल ऑडियो ने लोगों को हिला दिया है। पब्लिक को यह बखूबी पता है कि सूबे में करप्शन का कोई लेवल नहीं रह गया है। मगर माफियाओं की तरह कलेक्टर, एसडीएम इस तरह रंगदारी टैक्स वसूलने लगे, ये तो शर्मनाक है। इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ कि पैसे के लिए कलेक्टर, एसडीएम इतना नीचे गिर जाएं कि विपक्षी विधायक से गठजोड़ करने लगें। ऑडियो में विधायक रेत माफिया से किस बेफिक्री से बोल रही कि कलेक्टर इतना से कम में मानेगा नहीं, फिर भी मैं बात कर लूंगी...एसडीएम को इतना देना पड़ेगा। हालांकि, विधायक ने ऑडियो को साजिश बताया है मगर सिस्टम को इसकी जांच करानी चाहिए, क्योंकि इस ऑडियो से विधायिका और कार्यपालिका की बची-खुची साख कटघरे में आ गई है।

मलाईदार पोस्टिंग और जेल
वक्त का गजब चक्कर है...कभी आसमान पर पहुंचा देता है तो कभी धड़ाम से जमीन पर पटक देता है। विषय है गिरफ्तार आईएएस निरंजन दास का। राज्य प्रशासनिक सेवा से आईएएस बने निरंजन दास का जलवा लोगों ने बीजेपी में भी देखा तो कांग्रेस में भी। बीजेपी के दौरान नॉन आईएएस होते भी तीन साल तक मिलाई जैसे निगम के कमिश्नर रहे तो तीन साल नगरीय प्रशासन के डायरेक्टर। गरियाबंद में दो साल कलेक्टर की। हालांकि, कांग्रेस शासनकाल में उन्हें गजब का पोर्टफोलियो मिला। वे नगरीय प्रशासन के सिकरेट्री भी बने। 31 जनवरी 2023 को रिटायर हुए तो 24 घंटे के भीतर संविदा पोस्टिंग मिल गई थी। और, विभाग ऐसे कि उन्होंने कभी कल्पना नहीं की होगी। आबकारी सचिव, आबकारी कमिश्नर, पंजीयन सचिव, नॉन के एमडी, ब्रेवरेज कॉरपोरेशन के एमडी। एक साथ पांच पोस्टिंग और पांचों उंगली घी वाली। संविदा में ऐसी पोस्टिंग किसी सचिव को आज तक नसीब नहीं हुई होगी। मगर निरंजन की ये हैसियत छह-सात महीने ही रह पाई। ईडी ने छापा मारकर उनकी हवाई रफ्तार पर ऐसा ब्रेक लगाया कि एक साल की संविदा नियुक्ति में तीन-चार महीना इधर-उधर भागते बीता। और अब...? सुप्रीम कोर्ट से गिरफ्तारी पर रोक की अर्जी खारिज होने के बाद वे बोरिया-बिस्तर समेटकर भागने के फेर में थे कि ईओडब्लू ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है।

इतिहास दुहराएगा?
कहते हैं इतिहास दुहराता है...छत्तीसगढ़ में यह सही उतरता दिख रहा है। मुख्य सूचना आयुक्त सरजियस मिंज 2017 में रिटायर हुए तो करीब डेढ़ साल तक यह पद खाली रहा। तब तत्कालीन चीफ सिकरेट्री विवेक ढांड का सीआईसी बनना लगभग तय माना जा रहा था। मगर जैसे ही रेरा अस्तित्व में आया, उन्होंने सीआईसी की कुर्सी पर से अपना रुमाल उठा लिया और फिर सूबे की सबसे बड़ी पोस्ट रिटायरमेंट पोस्टिंग उन्हें मिल गई। वे रेरा के चेयरमैन बन गए। इसके बाद एमके राउत को सीआईसी बनाया गया। राउत को रिटायर हुए तीन साल हो गए हैं। मगर अभी तक इस पद पर किसी की नियुक्ति नहीं हुई है। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने सीआईसी के लिए इंटरव्यू दिया है, लेकिन मामला गोल-गोल रानी की तरह घूम रहा है। ताजा अपडेट यह है कि अमिताभ जैन बिजली विनियामक आयोग के चेयरमैन बनेंगे। 19 सितंबर को हेमंत वर्मा रिलीव होकर त्रिपुरा चले गए और अब इस पद पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। अमिताभ अगर बिजली विनियामक आयोग के चेयरमैन बन गए तो फिर इतिहास दुहराएगा।

41 साल का सर्विस क्लब
मुख्य सचिव अमिताभ जैन अगर बिजली विनियामक आयोग के चेयरमैन बने तो वे छत्तीसगढ़ के 42 साल वाले सर्विस क्लब में शामिल हो जाएंगे। अमिताभ आईएएस में 36 साल की सर्विस पूरी कर चुके हैं। और पांच साल उन्हें बिजली विनियामक आयोग में मिल जाएगा। याने 41 साल की सरकारी सर्विस हो जाएगी। उससे पहले विवेक ढांड और अजय सिंह इस क्लब के मेंबर हैं। विवेक आईएएस में करीब 37 साल रहे। उसके बाद पांच साल रेरा में। फिर डेढ़ साल योग आयोग में। अजय सिंह करीब 37 साल आईएएस में रहने के बाद प्लानिंग कमीशन में रहे और इस समय राज्य निर्वाचन कमिश्नर हैं। हालांकि, पोस्ट रिटायरमेंट पोस्टिंग के मामले में अजय सिंह विवेक और अमिताभ के सामने थोड़ा कमजोर पड़ेंगे। राज्य निर्वाचन की पोस्टिंग सम्मानजनक है मगर रेरा और बिजली विनियामक जैसा ग्लैमर नहीं।

मुकद्दर तो होता है
जब तक आईएएस बीएल अग्रवाल क्रीज पर रहे, तब तक यही समझा जाता था कि अमिताभ जैन को सीएस की कुर्सी तक पहुंचना आसान नहीं। बीएल, अमिताभ से जस्ट एक बैच ऊपर 88 बैच के आईएएस थे। और 22 साल में आईएएस बन जाने से सर्विस भी लंबी थी। जाहिर है, अमिताभ के सपने में कोई आता होगा तो वो बीएल ही होंगे। अलबत्ता, अमिताभ गजब किस्मती हैं। कौन सी ऐसी अच्छी पोस्टिंग रही, जो उन्होंने नहीं की। रायपुर कलेक्टर से लेकर डीपीआर तक। दो बार पीडब्लूडी सिकरेट्री। वित्त, वाणिज्यिक कर से लेकर राजभवन सचिव तक। अमिताभ प्रमुख सचिव थे, इसी दौरान बीएल अग्रवाल सर्विस से बाहर हो गए। इसके बाद तो फिर...अमिताभ जैन ने पौने पांच साल की कीर्तिमानी पारी खेल डाली। और अब उनका भाग्य देखिए...सीएस से रिटायरमेंट से 11 दिन पहले बिजली विनियामक आयोग चेयरमैन की कुर्सी खाली हो गई। ऐसा भी नहीं कि हेमंत वर्मा को प्रेशर डालकर हटाया गया हो। उनका त्रिपुरा में सलेक्शन हो गया और फायदे को देखते हुए उन्होंने इस्तीफा दे दिया। इसे अब किस्मत नहीं कहेंगे तो फिर क्या कहेंगे।

समय का चक्र
नॉन घोटाले में प्रिंसिपल सिकरेट्री डॉ. आलोक शुक्ला के यहां एसीबी ने छापा मारा तो ऐसा नहीं कि किसी बात को लेकर सरकार उनसे खफा हो गई थी। 2008 के विधानसभा चुनाव में आलोक शुक्ला के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रहने के दौरान राज्य सरकार के साथ उनके संबंध जरूर बेहद खराब हो गए थे। मगर समय के साथ खाई पट गई और 2016 में आलोक जब सेंट्रल डेपुटेशन से रायपुर लौटे तो उनका रेड कार्पेट बिछाकर स्वागत किया गया था। रेड कार्पेट का मतलब यह कि पहली बार किसी आईएएस को डेपुटेशन से लौटने से पहले पोस्टिंग दे दी गई, वो भी दो अहम विभागों की वाली। आलोक के रायपुर लौटने से करीब हफ्ता भर पहले सरकार ने प्रमुख सचिव खाद्य और स्वास्थ्य बनाने का आदेश जारी कर दिया था। तब ब्यूरोक्रेसी में भी काफी लोगों को ये खटका था कि आखिर क्या कारण है कि सरकार उन पर इतना प्रेम बरसाने लगी। मगर करीब साल भर बाद ही एसीबी का छापा पड़ा तो लोग हैरान रह गए। कुल मिलाकर इसे ग्रह-नक्षत्र का खेल कह सकते हैं। जाहिर है, आलोक रिजल्ट देने वाले अफसर माने जाते थे। पुराने मंत्रालय भवन में उस समय कंप्यूटर और लेपटॉप के कीबोर्ड खटखटाने वाले गिने-चुने अफसर थे, उनमें एक आलोक थे। छत्तीसगढ़ के पीडीएस की सुप्रीम कोर्ट से लेकर पूरे देश में तारीफ हुई, उसे बनाने वाले भी आलोक थे। मगर वही आलोक नॉन घोटाले के अभियुक्त बन गए...ईडी कोर्ट में पहुंच सरेंडर कर रहे तो ये समय का चक्र ही है।

फिलीपींस से मुख्य सचिव
छत्तीसगढ़ के अगले मुख्य सचिव विकास शील मनीला से दिल्ली लौट चुके हैं। वे छत्तीसगढ़ कब आएंगे, यह अभी क्लियर नहीं। मगर लोग इस बात से बेचैन हैं कि उनका मोबाइल स्वीच ऑफ आ रहा। फोन लगाने वालों में कुछ रीयल चाहने वाले हैं, तो कुछ बधाई देकर अपना नंबर बढ़वाने वाले। बहरहाल, बात मुख्य सचिव की तो अभी तक राज्यों में दिल्ली से मुख्य सचिव आते थे। मगर छत्तीसगढ़ का कद इस मामले में बढ़ गया है, यहां सीधे फिलीपींस से मुख्य सचिव आ रहे हैं। छत्तीसगढ़ के लिए ये खास तो है ही।

कलेक्टर और मुख्य सचिव
छत्तीसगढ़ में अभी तक 11 मुख्य सचिव हुए हैं, विकास शील 12वें होंगे। इन 12 में से चार मुख्य सचिव ऐसे हैं, जो रायपुर के कलेक्टर रह चुके हैं। इनमें सुनिल कुमार पहले नंबर पर हैं। उनके बाद आरपी मंडल, अमिताभ जैन और अब विकास शील। मंडल के बाद रायपुरिया कलेक्टर के चीफ सिकरेट्री बनने का हैट्रिक बन जाएगा। और लगता है रायपुरिया कलेक्टर के चीफ सिकरेट्री बनने का सफर आगे भी जारी रहेगा। विकास शील 2029 में रिटायर होंगे तो उनकी कुर्सी के दो ही दावेदार होंगे। सुबोध कुमार सिंह और सोनमणि बोरा। दोनों रायपुर के कलेक्टर रह चुके हैं। सुबोध 2027 में सीएस बनने के एलिजिबल हो जाएंगे तो सोनमणि जनवरी 2029 में। अगर सुबोध सिंह मुख्य सचिव बन गए तो भी सोनमणि दुखी नहीं होंगे क्योंकि उनके पास पर्याप्त टाईम रहेगा। सुबोध अगस्त 2033 में रिटायर होंगे। उसके बाद सोनमणि के पास सीएस रहने के लिए ढाई साल बचेगा। सोनमणि का रिटायरमेंट मार्च 2036 में है। हालांकि, 2002 बैच के आईएएस रोहित यादव बोरा के कंपीटिशिन में रहेंगे। रोहित 2032 में एसीएस हो जाएंगे। यदि सोनमणि की जगह रोहित का ग्रह-नक्षत्र काम कर गया तो वे भी रायपुर कलेक्टर रह चुके हैं। सोनमणि और रोहित का रिटायरमेंट ईयर 2036 है। जाहिर है, सुबोध के बाद यकीनन सोनमणि और रोहित में से कोई एक मुख्य सचिव बनेगा। और दिलचस्प यह है कि इन दोनों के बाद मुख्य सचिव के तगड़े दावेदार सिद्धार्थ कोमल परदेशी भी रायपुर के कलेक्टर रह चुके हैं। हालांकि, 2003 बैच में सिद्धार्थ समेत चार आईएएस अधिकारी हैं। मगर इनमें से सिर्फ सिद्धार्थ रायपुर के कलेक्टर रहे हैं। कहने का आशय यह है रायपुर कलेक्टर के मुख्य सचिव बनने का क्रम आगे भी जारी रहेगा।

बजट 15 करोड़, पहुंचा डाला 50 करोड़
नवा रायपुर के सेक्टर-24 में ट्राईबल म्यूजियम बन रहा है। भारत सरकार के पइसे से बन रहे म्यूजियम के लिए 2018 में 15 करोड़ का टेंडर हुआ था। इसके बाद टेंडर का अमाउंट 25 करोड़ हुआ फिर 45 करोड़। साढ़े पांच करोड़ रुपए डिजिटल वर्क के लिए सेंक्शन हुआ है। पीएम नरेंद्र मोदी का ये ड्रीम प्रोजेक्ट है। 2014 में पहली बार पीएम बनने के बाद उन्होंने आदिवासी बहुल राज्यों में ट्राईबल म्यूजियम बनाने का ऐलान किया था। 45 करोड़ के टेंडर में 17 करोड़ की सिर्फ मूर्तियां लगाई जा रही हैं। बिलिंग के फेर में मूर्तियों का इस कदर जाल बिछा दिया गया कि म्यूजियम को आए केंद्रीय प्रतिनिधियों को कहना पड़ा कि मूर्तियों का म्यूजियम मत बना दीजिए...ट्राईबल टच रखिए। ताकि, म्यूजियम ही रहे, लग्जरी होटल न दिखे। असल में, मूर्तियों का खेल लाजवाब होता है। 172 नगरीय निकायों में अटलजी की प्रतिमाओं का मामला अभी ज्यादा दिन नहीं हुआ है। बाद में कोई बखेड़ा खड़ा हो, इससे बचने सिस्टम को इसकी सतत मानिटरिंग करनी चाहिए।

अंत में दो सवाल आपसे
1. क्या पीएम आवास योजना में छत्तीसगढ़ कोई बड़ा धमाका करने वाला है?
2. विकास शील के मुख्य सचिव बनने के बाद एसीएस ऋचा शर्मा और मनोज पिंगुआ क्या सेंट्रल डेपुटेशन का अब रास्ता तलाशेंगे?

प्रथम पृष्ठ का शेष

जमीन की गाइडलाइन...
आयोजित सृजन संवाद कार्यक्रम में रियल एस्टेट के बिल्डरों के समक्ष राज्य सरकार की नई योजनाओं के बारे में अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि 13 साल के प्रशासनिक जीवन में मन में कोई मलाल नहीं रहा। फिर लगा कि जीवन में कुछ अच्छा करने राजनीति में आना चाहिए। तुलनात्मक रूप से यह बड़ा परिवर्तन था। उन्होंने रियल एस्टेट के कारोबारियों के द्वारा उठाए गए बहुत से मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि रियल एस्टेट के कारोबार को अवैध प्लाटिंग रोके बिना नहीं बढ़ाया जा सकता। उसे जितना कम कर पाएं, उतना अच्छा होगा। एसडीएम और निगम आयुक्त के पास अवैध प्लाटिंग को नियंत्रित करने की शक्तियां होती हैं। अवैध प्लाटिंग करने वाले पॉवर ऑफ अटार्नी लेकर प्लाट बेचते हैं। हमने अब नियम बनाया है कि पॉवर ऑफ अटार्नी केवल ब्लड रिलेशन को ही दिया जाएगा।

एससीआर का आईकोनिक टॉवर बनेगा-
वित्तमंत्री ने कहा कि कोई भी प्रदेश अर्बन प्लानिंग के साथ ग्रोथ इंजन तैयार करता है। उसके अनुसार ही उसके विकास की दिशा तय होती है। कर्नाटका का ग्रोथ इंजन बेंग्लुरु है। उसी प्रकार राज्य में नया रायपुर सहित राजधानी के करीबी शहरों को जोड़कर एससीआर बनाने की ओर कदम बढ़ाएं हैं। एससीआर के लिए एक्ट बनकर तैयार हो गया है। यह एक्ट नगर निवेश के कानून के उपर होगा। दीवाली से पहले एससीआर की पहली बैठक होगी। जिसमें इसका सेटअप तय किया जाएगा। एससीआर के लिए आईकोनिक टॉवर भी तैयार किया जाएगा, जो 700 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा। उन्होंने बताया कि इसके लिए आर्कीटेक्ट का टेंडर भी जारी हो गया है।

नया रायपुर का तेजी से विकास-
एक सवाल पर उन्होंने कहा कि नवा रायपुर का विकास तभी होगा जब इसे हम कमर्शियल रूप से विकसित करेंगे। इस पर काम चल रहा है। यहां पर आवागमन और संचार की सुविधा के साथ ही ऐसे संस्थान को लाने का प्रयास किया जा रहा है, जो ख्यातिनाम हो। उन्होंने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सवाल उठने पर कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में पूर्व की भाजपा सरकार ने आईआईटी, ट्रिपल आईआईटी, आईआईएम, हिदायतउल्ला लॉ यूनिवर्सिटी, सीपेट और एनआईटी जैसे संस्थान छत्तीसगढ़ में खोले। अभी हमारी सरकार आने के बाद निफ्ट, निलेप, फोरेंसिक साइंस, सहित कई अन्य संस्थानों ने काम शुरू किया है। अभी सोमाया, नरसिंम्हा, गोखले इंस्टीट्यूट जैसी संस्स्थओं को नया रायपुर में लाने का प्रयास हो रहा है। यहां हम एडु सिटी बनाने जा रहे हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में बाम्बे हास्पिटल का टेंडर हो चुका है। सरोज हास्पिटल भी यहां पर खुलने वाला है। मेडी सिटी का प्लान भी है।

मेंट्रो के सर्वे के लिए टेंडर जारी-
श्री चौधरी ने बताया कि मेंट्रों का सर्वे करने के लिए टेंडर 20 दिन पहले ही जारी किया गया है। एससीआर के लिए मेंट्रो जरूरी है। कहां तक बनेगा इसका पूरा सर्वे करा करे हैं। आने वाले दिनों में इसका प्लान पूरी तरह से तैयार होगा। बिल्डरों ने मांग की कि नया रायपुर के विकास में तेजी लाने लेयर-2 को खोला जाए। मंत्री श्री चौधरी ने बताया कि लेयर-2 पर एग्रेसिव इंफ्रास्टक्चर विकसित करने जा रहे है। यहां पर समन्वित टाउनशिप विकसित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि लेयर-1 थोड़ा और उपर आ जाए फिर 1 साल के अंदर लेयर-2 का प्लान आएगा। उन्होंने बताया कि नया रायपुर में संचार सुविधा और नेटवर्क बढ़ाने के लिए बीजीएफ स्कीम के तहत प्राइवेट प्लेयर यहां पर अपना टॉवर लगाने जा रहा है।

नया रायपुर में बनेगा लेबर हट मेंट-
बिल्डरों की मांग पर उन्होंने बताया कि नया रायपुर में छोटे प्लाट भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। यहां पर लेबर हट मेंट का सरकारी प्रोजेक्ट भी लाया जा रहा है। हाउसिंग के क्षेत्र में ईडब्ल्यूएस के लिए भी लिए नियमों में परिवर्तन किया गया है। अब तक गरीबी रेखा वाले ही इसे खरीदते थे। अब औद्योगिक क्षेत्र के लिए इन मकानों को बेचा जा सकेगा।

60 प्रतिशत बुकिंग आने पर ही टेंडर-
उन्होंने बताया कि हाउसिंग बोर्ड के हालात सुधारने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि हाउसिंग बोर्ड अब कोई प्रोजेक्ट लाता है तो उसके निर्माण की शुरुआत तब तक नहीं की जाती जब तक 60 प्रतिशत बुकिंग नहीं हो जाती। उन्होंने बताया कि पुराने रायपुर के रिडेवलपमेंट प्लान पर भी सरकार का कर रही है। यह पीपीपी मॉडल में किया जा रहा है।

गाइड लाइन दरों का युक्तियुक्तकरण-
उन्होंने बताया कि प्रदेश में गाइड लाइन दरों में 2017-18 से वृद्धि नहीं हुई है। वह भी 30 प्रतिशत कम है। रायपुर शहर का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि शहर में गाइड लाइन दरों में कई विसंगति पाई गई है। 1500 से अधिक दरें प्रचलित हैं। इन दरों को युक्तियुक्तकरण कर 75 प्रतिशत घटाने के प्रयास किए जा रहे है। आने वाले दिनों में इसमें परिवर्तन देखने को मिलेगा।

लैंड यूज के ...
रूप से मजबूत करने समन्वित प्लान किया जा रहा है। उन्होंने कहा, लैंड यूज के नियम 1960 के हैं। नियम का उल्लंघन इसमें होता है। इसके लिए बेसिक प्लान बनाने की जरूरत हैं। लैंड यूज पर भी सुधार करने जा रहे हैं। रायपुर का जो मास्टर प्लान है उसमें सुधार कर 3 माह में अंतिम रूप से जारी करेंगे। जो गलतियां हैं उसे ठीक करेंगे।

आय 5 गुना...
उनकी जटिलता से मकानों की कीमतें बढ़ी हैं। वहीं आम आदमी की कम ने घर का सपना मुश्किल बनाया है। संपादक समन्वय ब्रह्मवीर सिंह ने इस संवाद की शुरुआत यह सवाल इस सवाल से की, कि 25 साल में आम आदमी की कमाई पांच गुना ही बढ़ी है, जबकि मकानों की कीमत 10 से 15 गुना तक पहुंच गई है। ऐसे में आम आदमी अपने घर का सपना कैसे पूरा करेगा? इस पर सबा इन्फ्रा वेंचर के एमडी संजय बघेल ने कहा कि दस साल पहले 50 रुपये प्रति वर्गफुट जमीन मिलती थी, अब 1000 रुपये से ऊपर। मटेरियल 5 गुना महंगा हुआ, लेकिन जमीन 50 से 100 गुना तक उछल गई। यही वजह है कि मकानों के दाम आसमान छू रहे हैं। संवाद में बिल्डरों ने अपनी सीमाएं बताईं और समाधान भी सुझाए।

अभी और चाहिए विकास-
वीजीआर एस्टेट्स के डायरेक्टर रितविक नथानी ने उद्यानों, खेलों और आधारभूत सुविधाओं पर और फोकस करने पर जोर दिया।
रिषभ बिल्डकॉन के एमटी प्रितेश कटारिया ने कहा – "मकान भले सस्ते हों, लेकिन जब तक आम आदमी की आय नहीं बढ़ेगी, घर लेना आसान नहीं होगा। सरकार को ऐसे उपाय करने चाहिए कि आज की 20 हजार की आय 50 हजार हो सके। मृणाल गोलछा ने यह भी कहा कि नए नौकरीपेशा युवाओं को प्राथमिकता से बैंक ऋण मिलना चाहिए।
रितविक नत्थानी का जवाब- वैसे तो रायपुर की 25 सालों में बहुत ग्रोथ हुई है, लेकिन अब भी यहां पर कई काम होने चाहिए, उद्यानों को लेकर काम होना चाहिए, खेलों पर काम होना चाहिए। संतोष लोहाना ने कहा, टाटीबंध का जो ब्रिज बना है, उसको पहले बन जाना चाहिए था। सवाल- सरकार से क्या उम्मीद है? प्रितेश कटारिया का जवाब- अधोसंरचना का और ज्यादा निर्माण होना चाहिए। उन्होंने कहा, हमारे रायपुर में दूसरे शहरों की तुलना में मकानों की कीमत कम है। आम आदमी की आय में कैसे इजाफा हो इस पर ध्यान देने और काम करने की जरूरत है। आज जिनकी कमाई 20 हजार है उनकी कमाई 50 हजार कैसे हो, इस पर फोकस रहेगा और कमाई बढ़ेगी तो अपना आशियाना लेना आसान होगा। मृणाल गोलछा ने कहा, जो नए लोग नौकरी में आते हैं उनको ऋण देने पर भी फोकस होना चाहिए। ऐसे लोगों को ऋण के लिए अपने परिवार वालों की तरफ देखना पड़ता है, भले इनकी आय प्रारंभ में कम रहती है, लेकिन इनको भी बैंकों को ऋण देने में प्राथमिकता देनी चाहिए।

अनुमतियों में ही...
है। अगर इन्हें सरल बनाया जाए तो 50 लाख का मकान 30 लाख में मिल सकता है।

मेट्रो और रायपुर...
यह बात तय है कि छत्तीसगढ़ को महानगर मिलने वाला है। मेट्रो के लिए डीपीआर भी बन रहा है। इस पर संतोष लोहाना ने जोड़ा, जबलपुर से आए एक मित्र ने कहा, रायपुर अब हमारे शहर से सौ गुना आगे निकल गया है।

साव बोले- संपत्तिकर...
ये लोगों की मदद करते हैं।
0 अवैध काम कितनी दुविधा पैदा करते हैं?
00 अवैध प्लाटिंग और अवैध कालोनी एक बड़ी चुनौती है। गरीब वर्ग अपने गहने बेचकर, कर्ज लेकर प्लाट या घर लेते हैं। जब उनको मालूम होता है कि उन्होंने जो प्लाट या घर लिया है वह अवैध है तो उनको परेशानी का सामना करना पड़ता है। सड़क, नाली, पानी के लिए ये निगम के पास आते हैं तो निगम को भी परेशानी होती है। सारा बोझ निगम पर आता है। किसी भी तरह से अवैध प्लाटिंग और अवैध कालोनियों का निर्माण नहीं होना चाहिए। बिल्डर अगर नियमों से काम करेंगे, तो उनको सरकार की मदद भी मिलेगी, लेकिन नियमों के खिलाफ जाकर काम करेंगे, तो उन पर कार्रवाई भी होगी।
0 आवास पर्यावरण और नगरीय निकाय विभाग के बीच में बिल्डर कितने पिस रहे हैं?
00 ऐसा कुछ नहीं है, किसी भी बिल्डर से अब तक कोई शिकायत नहीं आई है। नियम से काम करने वालों के साथ हमेशा सरकार खड़ी है।
0 बिल्डरों से क्या अपेक्षा है?
00 नियमों से काम करें, अवैध कालोनियों को रोकें। प्रदेश में छोटे-छोटे शहरों में भी कालोनियां बन रही हैं। विकास हो रहा है। काम अच्छा करें किसी भी तरह से ग्राहकों के साथ चीटिंग न करें। रैन वॉटर हार्वेस्टिंग को योजनाओं में प्राथमिकता देनी चाहिए।
0 नगरीय निकाय परेशानी में हैं, उसके पास पैसे नहीं रहते हैं, ये कब आत्मनिर्भर बनेंगे?
00 नगरीय निकायों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में हमारी सरकार काम कर रही है। संपत्ति कर को लेकर भी योजना बनाई गई है। इसको लेकर कार्यशाला भी की गई है। इसको ठीक करने की योजना है। इसका युक्तियुक्तकरण किया जाएगा। ऐसा होने से किसी को भी ज्यादा भार नहीं पड़ेगा। निकायों को पैसों की कमी नहीं होने दी जा रही है। विकास के काम हो रहे हैं। जरूरत के सारे पैसे उपलब्ध हैं।
0 ईडब्ल्यूएस के नाम पर जमीन आरक्षित होती है, लेकिन गरीबों के लिए मकान नहीं बन पाते हैं?
00 जमीन का उपयोग हो इसको लेकर प्रयास करेंगे और योजना बनाएंगे।

ट्रंप का एक और...
वीजा कार्यक्रम अस्थायी कामगारों को अमेरिका में लाने के लिए बनाया गया था ताकि वे अतिरिक्त, बेहद-कुशल कार्य कर सकें। लेकिन अमेरिकी कामगारों की जगह सस्ते और निम्न प्रशिक्षित कामगारों को लाकर वीजा कार्यक्रम का दुरुपयोग किया गया। उन्होंने कहा, एच-1बी कार्यक्रम का दुरुपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ख़तरा है। घरेलू कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने एच-1बी पर निर्भर आउटसोर्सिंग कंपनियों की पहचान और जांच की है, जो वीजा धोखाधड़ी, धन शोधन की साजिश... और विदेशी कर्मचारियों को अमेरिका आने के लिए प्रोत्साहित करने वाली विभिन्न अवैध गतिविधियों में शामिल पाई गई हैं। उन्होंने कहा, इस कार्यक्रम के बड़े पैमाने पर दुरुपयोग से हमारी आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा को जो गंभीर नुकसान पहुंचा है उसके लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है। इसलिए, मेरा मानना है कि कुछ विदेशी कामगारों को अमेरिका में बेरोकटोक दाखिल होने देना अमेरिका के हितों के लिए हानिकारक होगा। इस तरह के प्रवेश से अमेरिकी कामगारों को नुकसान होगा, जिसमें उनके वेतन में कटौती भी शामिल है। ट्रंप ने आदेश दिया कि गृह मंत्री घोषणा के प्रभावी होने की तिथि यानी 21 सितंबर 2025 से उन आवेदनों पर निर्णय लेने पर रोक लगाएंगे जिनके साथ 100,000 अमेरिकी डॉलर का भुगतान नहीं किया गया होगा।
नया 1 लाख डॉलर का नियम क्या है?- 21 सितंबर, 2025 से प्रभावी अमेरिकी कंपनियों को किसी विदेशी कर्मचारी की एंट्री या दोबार से एंट्री के लिए प्रत्येक एच-1बी आवेदन पर 1 लाख डॉलर (करीब 88.10 लाख रुपए) का भुगतान करना होगा। यह नियम इस बात पर ध्यान दिए बिना लागू होता है कि कर्मचारी पहली बार आ रहा है, यात्रा के बाद लौट रहा है या कंपनी बदल रहा है। कर्मचारियों को तब तक अमेरिका में वापस आने की अनुमति नहीं दी जा सकती जब तक कि उनकी कंपनी शुल्क का भुगतान नहीं कर देती।

दो स्कार्पियों से...
लगाया। चेकिंग के दौरान उन्हें महाराष्ट्र पासिंग दो स्कार्पियो रायपुर से नागपुर की तरफ जाती हुई दिखी। पुलिस की टीम ने तुरंत दोनों गाड़ियों को रोका। उसके अंदर चार लोग सवार थे।
पूछताछ में उन लोगों ने नागपुर जाना बताया। जब पुलिस ने गाड़ी की तलाशी ली तो उनकी आंखें फटी की फटी रह गई। एक गाड़ी के अंदर से 3 करोड़ रुपए नगद और दूसरी के अंदर से 3 करोड़ 60 लाख रुपए नगद रकम बरामद की गई। पुलिस ने जब संदेहियों से पूछताछ की तो वो लोग उस रकम का सही ब्यौरा नहीं दे सके। इसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया और कुम्हारी थाने लाई। यहां पूछताछ के दौरान इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को मामले की सूचना दी गई। रायपुर से आई आईटी की टीम ने मामले को अपने हेंडओवर ले लिया है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।
नोट गिनने के लिए मंगवानी पड़ी मशीन-
पुलिस ने जब इतनी मात्रा में नोटों का बंडल देखा तो उसे गिनने के लिए उन्हें बैंक से नोट गिनने की मशीन बुलवानी बड़ी। गिनती करने के बाद पता चला की जब्त किए गए नोट 6.60 करोड़ रुपए हैं।

मणिपुर में बस्तर...
से बिष्णुपुर की ओर जा रहा था, तभी घात लगाकर बैठे उग्रवादियों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी थी। इस हमले में शहीद रंजीत अपने परिवार का इकलौता बेटा था। रंजीत की शहादत से न केवल उसके बूढ़े माता पिता का सहारा खत्म हो गया, बल्कि उसकी तीन बच्चियों के सिर से पिता का साया भी उठ गया। गांव से असम राइफल्स में नौकरी करने वाला रंजीत अकेला युवक था, जिसने अपनी शुरूआती पढ़ाई पूरी करने के बाद उसने देश सेवा की भावना से यह नौकरी ज्वाइन की थी। बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने कहा कि मणिपुर राज्य की घटना में बस्तर जिले के बालेंगा का जवान शहीद हो गया। हम उनकी शहादत को नमन करते हैं। शहीद रंजीत कश्यप के परिवार से प्रशासन व पुलिस संपर्क में है, जैसे ही पार्थिव देव गृह ग्राम पहुंचेगा, वैसे ही अंतिम सलामी व अंतिम संस्कार की प्रकिया की जाएगी।
एक माह पूर्व छुट्टी पर आया था घर-
इस हमले में शहीद होने वाले जवान रंजीत कुमार कश्यप के दोस्तों ने बताया कि विगत माह रंजीत घर आया हुआ था। एक माह तक अपने परिजनों के साथ रहा और परिवार ने उसे खुशी खुशी ड्यूटी के लिए रवाना किया था, लेकिन किसी को पता नहीं था कि एक माह बाद ही उसके शहीद होने की खबर आएगी। रंजीत के परिवार में किसान माता-पिता, पत्नी व 3 बेटियां ही है। एक बहन भी है, जिसकी शादी बीएसएफ जवान से हुई है। रंजीत शुरू से ही देश की सेवा करना चाहता था, इसलिए वह फोर्स ही ज्वाइन करना चाहता था।

इधर, कश्मीर के...
परिणामस्वरूप मुठभेड़ हुई। जम्मू के पुलिस महानिरीक्षक ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मुठभेड़ जारी है। एसओजी, पुलिस और भारतीय सेना की संयुक्त टीमें मौके पर मौजूद हैं। इससे पहले, व्हाइट नाइट कोर ने एक्स पर कहा था कि किश्तवाड़ के सामान्य इलाके में एक खुफिया-आधारित अभियान में व्हाइट नाइट कोर के सैनिकों ने रात लगभग 8 बजे आतंकवादियों से संपर्क स्थापित किया।

अभिनेता मोहनलाल को...
मोहनलाल का सिनेमाई सफर बेहतरीन रहा है जो पीढ़ियों को प्रेरित करता है। मंत्रालय के मुताबिक, उनकी बेजोड़ व बहुमुखी प्रतिभा और अथक परिश्रम ने भारतीय फिल्म इतिहास में एक स्वर्णिम मानक स्थापित किया है। इसने कहा कि 65 वर्षीय अभिनेता को 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में 23 सितंबर को इस पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। चार दशक से अधिक के करियर में, मोहनलाल ने मलयालम, तमिल, तेलुगु, हिंदी और कन्नड़ में 350 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया है। उनकी कुछ सबसे लोकप्रिय और समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्मों में थनमथा, दृश्यम, वानप्रस्थम, मुन्थिरिवल्लिकल थलिर्ककुम्बोल और पुलीमुरुगन शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मोहनलाल को उत्कृष्टता और बहुमुखी प्रतिभा के प्रतीक बताते हुए दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किये जाने की घोषणा पर उन्हें बधाई दी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी अभिनेता को बधाई दी और कहा कि उनकी विरासत "भारत की रचनात्मक भावना" को प्रेरित करती रहेगी।
मिल चुके हैं कई पुरस्कार-
मोहनलाल को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए दो राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, नौ केरल राज्य पुरस्कार और अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिल चुके हैं। 2001 में 'पद्म श्री' और 2019 में 'पद्म भूषण' से सम्मानित किया गया। पूर्व में सत्यजीत रे, दिलीप कुमार, राज कपूर, देवानंद, लता मंगेशकर, अमिताभ बच्चन, रजनीकांत को सम्मानित किया जा चुका है।

भारत से जंग...
के साथ ये समझौता आक्रामक नहीं बल्कि रक्षात्मक है। नाटो का उदाहरण देते हुए उन्होंने जियो टीवी से कहा कि अगर कोई हमला होता है, चाहे वह सऊदी अरब पर हो या पाकिस्तान पर तो हम मिलकर उसका मुकाबला करेंगे। समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक ख्वाजा आसिफ ने कहा कि हमारा इरादा ये नहीं है कि इस समझौते का इस्तेमाल किसी भी आक्रमण के लिए किया जाए। लेकिन अगर दोनों पक्षों यानी पाकिस्तान और सऊदी अरब को ख़तरा है, तो जाहिर है कि यह व्यवस्था लागू हो जाएगी।

राशिफल

मेष परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में वृद्धि के साथ स्थान परिवर्तन हो सकता है। वाणी में मधुरता रहेगी।

वृष कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। व्यर्थ की भागदौड़ बढ़ सकती है। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

मिथुन लाभ में में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। कारोबार के लिए विदेश जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

कर्क सेहत का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान केंद्रित करें। मान-सम्मान बढ़ेगा। बातचीत में संतुलन बनाए रखें। वाणी में कठोरता का प्रभाव हो सकता है।

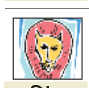
सिंह कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। कारोबार से लाभ में वृद्धि होगी। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

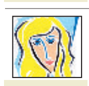
कन्या आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। शैक्षिक या शोधादि कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। मन में निराशा एवं असन्तोष के भाव हो सकते हैं।

तुला व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें।

वृश्चिक पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। कार्यभार में वृद्धि होगी। स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। आय में वृद्धि होगी।

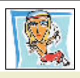
धनु जीवनसाथी से नोकझोंक हो सकती है। कुटुम्ब में मान-सम्मान की प्राप्ति के योग हैं। लंबी यात्रा पर जाना हो सकता है। सुखद परिणाम मिलेंगे।

मकर व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। खर्चों की अधिकता रहेगी। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

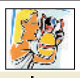
कुंभ नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

मीन शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। मान-सम्मान मिलेगा। शासन-सत्ता का सहयोग रहेगा। कला एवं संगीत में रुचि बढ़ेगी। खर्च अधिक रहेंगे।

एनआरएलएम की महिलाओं ने किया प्रदर्शन सम्मानजनक वेतन सहित 7 सूत्रीय मांग

रायपुर। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत एनआरएलएम बिहान की महिलाओं ने अपनी 7 सूत्रीय मांगों को लेकर नवा रायपुर के तूता स्थित धरना स्थल पर शनिवार को धरना दिया। सरकार से अपना हक मांगने महिलाओं ने सड़क पर उतरकर नारेबाजी की और सम्माजनक वेतन, ऑनलाइन कार्य का भुगतान तत्काल करने, सभी कैडरों को मोबाइल उपलब्ध कराने, नेट खर्च, यात्रा भत्ता और दैनिक भत्ता देने की मांग की। धरना प्रदर्शन में प्रदेश के 12 जिलों से पहुंची महिलाओं ने जिला प्रशासन के अधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।विहान योजना राष्ट्रीय आजीविका मिशन की महिलाओं ने अपने लंबित मांगों को लेकर शासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। नवा रायपुर के तूता धरना स्थल पर उन्होंने प्रदेशव्यापी धरना दिया। संघ की प्रांतीय अध्यक्ष पदमा पाटिल ने धरना स्थल पर सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कि मात्र 1910 रुपये मासिक मानदेय पर लगातार शासकीय कार्य कराया जा रहा है, हमें सम्मानजनक मानदेय का भुगतान किया जाये।

शब्द पहेली - 5995

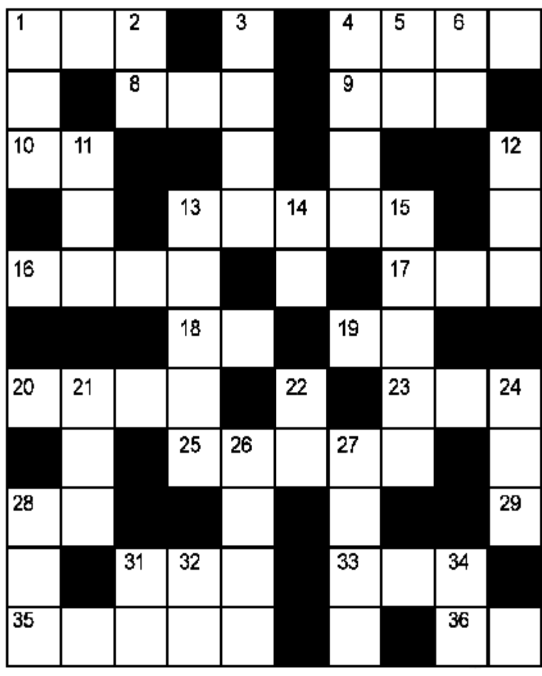

बाएँ से दाएँ
1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
4.पानी से सराबोर-5
8.अंधकार-3
9.आक्रमण-3
10.दम, सुट्टा-2
12.समय, वक्त-2
13.कहानी लेखक-5
16.अपराधी, गुंडा-4
17.आलोकित होना-4
18.उद्देश्य, मंजिल-2
19.छाती, सिलना-2
20.जागरण-4
23.सफल, उत्तीर्ण-4
25.पत्नी का नाना-2,3
28.मार्ग, रास्ता-2
29.जरा, थोड़ा-2
31.वैमनस्य-3
33.पाजेब-3
35.जरुरतमंद-3,2
36.गदर, क्रांति-3

ऊपर से नीचे
1.उत्साह-3
2.वोट,राय-2
3.हथियार, गोला-बारूद-4
4.सनसनी, रोमांच-4
5.एक विदेशी शराब-2
6.आफत, मुसीबत-2
7.उपपत्नी-3
11.बलिदानी-3
12.कार्य करने वाला-3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना-2,3
14.पानी, जल-2
15.निर्माण करने वाला-5
21.प्रकार-3
22.उम्मीद, आशा-2
24.भिखारी-3
26.ख्यात,प्रसिद्ध-4
27.मदिरापान-4
28.मदद,आराम-3
30.इससे कच्ची शराब बनती है-3
31.उस समय-2
32.नागालैंड की एक जाति-2
34.अधर, होठ-2

शब्द पहेली- 5994 का हल

ना	म	क	मा	ना	■	स	म	झ	दा	र
म	■	र	ह	म	■	म	द	न	■	म
र	त	■	■	ची	■	झो	■	■	या	णी
ख	स	■	ना	न	ख	ता	ई	■	रा	य
ना	ला	य	क	■	त्म	■	मा	त	ह	त
■	■	■	क	था	■	का	न	■	■	■
प	न	घ	ट	■	आ	■	दा	न	वी	र
व	र	■	ना	ना	स	सु	र	■	र	वि
न	म	■	■	म	■	चा	■	■	ता	न
सु	■	आ	स	व	■	ल	ह	र	■	य
त	ल	ब	गा	र	■	न	क	ब	ज	न

सूडोकु नवताल - 6005
★★★★★ कठिनतम

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6004 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

हिन्दुस्तान उर्वरक रसायन लि. व एग्रोफोस इंडिया लि. का विक्रेता सम्मेलन

इंदौर। हिन्दुस्तान उर्वरक रसायन लिमिटेड के विक्रेता सम्मेलन में कंपनी के प्रबंध संचालक श्री मोहंती विशेष रूप से उपस्थित हुए।

इस अवसर पर उन्होंने उर्वरक उद्योग के वर्तमान परिदृश्य पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि बदलते समय में तकनीकी नवाचार और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। साथ ही उन्होंने कंपनी की भविष्य की योजनाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि किसानों को समय पर उच्च गुणवत्ता वाले उर्वरक उपलब्ध कराना, अनुसंधान एवं विकास पर बल देना तथा विपणन नेटवर्क को और सशक्त बनाना कंपनी की प्राथमिकताएँ रहेंगी। इस अवसर पर एग्रोफोस इंडिया लि. के प्रबंध निदेशक राजकुमार सुहाने तथा मार्केटिंग डायरेक्टर श्री अभय सुहाने विशेष रूप से उपस्थित रहे। श्री तुलसी फॉस्फेट के एमडी श्री विनोद सुहाने ने विक्रेता बंधुओं को विशेष जानकारी प्रदान की।

छत्तीसगढ़ ही नहीं ओडिशा और एमपी के 'आयुष्मान' मरीजों के इलाज में भी गड़बड़झाला

रायपुर। निजी अस्पतालों में आयुष्मान स्वास्थ्य योजना में छत्तीसगढ़ ही नहीं, ओडिशा और मध्यप्रदेश के मरीजों के इलाज में भी गड़बड़झाला किया जा रहा है। शिकायत सामने आई है कि कुछ अस्पतालों द्वारा वहां के मरीजों के इलाज के नाम पर गलत पैकेज ब्लॉक किया गया था। इस मामले में ओडिशा की टीम ने दुर्ग और रायपुर के कुछ अस्पतालों में जाकर अपनी जांच कर ली है और एमपी की टीम आने की तैयारी में है। जांच टीम द्वारा ब्लाकिंग पैकेज के अलावा चिकित्सकीय स्टाफ और अस्पताल में मौजूद सुविधाओं के बारे में भी जानकारी ली गई है।आयुष्मान स्वास्थ्य सहायता योजना के हितग्राहियों के इलाज में फ्राड क्लेम के मामले में छत्तीसगढ़ चौथे स्थान पर है। विभागीय व्यवस्था दुरुस्त नहीं होने की वजह से इस गड़बड़ी पर पूरी तरह लगाम नहीं लग पा रही है। राज्य में इस योजना के हितग्राहियों के इलाज के दौरान गलत पैकेज की ब्लाकिंग अथवा अतिरिक्त राशि लिए जाने की शिकायत सामने आती रहती है। इसके साथ ही पड़ोसी राज्यों से इलाज के लिए यहां आने वाले मरीजों को भी नहीं बख्शा जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक राज्य के कुछ अस्पतालों में ओडिशा के साथ मध्यप्रदेश के आयुष्मान हितग्राहियों के इलाज के नाम पर काफी संख्या ब्लाकिंग हुई है। इसमें इस बात का संदेह भी है कि कई मरीजों को जरूरत के बिना भी गंभीर बीमारियों का इलाज किए जाने का दावा किया गया है। इस आधार पर कुछ दिन पहले ओडिशा की जांच टीम ने राजधानी की दो और दुर्ग के एक निजी अस्पताल में जाकर जांच की है। वहां इलाज के लिए पहुंचे मरीजों और की गई ब्लाकिंग के साथ योजना में इंपैनल्ड होने निर्धारित नियमों के साथ मौजूदा चिकित्सकीय स्टाफ तथा अन्य संसाधनों के बारे में जानकारी लेकर गई है।

दिव्यांजन आरक्षण का पालन नहीं कर रही है सरकार: हाईकोर्ट

बिलासपुर। केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2016 से दिव्यांगजनों के अधिकार अधिनियम में बड़ा बदलाव कर दिया है। छत्तीसगढ़ सरकार इस पर अमल ना करते वर्ष 2014 के नियमों व अधिनियमों के अनुसार दिव्यांगजनों को आरक्षण दे रही है। राज्य सरकार के इस निर्णय को चुनौती देते हुए डॉ रितेश तिवारी ने अधिवक्ता संदीप दुबे व ज्योति चंद्रवंशी के जरिए हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। मामले की सुनवाई के बाद चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस बीड़ी गुरु की डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने का निर्देश दिया है।

याचिका के मुताबिक डॉ रितेश तिवारी आयुर्वेद स्नातक है और छत्तीसगढ़ में बीएल कैटेगरी के तहत नौकरी की पात्रता रखते हैं। उन्होंने अपनी याचिका में कहा है कि छत्तीसगढ़ में वर्ष 1995 के अधिनियम के तहत दिव्यांगों को आरक्षण दिया जा रहा है। इस अधिनियम में तीन कैटेगर में पांच प्रकार के दिव्यांगता का उल्लेख है। इसी आधार पर चिन्हांकित तीन कैटेगरी के दिव्यांगों को ही शासकीय सेवा में आरक्षण का लाभ दिया जा रहा है। वर्ष 2016 में पार्लियामेंट ने दिव्यांगजनों के अधिकार अधिनियम में बड़ा बदलाव कर दिया है।

- राज्य सरकार को नोटिस जारी कर मांगा जवाब, चार सप्ताह की दी मोहलत

सिर्फ 5 कैटेगरी में दे रहे आरक्षण

आरक्षण सुविधा के लिए 17 कैटेगरी को शामिल किया है लेकिन सभी नियुक्तियों में पूर्व के अधिनियम के अनुसार सिर्फ 5 प्रकार के दिव्यांगता को ही चिन्हांकित कर आरक्षण का लाभ दिया जा रहा है। यह पार्लियामेंट द्वारा पारित अधिनियम और बनाए गए कानून का पर उल्लंघन है। याचिका में गया कि नए अधिनियम के तहत समय-समय पर राज्य सरकार द्वारा भर्ती के लिए निकाले जाने वाले विज्ञापन में पदों के अनुसार दिव्यांगजनों को आरक्षण देने के लिए अब तक कमेटी का गठन नहीं किया गया है और ना ही पद चिन्हांकित किया गया है। दिव्यांगजनों को सरकारी नौकरी में आयु सीमा में भी छूट नहीं दी जा रही है। साथ ही रिक्त पदों को अगले वर्ष के लिए कैरी फॉरवर्ड भी नहीं किया जा रहा है। यह दिव्यांगजनों के साथ भेदभाव का मामला है।

सिविल जज भर्ती, अवकाश के दिन हाईकार्ट में हुई सुनवाई

अवकाश के दिन हाईकोर्ट ने सुनवाई करते हुए याचिकाकर्ता को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने सिविल जज भर्ती प्रारम्भिक परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र जारी करने का निर्देश राज्य लोक सेवा आयोग को दिया है। दरअसल आयोग ने स्टेट बार काउंसिल में नामांकन नहीं होने के कारण याचिकाकर्ता एडीपीओ का प्रवेश पत्र रोक दिया था। आवेदिका दुर्गेश नंदिनी रायपुर निवासी जो सहायक लोक अभियोजन अधिकारी के पद पर रायपुर न्यायालय में कार्यरत है ने सिविल जज भर्ती हेतु आवेदन किया है। यह परीक्षा 21 सितंबर को होनी है। छत्तीसगढ़ राज्य लोक सेवा आयोग रायपुर ने याचिकाकर्ता को प्रवेश पत्र इस आधार पर जारी नहीं किया कि वह राज्य स्टेट बार काउंसिल में एडवोकेट के रूप में नामांकित नहीं है। इस कार्यवाही को दुर्गेश नंदिनी ने अपने अधिवक्ता आरएस पटेल एवं आशीष साहू के माध्यम से एक रिट याचिका हाईकोर्ट में प्रस्तुत कर चुनौती दी। शनिवार को अवकाश के दिन हाईकोर्ट में न्यायमूर्ति नरेन्द्र कुमार व्यास की बेंच में इसकी सुनवाई हुई। सुनवाई के पश्चात हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश उर्वशी कौर एवं अन्य के आधार पर राज्य पी.एस.सी. को आदेशित किया कि तत्काल प्रवेश पत्र जारी करे ताकि याचिकाकर्ता रविवार को होने वाली सिविल जज परीक्षा में उपस्थित हो सके।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids सुनाई मशीन • Dental/ दंत रोग • मुख के कैंसर प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर

सभी प्रकार की एलर्जी — डेंटल सुविधा भी उपलब्ध..
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
Vrinda Multispeciality Hospital — Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604

मोतियाबिंद — आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल — आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल — डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA — भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

HMS साईटिका तेल — शिव सायटिका — सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डियों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है — HMS देखकर खरीदें
असली केंदवा मलहम — दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें। 94060-21769

हरिभूमि — छत्तीसगढ़ के डायग्नोस्टिक सेन्टर — THE DIAGNOSTIC CARE
दि अमेरिकन लेबोरेटरी अ सुपरस्पेसिलिटी डायग्नोस्टिक
Lab Care Diagnostics — लैब केयर डायग्नोस्टिक्स — Mo.: 9826725383 — 50% डिस्काउंट के साथ

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- शाकाहारी भोजन बनाने हेतु कुक, हेल्पर, रूम सर्विस हेतु अनुभवी वेटर्स, सेक्युरिटी गार्ड, हाउस कीपिंग हेतु लड़के चाहिए संपर्क करें सुबह 8 से 12 बजे तक हॉटल शिवनेरी लिंकरोड बिलासपुर (38742)

आवश्यकता है- आफिस कार्य, बिलिंग, प्रोडक्ट मैनैजमेंट हेतु अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर चाहिए योग्यता डीसीए, बीसीए वेतन योग्यता अनुसार बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- शिवा इन्टरप्राइजेस अरपा काम्प्लेक्स पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 9893081826 (38743)

आवश्यकता है- बिलासपुर एवं आसपास के शहरों में आने जाने के लिए 10वीं, 12वीं पास नशा मुक्त, सभ्य, लाइसेंसी कार ड्राइवर चाहिए सम्पर्क करें- रामा लाइफ सिटी सकरी बिलासपुर 9893081826, 7067124226 (34744)

आवश्यकता है- (1) सिविल साइट सुपरवाइजर, इंजीनियर (autocad, structural knowledge साइट चलाने योग्य) (2) ऑफिस, साइट, रजिस्ट्री, राजस्व विभाग डायवर्सन नामांतरण, नगर निगम संबंधी कार्य हेतु अनुभवी मैनेजर चाहिए सम्पर्क- 9770770000, 98270 72000 (38746)

आवश्यकता है- ज्वेलरी शॉप में (1) सेल्समैन/ सेल्सगर्ल 4पद (2) बिलिंग हेतु- 2पद (4) HR- 1पद (5) कैशियर- 1पद वेतन 10000 से 20000 योग्यता अनुसार। अनुभवी ही सम्पर्क करें- Kamla सतीश्री ज्वेलर्स हनुमान मन्दिर के बगल में (बर्तन लाइन में) सदर बाजार मेन रोड, बिलासपुर 9827174256, 9907901110 (कृपया कॉल करके आयें) (38739)

आवश्यकता है- मैन्स, किड्स वियर, कुर्ती, साड़ी हाउस में सेल्समैन, सेल्सगर्ल, हेल्पर, कम्प्यूटर ऑपरेटर चाहिए। सैलरी+ हर बिक्री पर 1% कमीशन मिलेगा। पता- पुराने बस स्टैण्ड के पास करबला रोड बिलासपुर 7566285241 (38747)

आवश्यकता है- अदी अम्मा ब्लीस गद्दा कम्पनी में मार्केटिंग हेतु एक सेल्समैन की आवश्यकता है हमारे यहा ईपी शीट, फोम, गद्दा बिक्री किया जाता है। अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 7000741120, 8319402577 (38748)

आवश्यकता है- बसंत साड़ी सेंटर में कार्य करने हेतु अनुभवी स्टोर मैनेजर, फ्लोर मैनेजर, कैशियर ,HR(फ्रेशर भी कर सकते हैं) की आवश्यकता है। वेतन योग्यताअनुसार बायोडाटा सहित संपर्क करें। सुबह 11 बजे, बसंत साड़ी सेंटर, सदर बाजार, बिलासपुर 83052-84014, 79870-65573 (38736)

आवश्यकता है- होलसेल दवाई दुकान में कार्य करने के लिए लड़की/ लड़कों एवं ड्राइवर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- के.एस. एजेन्सीज, मेडिकल काम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर (38749)

आवश्यकता है- सुबह से शाम तक घर में सात्विक शाकाहारी खाना बनाने हेतु लड़की की आवश्यकता है। शिक्षा 12वीं वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- वी-18, रामा लाइफ सिटी सकरी बिलासपुर 9893081826, 8319817966 (38731)

आवश्यकता है- न्यू डेविल चश्मा दुकान में काम करने हेतु लड़के की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- न्यू डेविल चश्मा सिम्स हॉस्पिटल के सामने बिलासपुर 9098444923 (38720)

आवश्यकता है- डिपार्टमेंटल स्टोर में स्टोर मैनेजर (वेतन 15000- 20000) सेल्समैन (वेतन 8000- 12000) सेल्सगर्ल (वेतन 5000- 8000) चाहिए। अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- फीलिंग्स, अपोजिट अम्बा फ्यूल्स तारबाहर रोड, बिलासपुर 8982278005 (38727)

आवश्यकता है- फर्नीचर शोरूम में काम करने के लिए लड़के की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- मित्तल फर्नीचर अमेरी चौक रिंग रोड नम्बर 2 बिलासपुर 9752855538 (38723)

आवश्यकता है- हेवी मीडिया कोल वाशरी में (1) अनुभवी ड्राइवर ट्रिप टेलर BS6 5540/ 4625 हेतु 40 पद, (2) अनलोडिंग सुपरवाइजर 3 पद (3) डिस्पैच सुपरवाइजर 3 पद (4) ट्रांसपोर्ट मैनेजर, इंचार्ज, सुपरवाइजर 3 पद (5) रेक लोडिंग सुपरवाइजर/ इंचार्ज 2 पद (6) बेल्ट प्रेस ऑपरेटर 2 पद (7) वाशरी ऑपरेटर 2 पद (8) फिटर एंड वेल्डर 2 पद की आवश्यकता है सम्पर्क- 9340061365, 8815104587 पता- CP&CBL बिलासपुर छत्तीसगढ़ (38729)

आवश्यकता है- अनुभवी रिसेपशनिस्ट (हॉस्पिटल मैनेजमेंट) अनुभवी PRO (फील्ड वर्क) अनुभवी फार्मासिस्ट (मेडिकल स्टोर हेतु), X-RAY टेक्नीशियन कोटा, सीपत, सरगांव हेतु। पता- प्रभा हॉस्पिटल, महामाया चौक, रतनपुर रोड लोधीपारा सरकंडा बिलासपुर 74709 46314 (38734)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने हेतु सेल्समैन चाहिए अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यतानुसार बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- गजानंद ग्लास, लक्ष्मी मेडिकल एवं मानसरोवर लॉज के पास, गोल बाजार चौक बिलासपुर 86684 08178 (38733)

आवश्यकता है- कम्प्यूटर ऑपरेटर की जिनको बेसिक नॉलेज हो एक्सेल और बिलिंग वर्क हेतु और साथ ही लड़कों की आवश्यकता है जिनके पास खुद की गाड़ी हो और बिलासपुर शहर के सभी रोड की जानकारी हो पता- Shikha silk bilaspur 9981531694 (38732)

आवश्यकता है- घरेलू कार्य करने के लिए एक महिला एक पुरुष, माली एवं दो गार्ड की आवश्यकता है सम्पर्क करें- मगरपारा बिलासपुर 76940 06589 (38728)

आवश्यकता है- शुद्ध शाकाहारी एवं मांसाहारी भोजन बनाने हेतु मिस्त्री, दो हेल्पर साफ सफाई हेतु, एक बाई झाड़ू पूछा बर्तन करने हेतु चाहिए रहने खाने की सुविधा दी जाएगी। सम्पर्क करें- 93028 55022 (38735)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु कम्प्यूटर अनुभवी एकाउंटेंट एवं फ्लाई एश ब्रिक्स कारखाने में मुंशी एवं चौकीदार की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- अदिति फ्लाई एश ब्रिक्स कोपरा रोड बेलमुण्डी 98274 75898, 8234078440 (38721)

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित कम्पनी में कार्य करने हेतु सेल्समेन, डिलीवरी ब्वाय, टेली कम्प्यूटर आपरेटर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। सम्पर्क- मातुश्री ट्रेडिंग कम्पनी गुम्बर पेट्रोल पम्प के सामने व्यापार विहार रोड बिलासपुर (38715)

आवश्यकता है- रियल स्टेट ऑफिस में ऑफिस कार्य एवं मार्केटिंग हेतु 18 से 23वर्ष की लड़कियां चाहिए योग्यता 12वीं से ग्रेजुएट वेतन 6000 से 12000 समय सुबह 10:30 से शाम 7:30 lunch included सम्पर्क- स्वप्निल बिल्ड रियल स्टेट 9302822476, 7415558455 (38706)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य के लिए अतिशीघ्र आवश्यकता है 10वी 12वीं पास युवको के लिए जो ग्वालियर में रह कर काम कर सके वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस रहना फ्री, प्रमोशन+ ट्रेनिंग के बाद कमाए 15 से 20हजार महीना सम्पर्क करें- 9039470547, 78692 96951 (415)

आवश्यकता है- दुकान में कार्य करने के लिए कुशल कर्मचारी और अनुभवी ड्राइवर की तत्काल आवश्यकता है सम्पर्क करें- पलक पायल आर.के. बूट हाउस गली मेन रोड तेलीपारा बिलासपुर 7987524449, 93026 55588 (38725)

आवश्यकता है- मोबाइल दुकान मे काम करने हेतु अनुभवी लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार समय सुबह 10बजे से रात 9बजे तक सम्पर्क करें- 9827491999 (38724)

आवश्यकता है- साड़ी, रेडीमेड दुकान में कार्य हेतु लड़कों/ लड़कियों एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर,एकाउंट की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- शिव क्लॉथ स्टोर बिलासा चौक शनिचरी बाजार बिलासपुर 9827916580, 98278 87934 (38702)

आवश्यकता है- ऑफिस में टेलीकॉलिंग कार्य हेतु लड़कियों की आवश्यकता है योग्यता 10वी 12वीं एवं ग्रेजुएट उम्र 18-30, समय 10 से 5:30 वेतन 5000 से 20000 योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- नियर मैग्नेटो मॉल साईं मंदिर बिलासपुर 8817571731 (283)

आवश्यकता है- रिटेल दवाई दुकान में कार्य हेतु योग्य लड़के एवं लड़कियों की तुरंत आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार तुरंत संपर्क करें:- सलुजा स्किन क्लिनिक मंदिर चौक जरहाभाठा बिलासपुर (280)

आवश्यकता है- ऑफिस में कार्य हेतु 18 से 30 वर्ष की युवतियों, महिलाओं की आवश्यकता है सैलरी 5000 से 20000 कमाने का अवसर सम्पर्क करें- श्रीराम केयर हॉस्पिटल के पीछे गीतांजलि विहार 6268331784, 79873 92821 (282)

आवश्यकता है- ऑनलाइन कॉस्मेटिक सामान के पार्सल पैकिंग कार्य हेतु 5 लड़के, 5 लड़कियों की आवश्यकता है, वेतन 8000/- कार्य समय 10.00 से 8.00, संपर्क:- पाहवा इंटरप्राइजेज गोल्डन बार के पीछे व्यापार विहार बिलासपुर 8109167000 (286)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु लड़कियों एवं महिलाओं की आवश्यकता है उम्र 18 से 30 साल तक संपर्क करे देवकी नंदन चौक बिलासपुर ऑफिस टाइम 10 से की 5:30 बजे मो. 98932 71728 (287)

आवश्यकता है- अर्जेंट भर्ती वन सुरक्षा को जिला अनुसार लड़के लड़कियों की आवश्यकता पद संख्या 790 वन रक्षक फील्ड ऑफिसर माली वन सिपाही सैलरी 27500+ 56500 पढ़ाई 8वी से स्नातक रहना+ खाना की सुविधाएं आवेदन करने हेतु आधार कार्ड मार्क शीट फोटो व्हाट्सएप करे- सचिन शर्मा 7054311719 (1169)

शैक्षणिक

शैक्षणिक- मैट्स विश्व विद्यालय मुक्त दूरवर्ती ऑन लाइन एजुकेशन शासकीय सेवा में मान्य, डीसीए, पीजीडीसीए, बीसीए, एमसीए, बीए, एमए, बीकॉम, एमकॉम, बीबीए, एमबीए, बीलिब, इनफॉर्मेशन सेन्टर- राजेन्द्र नगर चौक, बिलासपुर 95160 36581, 8959264581 (38718)

बेचना

बेचना है- देवरीखुर्द मंगल विहार कालोनी में न्यू कंस्ट्रक्शन 3BHK डबल मंजिल मकान शानदार लोकेशन कार पार्किंग 3 बेडरूम हॉल किचन बालकनी कीमत 35 लाख में बेचना है सम्पर्क करें- 9301227779 (38751)

बेचना है- कोटा रोड, रायपुर, दिशा कॉलेज के पास, रेलवे स्टेशन से मात्र 1 किलो मीटर व एम्स से मात्र 2 किलो मीटर की दूरी पर नव निर्मित सोसाइटी में 2BHK 3BHK फ्लैट्स बेचना है सम्पर्क करें- 9238925953 (13)

बेचना है- हर्षफिनिक्स सिटी पूर्ण विकसित कालोनी वार्ड49 बीआर यादव नगर, बिजौर बिलासपुर विभिन्न साइज लेआउट प्लाट, 2/3/4BHK डुप्लेक्स बंगलो, 2/3BHK अफोर्डेबल फ्लैट टाउनकंट्री रेरा रजिस्टर्ड। सम्पर्क- एसके बिल्डर्स & डेवलपर्स 88394 55596, 7697644444 (38649)

बेचना है- दुकान का सेटअप ग्लास, प्लाई से बना हुआ रैक काउन्टर बेचना है। मोबाइल दुकान, दवाई दुकान, कपड़ा दुकान इत्यादि के लिए उपयुक्त है सम्पर्क करें- 8103450537 (38753)

बेचना है- बिलासपुर नगर निगम अन्तर्गत TNC स्वीकृत कालोनी में प्लाट बेचना है (1) मोपका घी कुण्ड तालाब के बगल में श्री जेपी विहार कालोनी में 1000 वर्गफुट (2) मंगला दीनदयाल कालोनी के पीछे 1100 वर्गफुट (3) रतनपुर मुख्य मार्ग में बिरकोना मोपका बाइपास रोड पर बालाजी सिटी कालोनी में 1250 वर्गफुट (4) हेमू नगर जीनत ग्रीन विहार कालोनी के पास 1000 वर्गफुट। नामांतरण फ्री, डायरेक्ट मालिक से बैठक, कोई ब्रोकरेज शुल्क नहीं सम्पर्क- 9893266152 (38730)

बेचना है- 27 खोली 1900 वर्गफुट में डबल मकान, दिल्ली IAS एकेडमी के पास डबल स्टोरी 3BHK, उषा टावर, 2BHK फ्लैट, यदुनंदन नगर 40×50 प्लॉट बेचना है ब्रोकर क्षमा। सम्पर्क जायसवाल बिल्डकॉन 9827199318 (38752)

बेचना है- व्यापार विहार में सेमी कमर्शियल डबल मंजिल दुकान मेन रोड से 100 मीटर दूरी पर प्लॉट एरिया 234 वर्गफीट निर्माण 400 वर्गफीट कीमत 35लाख में बेचना है सम्पर्क करें- 9301227779 (38750)

बेचना है- बिलासपुर सिरगिट्टी के गोविन्द नगर में 3225 वर्गफीट और व्यापार विहार में दुकान के लिए एक प्लॉट बेचना है सम्पर्क करें- 9630083740, 97706 76030 (38722)

बेचना है- महाराणा प्रताप चौक साईं बाबा हॉस्पिटल के पास 2BHK मकान 22x45 ईस्ट फेसिंग 55 लाख में बेचना है लोन सुविधा उपलब्ध सम्पर्क करें-6265041277, 93299 40681 (270)

बेचना है- पूर्ण विकसित T&C एवं 80 परिवारों वाली कालोनी आर.के. रेसीडेन्सी तिफरा में दो मकान बेचने हैं। 2BHK 45 लाख एवं 3BHK 80लाख में। सम्पर्क करें- 9300989627 (38693)

किराया

किराया - व्यापार विहार, गुम्बर पेट्रोल पम्प के पीछे F-293 दुकान G+2, साइज 12.5×30, 1125 वर्गफुट किराये से देना है सम्पर्क करें- 9303508203 (38745)

किराया- महाराणा प्रताप चौक के पास, प्रियदर्शनी नगर में दुर्गा मन्दिर के सामने सर्व सुविधा युक्त ए-49 मकान किराए से देना है। सम्पर्क करें- 98934 70141 (38726)

किराया - मुंगेली रोड में ग्रीन गार्डन नीलगिरी अपार्टमेंट में रिनोवेटेड 3 बेडरूम का फ्लैट सर्वेंट क्वार्टर सहित किराये पर देना है बैंक, सर्विस क्लास को प्राथमिकता। किराया 20000/- सम्पर्क करें- 7023445244 (38738)

किराया- लिंगियाडीह राजकिशोर नगर रेड चिल्ली के पास HDFC बैंक के बगल से 28×100 वर्गफुट का एक हॉल फर्स्ट फ्लोर में किराये से देना है सम्पर्क करें- 9827165884, 98271 70147 (38741)

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए- बंगाली डायवोसी विदुर 40/5'3" इलेक्ट्रिकल कॉन्टैक्टर प्रतिमाह इनकम- 50000/- हेतु वधु चाहिए। जातिबंधन नहीं ,बच्चे वाले संपर्क ना करें (मैरिज ब्यूरो क्षमा करें) मो.- 9826294381, 93890 24361 (671)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल कामलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

पहले राउंड के बाद शीर्ष 20 में अदिति

रोजर्स। भारत की अदिति अशोक ने वॉलमार्ट एनडब्ल्यू अर्कांसस चैंपियनशिप में पहले दौर में बोगी रहित पांच अंडर 66 का स्कोर बनाया और वह संयुक्त 18वें स्थान पर हैं। सारा श्मेलजेल और मिनामी कात्सु ने पिनेकल कंट्री क्लब में आठ अंडर 63 का स्कोर बनाकर पहले राउंड के अंत में संयुक्त बढ़त बना ली। अदिति ने पहले नौ होल पर दो बर्डी के साथ शुरुआत की और 13वें, 15वें और 18वें होल पर भी बर्डी बनाकर दिन में अपनी बर्डी की संख्या पांच तक पहुंचाई। कनाडा की भारतीय मूल की खिलाड़ियों में सवाना ग्रेवाल ने अपने पहले राउंड में तीन अंडर 68 का स्कोर बनाया और संयुक्त 45वें स्थान पर रहीं, जबकि गुरलीन कौर ने एक अंडर 70 का स्कोर बनाया और वह संयुक्त 86वें स्थान पर है।

ला सेला ओपन : हिताशी और प्रणवी ने कट में बनाई जगह

एलिकांटे (स्पेन)। भारतीय खिलाड़ियों में केवल प्रणवी उर्स और हिताशी बख्शी ही स्पेन में ला सेला ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के कट में जगह बना सकी, जबकि कनाडाई किशोरी अन्ना हुआंग ने बोगी-मुक्त छह-अंडर 66 के साथ शीर्ष पर तीन शॉट की बढ़त बना ली।

हिताशी ने पहले राउंड में 72 के बाद दूसरे राउंड में एक ओवर 73 का स्कोर बनाया और अब वह 36 होल तक एक ओवर के स्कोर के साथ संयुक्त 36वें स्थान पर हैं,

जबकि प्रणवी (73-73) संयुक्त 47वें स्थान पर हैं। रिधिमा दिलावरी (75-72) एक शॉट से कट से चूक गईं। उनके अलावा अवनि प्रशांत (78-70), दीक्षा डागर (73-75), वाणी कपूर (78-71) और त्वेसा मलिक (71-78) भी कट से चूक गईं, जो दो ओवर पर गया।

फेडेक्स ओपन

गोल्फर अहलावत और शुभंकर कट से चूके

पेरिस। भारतीय गोल्फर वीर अहलावत और शुभंकर शर्मा गोल्फ डे सेंट-नोम-ला-ब्रेटेचे में आयोजित किए जा रहे फेडेक्स ओपन डी फ्रांस में कट से चूक गए। अहलावत ने दूसरे राउंड में दो ओवर 73 का स्कोर बनाया, जिससे वह कट हासिल करने में नाकाम रहे। शर्मा (74-71) भी कट से चूक गए। लगातार चार प्रतियोगिताओं में कट में जगह बनाने के बाद अहलावत डीपी वर्ल्ड टूर में कट से चूक गए। कट इवन पार पर निर्धारित किया गया था जबकि अहलावत (71-73) दूसरे राउंड के बाद दो ओवर पार पर थे। अहलावत ने अपने दूसरे राउंड में तीन बोगी, चार बर्डी और एक ट्रिपल बोगी लगाई। इस बीच मार्कस आर्मिटेज ने दूसरे राउंड में तीन अंडर 68 का स्कोर बनाकर दो स्ट्रोक की बढ़त बरकरार रखी है।

खबर संक्षेप

सुपर चार में बांग्लादेश के खिलाफ खेलेंगे वेल्लालगे

दुबई। अपने पिता के निधन के कारण स्वदेश लौटने वाले श्रीलंका के हरफनमौला खिलाड़ी दुनिथ वेल्लालगे वापस टीम से जुड़ गए हैं और शनिवार को बांग्लादेश के खिलाफ एशिया कप सुपर 4 मैच में चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। वेल्लालगे के पिता सुरंगा का गुरुवार रात को 54 वर्ष की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। उसी दिन इस 22 वर्षीय स्पिनर ने अफगानिस्तान के खिलाफ श्रीलंका के ग्रुप बी लीग मैच में हिस्सा लिया था। इस युवा खिलाड़ी को मैच के बाद ही अपने पिता के निधन की खबर पता चली और वह जल्द से जल्द उपलब्ध उड़ान से कोलंबो वापस आ गया। वह शुक्रवार रात टीम मैनेजर महिंदा हालंगोडे के साथ यूएई लौट आया।

सुपर 4 मैच में पाइक्रॉफ्ट ही होंगे मैच रैफरी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले एशिया कप सुपर 4 के मैच की जिम्मेदारी फिर अपने एलीट पैनल के मैच रैफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट को सौंपी है जबकि पीसीबी ने बार बार उन्हें हटाने का अनुरोध किया था।

टूर्नामेंट के एक सूत्र ने बताया, 'एंडी पाइक्रॉफ्ट भारत और पाकिस्तान के मुकाबले के लिए मैच रैफरी हैं।' इसके बाद पाकिस्तान टीम प्रबंधन ने सुपर 4 मुकाबले से पहले मीडिया से बातचीत नहीं करने का फैसला किया। रविवार के मैच के लिए मैच अधिकारियों की सूची अब भी सार्वजनिक नहीं की गई है। टूर्नामेंट में दूसरे मैच रैफरी वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान रिची रिचर्डसन हैं। भारतीय टीम ने पिछले रविवार को नीतिगत फैसले के अंतर्गत पाकिस्तानी टीम से हाथ नहीं मिलाया था और इस मुकाबले में पाइक्रॉफ्ट मैच रैफरी थे। लेकिन पाइक्रॉफ्ट उस समय विवाद के केंद्र में आ गए जब भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस के समय परंपरा का पालन नहीं किया।

विश्व कप में स्वछंदता से खेलना अहम : सना

दुबई। पाकिस्तान की महिला टीम की कप्तान फातिमा सना ने कहा कि उनकी टीम आगामी आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें साझेदारियां बनाने के साथ स्वछंदता से खेलना महत्वपूर्ण होगा।

आठ टीम वाला यह विश्व कप 30 सितंबर से 2 नवंबर तक श्रीलंका और भारत में आयोजित किया जाएगा। पाकिस्तान की टीम अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलेगी और अपने अभियान की शुरुआत 2 अक्टूबर को बांग्लादेश के खिलाफ करेगी। इसके बाद पाकिस्तान का सामना पांच अक्टूबर को भारत से, आठ अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से, 15 अक्टूबर को इंग्लैंड से, 18 अक्टूबर को न्यूजीलैंड से, 21 अक्टूबर को दक्षिण अफ्रीका से और 24 अक्टूबर को मेजबान श्रीलंका से

एशिया कप : मैच आज रात 8 बजे से

महामुकाबला आज : सुपर 4 में पाकिस्तान पर दबदबा कायम रखने उतरेगी टीम इंडिया

एजेंसी ▶▶| दुबई

दोनों टीमों में बढ़ते तनाव के बीच भारत जब रविवार को एशिया कप सुपर 4 के मैच में पाकिस्तान का सामना करेगा तो उसका लक्ष्य अपनी स्पिन तिकड़ी के दम पर अपने इस चिर प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ एक और प्रभावशाली जीत दर्ज करना होगा। भारत और पाकिस्तान की टीम जब आमने-सामने होती हैं तो उनके खिलाड़ियों के बीच तनाव बना रहता है लेकिन इस बार यह नए स्तर पर पहुंच गया है। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और उनके साथियों ने पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में पाकिस्तानी खिलाड़ियों के साथ हाथ मिलाने से इनकार कर दिया था, जिससे नया बवाल पैदा हो गया। ऐसा समझा जाता है कि भारतीय टीम इस रविवार को भी पड़ोसी देश के खिलाफ इसी नीति को जारी रखेगी तथा हाथ मिलाना भी संभवतः आम बात नहीं होगी, क्योंकि पाकिस्तानी खिलाड़ी और उनके समर्थक इस मैच को ''द्वेषपूर्ण मैच'' के रूप में देख रहे हैं।

बुमराह और चक्रवर्ती की मैच में वापसी

पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले सूर्यकुमार को टीम के सभी महत्वपूर्ण खिलाड़ियों को परखने की जरूरत थी। पूरी संभावना है कि तेज गेंदबाज हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह अंतिम एकादश में शामिल नहीं होंगे, क्योंकि ओमान के 43 वर्षीय बल्लेबाज आमिर कलीम और हम्माद मिर्जा जैसे कम चर्चित खिलाड़ियों ने इस जोड़ी की जमकर धुनाई की। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की पाकिस्तान के खिलाफ मैच में वापसी होगी। इन दोनों को ओमान के खिलाफ मैच में विश्राम दिया गया था। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम की पिचें धीमी गेंदबाजों के लिए मददगार हैं और एक बार फिर से कुलदीप यादव (टूर्नामेंट में अब तक आठ विकेट), अक्षर और वरुण पर जिम्मेदारी होगी कि वे निर्णायक रूप से भारत के पक्ष में पलड़ा झुकाएं। अगर अक्षर फिट नहीं हो पाते हैं तो उनकी जगह वाशिंगटन सुंदर या रियान पराग को मिल सकती है।

पाकिस्तानी खिलाड़ियों की तकनीक खराब

पाकिस्तान की टीम अप्रत्याशित प्रदर्शन करने के लिए मशहूर रही है लेकिन वर्तमान टीम कमजोर नजर आ रही है विशेष कर बल्लेबाजी विभाग में। उसके बल्लेबाज अभी तक स्पिन गेंदबाजों को समझने में नाकाम रहे हैं। पाकिस्तान के लिए यह शर्मनाक बात है कि उसके वर्तमान खिलाड़ियों की तकनीक काफी खराब है।

सलामी बल्लेबाज सैम अयूब, जो लगातार दो बार शून्य पर आउट हुए, गेंद से अधिक प्रभाव डालने के कारण उपहास का विषय बन गए हैं क्योंकि उन्होंने टूर्नामेंट में रन बनाने की तुलना में अधिक विकेट लिए हैं।

साहिबजादा फरहान, हसन नवाज और शाहीन शाह अफरीदी ही टीम में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज नजर आ रहे हैं।

सूर्यकुमार लौटेंगे अपने चिरपरिचित स्थान पर

संजू सैमसन ने ओमान के खिलाफ अर्धशतक बनाया था, लेकिन अगर दाएं हाथ के बल्लेबाज शुभमन गिल जल्दी आउट हो जाते हैं तो पाकिस्तान के खिलाफ उनके तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने की संभावना कम है। कप्तान सूर्यकुमार फिर से अपने चिरपरिचित स्थान पर लौटेंगे, जिसने उन्हें विश्व का नंबर एक बल्लेबाज बना दिया है।

एशिया कप सुपर-4: बांग्लादेश की शानदार जीत, श्रीलंका को 4 विकेट से हराया

दुबई। एशिया कप के सुपर-4 के पहले मैच में बांग्लादेश ने श्रीलंका को 4 विकेट से हराते हुए शानदार जीत दर्ज की। दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर के बाद 168/7 का स्कोर बनाया था।

जवाब में बांग्लादेश की टीम 19.5 ओवर में 6 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। मैच में बांग्लादेश की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। श्रीलंका के लिए दासुन शनाका ने 64 रन की पारी खेली। उनके अलावा और कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल पाया। मुस्तफिजुर रहमान ने शानदार गेंदबाजी की और सबसे ज्यादा 3 विकेट चटकाए।

महेदी हसन ने 2 विकेट अपने नाम किए। जवाब में सैफ हसन (61) और तौहीद हृदोय (58) की पारियों ने बांग्लादेश को शानदार जीत दिला दी। शनाका ने मैच में 37 गेंदों का सामना किया और 64 रन बनाए। उनके बल्ले से 3 चौके और 6 छक्के निकले। उनकी स्ट्राइक रेट 172.97 की रही। यह उनके टी-20 अंतरराष्ट्रीय कॅरियर का छठा अर्धशतक रहा। बांग्लादेश के खिलाफ इस खिलाड़ी ने पहला ही अर्धशतक लगाया है। शनाका ने कप्तान चरिथ असलंका के साथ मिलकर सिर्फ 27 गेंदों में 57 रन की साझेदारी निभाई।

खास बात

- श्रीलंका के लिए शनाका ने खेली 64 रन की पारी

साइ ने स्टेडियमों का बढ़ाया किराया, कड़े किए नियम

नई दिल्ली। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने अपने स्टेडियमों को खेल प्रतियोगिताओं के लिए सही तरह से बनाए रखने के लिए इनमें होने वाले गैर खेल आयोजन के लिए शुल्क में बढ़ोतरी कर दी है और कड़े दंड का प्रावधान भी रखा है। दिल्ली में साइ के पांच आयोजन स्थल डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्विमिंग पूल कॉम्प्लेक्स, इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम और डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज हैं।

फैसला

मिलान-कॉर्टिना खेलों में अपने देश का प्रतिनिधित्व नहीं कर पाएंगे रूसी खिलाड़ी

एजेंसी ▶▶| मिलान

रूस के खिलाड़ियों को अगले वर्ष होने वाले मिलान-कॉर्टिना शीतकालीन खेलों में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी, लेकिन अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) ने कहा कि उसने कभी भी इजरायल पर प्रतिबंध लगाने पर चर्चा नहीं की।

आईओसी ने मिलान में कार्यकारी बोर्ड की बैठक के बाद पुष्टि की कि वह पिछले वर्ष पेरिस ओलंपिक खेलों में अपनाई गई प्रणाली का पालन करेगा, जिसके तहत रूस के खिलाड़ियों को व्यक्तिगत तटस्थ खिलाड़ी के रूप में प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति दी जाएगी।

आईओसी ने 2023 में रूस कर दिया था निलंबित

आईओसी अध्यक्ष क्रिस्टी कोवेंट्री ने कहा, 'हमने मिलान-कॉर्टिना खेलों में व्यक्तिगत तटस्थ खिलाड़ियों को लेकर बात की। कार्यकारी बोर्ड बिल्कुल वही दृष्टिकोण अपनाएगा, जो पेरिस ओलंपिक खेलों में अपनाया गया था। इसमें कुछ भी बदलाव नहीं हुआ है।' रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद आईओसी ने 2023 में रूसी ओलंपिक समिति को निलंबित कर दिया था। इसके बाद से ही रूस के खिलाड़ी विभिन्न प्रतियोगिताओं में व्यक्तिगत तटस्थ खिलाड़ी के रूप में भाग ले रहे हैं। इजरायल के गाजा में हमले के बाद उस पर भी इस तरह का प्रतिबंध लगाने की मांग की जा रही है।

चीन पैरा बैडमिंटन टूर्नामेंट : हुबैदा और एले की जोड़ी ने जीता कांस्य

एजेंसी ▶▶| बीजिंग

भारत के अबु हुबैदा और प्रेम कुमार एले की शीर्ष वरीयता प्राप्त पुरुष पैरा बैडमिंटन जोड़ी ने सेमीफाइनल में चीन के माई जियानपेंग और क्यू जिमो से 4-21, 10-21 से हारने के बाद यहां चीन पैरा बैडमिंटन अंतरराष्ट्रीय में डब्ल्यूएच1-डब्ल्यूएच2 वर्ग में कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी दो जीत और एक हार के साथ ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर रही थी। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के नांग न्गुयेन और चीनी ताइपे के यू यू ओंग की जोड़ी को 21-6, 21-10 से तथा भारत के हारिस मैथिली श्रीकुमार और चेक गणराज्य के जिबनेक सिकोरा की जोड़ी को 21-10, 21-12 से हराया। ग्रुप चरण में उन्हें एकमात्र हार (12-21, 9-21) जापान के डाइकी काजीवारा और कीता निशिमुरा के खिलाफ मिली। डब्ल्यूएच1-डब्ल्यूएच2 व्हीलचेयर पर निर्भर खिलाड़ियों के लिए है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी जूनियर महिला हॉकी टीम, ज्योति को कमान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

डिफेंडर ज्योति सिंह 23 सदस्यीय भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम का नेतृत्व करेंगी, जो 26 सितंबर से 2 अक्टूबर तक कैनबरा के राष्ट्रीय हॉकी केंद्र में होने वाले पांच मैचों में खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया की जूनियर महिला टीम के खिलाफ तीन मैच खेलेगी। इसके बाद वह आस्ट्रेलिया की हॉकी वन लीग में भाग लेने वाले क्लब कैनबरा चिल के खिलाफ दो मैच खेलेगी। यह दौरा एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप 2025 की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण होगा, जो दिसंबर में चिली के सैंटियागो में आयोजित किया जाएगा।

निधि और हर्षा रानी को गोलकीपिंग की जिम्मेदारी

भारतीय टीम में निधि और एंगिल हर्षा रानी मिंज गोलकीपिंग की जिम्मेदारी संभालेंगी, जबकि डिफेंस में मनीषा, ज्योति, लालथंतलुआंगी, ममिता ओरम, साक्षी शुक्ला, पूजा साहू और नंदनी शामिल हैं। मिडफील्ड में प्रियंका यादव, साक्षी राणा, खैदेम शिलेमा चानू, रजनी केरकेट्टा, बिनिमा धान, इशिका, सुनेलिता टोप्पो और अनिशा साहू जबकि फॉरवर्ड पंक्ति में लालरिनपुई, निशा मिंज, पूर्णिमा यादव, सोनम, कनिका सिवाच और सुखवीर कौर शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम में जगह बनाना चाहते हैं शर्मा, जेम्स और देशमुख

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

आर्यन शर्मा, जॉन जेम्स और यश देशमुख भले ही ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में बड़ा नाम कमाने का सपना देख रहे हों, लेकिन उन्होंने अपने मूल देश भारत के साथ संबंध नहीं तोड़ा है। आस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम की बहु-प्रारुपीय घरेलू श्रृंखला उनके लिए भारत के कुछ प्रतिभाशाली खिलाड़ियों से मिलने और विचारों का आदान-प्रदान करने का एक शानदार अवसर है। यह श्रृंखला रविवार से ब्रिस्बेन में शुरू होगी।

ऑस्ट्रेलियाई खेल संस्कृति के साथ तालमेल बिठाने हुई कठिनाई : जॉन

ऑलराउंडर जॉन जेम्स, जोमेश और स्मिता के पुत्र हैं, जो बेहतर करियर की तलाश में केरल के वायनाड से ऑस्ट्रेलिया चले गए थे, लेकिन शुरुआत में उन्हें ऑस्ट्रेलियाई खेल संस्कृति के साथ तालमेल बिठाने में कठिनाई हुई। जेम्स ने ब्रिस्बेन से कहा, 'मुझे लगता है कि मेरे सामने सबसे बड़ी चुनौती तब आई जब हम सिडनी से एक घंटे की दूरी पर सेंट्रल कोस्ट चले गए।

ऑस्ट्रेलियाई जीवन में ढलना नहीं था आसान : आर्यन

जेम्स की तरह ही चंडीगढ़ के रहने वाले बल्लेबाजी ऑलराउंडर आर्यन शर्मा को भी याद है कि ऑस्ट्रेलियाई जीवन में ढलना उनके परिवार के लिए आसान नहीं था। आर्यन ने कहा, 'मेरे पिताजी 2005 में ऑस्ट्रेलिया में बस गए।

उथल-पुथल भरे थे दिन : यश

यश देशमुख का परिवार महाराष्ट्र से ऑस्ट्रेलिया चला गया था और इस ऑलराउंडर ने बताया कि शुरुआती दिन काफी उथल-पुथल भरे थे। उन्होंने कहा, 'भाषा संबंधी बाधाओं, सांस्कृतिक अंतर और अन्य कारणों से यह (ऑस्ट्रेलिया में बसना) आसान नहीं था, लेकिन हम धीरे-धीरे इसके अनुकूल ढलने में सफल रहे।

चाइना मास्टर्स : सेमीफाइनल में पूर्व विश्व चैंपियन चिया और यिक को दी मात

सात्विक-चिराग फाइनल में, चिर-प्रतिद्वंद्वी को हराया

एजेंसी ▶▶| शेनझेन

भारत के सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार जोड़ी ने शनिवार को चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में पूर्व विश्व चैंपियन मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक को सीधे गेम में हराकर लगातार दूसरे पुरुष युगल के फाइनल में प्रवेश किया।

पिछले हफ्ते विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने और हांगकांग ओपन में उपविजेता रहने के बाद एशियाई खेलों की चैंपियन जोड़ी ने अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी आरोन और सोह को 21-17, 21-14 से हराकर शानदार प्रदर्शन किया। इस मैच से पहले सात्विक और चिराग का दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ जीत का रिकॉर्ड 4-11 था। भारतीय जोड़ी ने हाल में पेरिस में विश्व चैंपियनशिप में आरोन और सोह को हराकर कांस्य पदक जीता था।

दूसरे गेम में सात्विक और चिराग की बढ़त

दूसरे गेम में सात्विक और चिराग ने 5-2 की बढ़त को 8-2 तक पहुंचाया। हालांकि मलेशियाई खिलाड़ियों ने अंतर 6-8 तक कम कर दिया। पर ब्रेक तक भारतीय खिलाड़ी 11-6 की बढ़त बनाए थे। भारतीय जोड़ी ने फिर 15-9 की बढ़त में इजाफा करते हुए इसे 16-12 कर दिया। अंत में मलेशियाई खिलाड़ियों की गलतियों का फायदा उठाते हुए भारतीय जोड़ी मुकाबला जीत गई।

भारतीय जोड़ी का आक्रामक रुख

भारतीय जोड़ी ने आक्रामक रुख अपनाया और फ्रंट कोर्ट पर भी दबदबा बनाए रखा जबकि मलेशियाई खिलाड़ी विशेषकर आरोन 41 मिनट तक चले सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान लय में नहीं दिखे। शुरुआती गेम में दोनों जोड़ियों कड़ी टक्कर देखने को मिली। आरोन और सोह ने लगातार चार अंक लेकर 10-7 की बढ़त बना ली। लेकिन आरोन की तीन गलतियों से सात्विक और चिराग ने वापसी की। ब्रेक तक मलेशियाई खिलाड़ियों ने एक अंक की बढ़त बनाई हुई थी। आरोन नेट पर फिर लड़खड़ा गए जिससे भारतीयों को फिर से बढ़त मिल गई। सात्विक के लगातार स्मैश लगाए और प्रतिद्वंद्वियों की गलतियों ने भारतीय जोड़ी को 18-14 से आगे कर दिया। सात्विक के शानदार रिटर्न ने उन्हें चार गेम प्वाइंट दिलाए, जिससे उन्होंने पहला गेम अपने नाम कर लिया।

सीमित अवधि ऑफर: ₹15 000* तक का GST लाभ

अतिरिक्त बुकिंग डिस्काउंट ₹1 000*

HDFC BANK
FESTIVE TREATS
Get instant discount up to ₹10,000* on your credit card EMI & on select cards*.
pine labs
Our platform, your move.

TOLL FREE NO.
1800-266-0018

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY*
*Conditions apply

Regd. Office: Hero MotoCorp Ltd., The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj - Phase -II, New Delhi - 110070, India. CIN: L35911DL1984PLC017354. It is our endeavour to improve our product. This could lead to changes in product specifications without notice. Accessories and features shown may not be a part of the standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. Available at select dealerships. #Compared to all scooters in the 125cc segment as per internal testing. ##Based on the testing report of govt. Certified agency. Actual mileage may vary as per riding conditions. ^Finance scheme is at the sole discretion of financiers and subject to its respective terms and conditions. #As per internal benchmarking of 125cc scooters in India under standard conditions. Actual mileage may vary based on road and riding conditions. $Green Bonus is applicable Pan India on select Hero products and bonus amount may vary as per model/variant. *T&C apply. Offer is for limited period or till stock lasts. For further information, contact nearest Hero MotoCorp authorised outlet (s) or visit website www.heromotocorp.com

अधिकृत डीलरः बिलासपुरः सत्या हीरो 9289922464, गैलेक्सी हीरो, 9289922706, अंबिकापुरः आनंद हीरो, 9289922359, सरगुजा हीरो, 9289923110, कोरबाः शांति हीरो, 9289922813, छत्तीसगढ़ हीरो, 9289923057, रायगढ़ः गोयल हीरो, 9289922373, आदित्य हीरो, 9289923091, जांजगीरः आनंद हीरो, 9289922772, बैकुंठपुरः आर.के. हीरो, 9289922812, जशपुरः आकाश हीरो, 9289922909, एसोशिएट डीलरः खड़गांवः बंसल ऑटो एजेंसी, 7000103415, चौराः ओम ऑटो एजेंसी, 7000316070, सरियाः अग्रवाल ऑटो सेण्टर, 9993121909, गौरेलाः श्री माँ नर्मदा मोटर्स, 7587796622/7587796611, सनावलः सोनी ऑटोमोबाइल्स, 9479235816, रतनपुरः माँ महामाया मोटर्स, 9754240437/8839972027, बलोदाः श्री कमला ऑटो, 9926515216, मरवाहीः राहुल ऑटोमोबाइल्स, 8889467369/8719087320, मुगेलीः महावीर, 9993855199, मनेन्द्रगढ़ः विवेक ट्रेडर्स, 6261178785, कटघोराः श्री शारदा एंटरप्राइज, 9809809925, शिवरीनारायणः सुल्तानिया ऑटो केयर, 9407600319, सक्तीः गोयल ऑटो, 9303571001/7000490324, खरसियाः विजय ऑटो एजेंसी, 9993093829, सीतापुरः श्रीराम हीरो, 7000043001, पत्थलगांवः ज्योति ऑटो, 9406399000, सारंगढ़ः गोपाल ऑटो सेंटर, 9827893203, सूरजपुरः आशा ऑटोमोबाईल्स, 9826440096, अकलतराः श्री ऑटो, 9424174274, कोटाः उर्मिला मोटर्स, 9340252857, श्री पुष्कर मोटर्स, 6268000180/8718888789, रामानुजगंजः प्रीति ऑटोमोबाईल्स, 8827674000, बाराद्वारः दुर्गा ऑटो एजेंसी, 8319982160, उदयपुरः बंसत ऑटोमोबाईल्स, 9406022927, तपकराः प्रीति ऑटोमोबाईल्स, 7354334545/7999851514, प्रतापपुरः तायल ऑटोमोबाईल्स, 9617218005, पटनाः आयुश ऑटोमोबाईल्स, 8839141926, पालीः आनंद ऑटोमोबाईल्स, 7089519999, राजपुरः महामाया एजेंसी, 9516209272/9340726288, महापालीः साहू ऑटोमोबाईल्स, 7746028455, मदनपुरः ओम ऑटो एजेंसी, 7000316070, सीपतः मेसर्स गणेश मोटर्स, 9993194005, ऐडिशनल वर्कशॉपः अम्बिकापुरः आनंद ऑटोमोबाईल्स, देवीगंज, 7771008601/9289922359, जेन्युइन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करें: अधिकृत स्टॉकिस्टः ओरियन ऑटोव्हील्स, 07752-252088, अधिकृत सिटी वर्कस्: उरगाः बालाजी सर्विस स्टेशन, 279600, डीलर एक्सटेंशन काउंटरः बिलासपुर (सकरी): सत्या सर्विसेज़, 9111107951, गैलेक्सी हीरो (जगमल चौक) 8085152612, चम्पाः आनंद हीरो, 7909901444, कोरबाः शांति हीरो, 7440299000, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) बिलासपुरः सत्या हीरो, 9289922464, खड़गांवः बंसल ऑटो एजेंसी, 7000103415.

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com